रांची

www.vananchaleye@gmail.com

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:102 गुरूवार, 18 दिसंबर

Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 28 दिसंबर से तीन दिवसीय दौरे पर आएंगी झारखंड

एजंसी

नई दिल्ली :रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 28 दिसंबर से तीन दिवसीय दौरे पर झारखंड आएंगी। वह 28 दिसंबर को रांची पहुंचेंगी और आगमन के बाद रांची स्थित लोकभवन में रात्रि विश्राम करेंगी। राष्ट्रपति 29 दिसंबर को जमशेदपुर जाएंगी, जहां वह एनआईटी जमशेदपुर के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इसके साथ ही वह ओलचिकी लिपि के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भी शिरकत करेंगी। इस कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति और भाषा की समृद्ध परंपरा को रेखांकित किया जाएगा। जमशेदपुर से वापसी के बाद राष्ट्रपति रांची लौटकर लोकभवन में रात्रि विश्राम करेंगी। राष्ट्रपति 30 दिसंबर को गुमला जिले के रायडीह में आयोजित जनसांस्कृतिक समागम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 28 और 29 दिसंबर को रांची स्थित लोकभवन मेंरात्रि विश्राम करेंगी।

एक्स्ट्रा लगेज पर देना होगा अतिरिक्त शुल्क : अश्विनी वैष्णव

एजंसी

नई दिल्ली :नई दिल्ली : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में बड़ी जानकारी दी है। लोकसभा में प्रश्न के जवाब में अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अब ट्रेन में एक्स्ट्रा लगेज ले जाने पर यात्रियों को अतिरिक्त शुल्क देना होगा। लोकसभा में सांसद वेमिरेड्डी प्रभाकर रेड्डी ने अश्विनी वैष्णव से ट्रेन में अतिरिक्त सामान ले जाने पर सवाल पूछा। इस सवाल के जवाब में रेल मंत्री ने एक्स्ट्रा लगेज पर शुल्क देने की बात कही है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अभी के समय में कंपार्टमेंट में यात्री द्वारा अपने साथ ले जाने वाले सामान की श्रेणीवार अधिकतम सीमा तय की गई है। रेल मंत्री ने सदन में ये जानकारी लिखित में शेयर की। स्लीपर क्लास के यात्री 40 किलोग्राम तक सामान फ्री में ले जा सकते हैं। वहीं इस कंपार्टमेंट में सफर करने वाले यात्रियों के लिए 80 किलोग्राम वजन तक का सामान ले जानेकी अनुमति होगी।मौसम विभाग ने झारखंड में दो दिनों के लिए घना कुहासा छाने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने बुधवार और गुरुवार के लिए कुहासा को लेकर अलर्ट जारी किया है। विभाग ने पहले दिन जिन जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है उनमें राज्य के उत्तर-पश्चिमी और निकटवर्ती जिले ।

अतिक्रमण हटाने रिम्स पहुंचे बुलडोजर का महिलाओं ने किया जमकर विरोध

जवानों ने जबरन महिलाओं को उठाकर हटाया, पक्के मकानों को तोड़ने में लगाए गए तीन-तीन बुलडोजर

संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने रिम्स परिसर में बने अवैध निर्माण को तोड़ने का आदेश दिया है। इस आदेश का पालन करने के लिए जब पुलिस बल बुलडोजर के साथ भवनों को गिराने पहुंचा, तो वहां मौजूद लोगों ने इसका जमकर विरोध किया। इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। महिलाओं ने भवन गिराए जाने का विरोध किया, तो पुलिस के द्वारा बल का प्रयोग किया गया और महिलाओं को जबरन उठाकर हटवा दिया गया। अतिक्रमण हटाओ अभियान में और तेजी आई है और पक्के मकानों को तोड़ने में तीन तीन बुलडोजर लगाए गए हैं। जिला प्रशासन की ओर से नियुक्त कार्यपालक दंडाधिकारी साइनी तिग्गा के साथ साथ बड़गाई के अंचलाधिकारी विजय कुमार दास खुद अतिक्रमण हटाओ अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। पूरा मामला रिम्स की जमीन से अतिक्रमण से जुड़ा मामला है।बड़गाई सीओ ने बताया कि झारखंड उच्च न्यायलय के आदेश पर आज भी कार्रवाई जारी है। उन्होंने आगे बताया कि रिम्स के डॉक्टर्स आवासीय कॉलोनी में कई दिनों तक अतिक्रमण हटाओ

अभियान चलाए जाने के बाद से डीआईजी ग्राउंड के चारों ओर रिम्स की जमीन पर बनाये गए अवैध निर्माण को तोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि डीआईजी ग्राउंड के पूर्वीभाग में बने पक्के निर्माण को आज हटाया जा रहा है। इसके लिए तीन-तीन बुलडोजर को लगाया गया है।बड़गाई के अंचलाधिकारी ने बताया कि कानून के हिसाब से ये सभी निर्माण अवैध हैं। जब 1960-65 में इस जमीन का मालिकाना हक रिम्स के पास चला गया, उसके बाद जो भी रजिस्ट्री या म्यूटेशन एवं अन्य प्रक्रिया हुई है वे सब अवैध हैं। सीओ ने कहा कि किस अधिकारी का इसमें क्या दोष रहा है ? यह तो आगे की जांच का विषय है लेकिन ये निर्माण अवैध हैं और इसे पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।पिछले कई दिनों से अवेध कब्जाधारियों को हटने के आदेश देने के बाद बुधवार को कार्रवाई तेज की गई। बुधवार को रिम्स की जमीन पर बनाए गए भवनों को गिराने के लिए पुलिस बल पहुंचा तो लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। विरोध कर रहीं महिलाओं को पुलिस बल के जवानों ने जबरन वहां से हटा दिया। झारखंड हाई कोर्ट ने केस संख्या डबल्यू.पी. (पीआईएल) 4736/2018 (ज्योति शर्मा बनाम राज्य सरकार एवं अन्य) की सुनवाई में रिम्स प्रबंधन और राज्य सरकार को 72 घंटे के भीतर परिसर से सभी अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। नोटिस की अवधि पूरी होने के बाद आज संयुक्त अभियान चलाया गया।

इथियोपियाई संसद के संयुक्त सत्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया संबोधित, कहा-

भारत-इथियोपिया क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के मामले में साझेदार

रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर के साथ मजबूत हुई पारस्परिक सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता

एजेंसी

ने इथियोपियाई संसद को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और इथियोपिया क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के मामले में प्राकृतिक साझेदार हैं। अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा पर इथियोपिया पहुंचे मोदी ने इथियोपियाई संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। यह विश्व की 18वीं संसद है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा, इथियोपिया अफ्रीका के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र में स्थित है। भारत हिंद महासागर के केंद्र में स्थित है। हम क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी में प्राकृतिक साझीदार हैं। पीएम ने कहा, इस वर्ष की शुरूआत में रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर के साथ

हमारी पारस्परिक सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है। यह व्यवस्था निकट सैन्य सहयोग पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि भारत और इथियोपिया के बीच जलवायु और विचारों के मामले में भी समानता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पूर्वजों ने केवल वस्तुओं का ही नहीं बल्कि विचारों और जीवन-शैली का भी आदान-प्रदान किया। मोदी ने कहा कि दोनों देश समझते हैं कि लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका और एक निरंतर यात्रा

भारतीय कंपनियां बड़े निवेशकों में शामिल

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारतीय कंपनियां इथियोपिया में सबसे बड़े निवेशकों में शामिल हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में पांच अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है और 75 से ज्यादा रोजगार सृजित किए हैं। उन्होंने घोषणा की कि भारत और इथियोपिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना ने सेवा वितरण और लोगों की पहुंच के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। मोदी तीन देशों की चार दिवसीय यात्रा पर हैं।

है। यह कभी बहस से, कभी मतभेद से आकार लेता है, लेकिन हमेशा कानून के शासन से निर्देशित रहता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश का पहिया जनता के साथ सामंजस्य में घूमता है, तो प्रगति का पहिया आशा व उद्देश्य के साथ आगे बढ़ता है। ग्लोबल साउथ का विस्तार सेकिया जिक्र : ग्लोबल साउथ के बारे में विस्तार से जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि यह क्षेत्र अपना भविष्य स्वयं लिख रहा है और भारत तथा इथियोपिया इसके लिए एक साझा दृष्टि रखते हैं। उन्होंने कहा,हमारी कल्पना ऐसे विश्व की है, जहां ग्लोबल साउथ किसी के खिलाफ नहीं बल्कि सभी के लिएआगे बढ़े।

सेना को अमेरिका से मिले तीन अपाचे हेलीकॉप्टर पश्चिमी सीमा पर होंगे तैनात

एजेंसी

नई दिल्ली :भारतीय सेना को तीन एएच-64 अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर का आखिरी बैच अमेरिका से मिल गया है, जिससे राजस्थान के जोधपुर में 451 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन में उसके छह एयरक्राफ्ट का बेड़ा पूरा हो गया। अमेरिका में निर्मित अपाचे हेलीकॉप्टरों को एंटोनोव एयरलाइंस के एएन-124 सामरिक एयर लिफ्टर विमान से सीधे एरिजोना से हिंडन एयरबेस तक लाया गया है। ये अपाचे जोधपुर एयर बेस से वायु सेना के एलसीएच प्रचंड के साथ मिलकर काम करेंगे। भारतीय सेना के लिए साल 2020 में 80 करोड़ डॉलर में 06 अपाचे हेलीकॉप्टरों का सौदा अमेरिका से किया गया था। समय पर आपूर्ति मिलने की उम्मीद में सेना ने पिछले साल 15 मार्च को जोधपुर में अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की पहली स्क्वाड्रन भी बना ली थी। तीन अपाचे एएच-64 लड़ाकू हेलीकॉप्टरों का पहला बैच पिछले साल 22 जुलाई को भारत पहुंचा था। शेष तीन हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति में देरी की वजह बोइंग कंपनी की सप्लाई चेन बाधित होना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की पिछले साल अमेरिकी यात्रा पर सेना को अपाचे हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति में हो रही देरी का मुद्दा उठाया गया था, इसके बावजूद डिलीवरी में करीब 15 माह की देरी हुई है। सेना के लिए अपाचे को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि दुश्मन की किलेबंदी को भेदकर और उसकी सीमा में घुसकर हमला करने में सक्षम है।हेलीकॉप्टर के नीचे लगी बंदूकों से 30 एमएम की 1200 गोलियां एक बार में भरी जा सकती हैं। अपाचे एक बार में 2.45 घंटे तक उड़ान भर सकता है। ये हेलीकॉप्टर उन्नत सुविधाओं से लैस है, जिनमें लॉन्ग रडार,

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, भाजपा कार्यालय घेरा

संवाददाता

रांची:न्यायालय से कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की ओर से दाखिल आरोप पत्र को खारिज करने पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार और भाजपा के विरोध में भाजपा मुख्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। बुधवार को हुए कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने किया। इसके पूर्व कांग्रेस कार्यकताओं का जमावड़ा हरमू मैदान में हुआ जहां से विरोध मार्च करते हुये भाजपा कार्यालय का घेराव किया गया। मौके पर केशव महतो कमलेश ने कहा कि केंद्र सरकार ने केंद्रीय एजेंसीयों का दुरुपयोग बिना एफआइआर के ही किया है। मोदी सरकार ने ईडी के सहारे सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ झूठा

मामला बनाने की कोशिश की। केंद्र सरकार लगातार कांग्रेस और विपक्ष के नेताओं को ईडी और सीबीआई के सहारे निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि ईडी का डर दिखाकर गैर भाजपा शासित राज्यों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को डराने का काम किया जा रहा है। केंद्र सरकार दमनात्मक कार्रवाइयों की सीमा पार कर चुकी है। देश की 150 करोड़ जनता के सामने न्यायालय ने केंद्र सरकार और भाजपा को बेनकाब कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह दुर्लभतम मामला है जिसमें न धन का लेनदेन हुआ न किसी संपत्ति का स्थानांतरण हुआ फिर भी ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी से लगातार कई घंटों तक जांच के नाम पर पूछताछ कर मानसिक प्रताड़ना देने की कोशिश की गई। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी सीरीवेल्ला प्रसाद, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, शहजादा अनवर, विक्सल कोनगाड़ी, राजीव रंजन प्रसाद, शमशेर आलम,ज्योति सिंह मथारू, राकेश सिन्हा, अमूल्य नीरज खलको, कुमार राजा सहित दर्जनों पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने किया। उनके साथ कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, सिमडेगा विधायक एनवी कौनगाड़ी, प्रदेश कांग्रेस महिला अध्यक्ष रामा खलखो, राकेश सिंहा सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

झारखंड में बनेगी मेडिकल यूनिवर्सिटी

इरफान ने की स्वास्थ्य राज्य मंत्री से मुलाकात, कई मुद्दों पर बनी सहमती

संवाददाता

रांची : स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर झारखंड में मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना की जाएगी। डॉ. अंसारी ने कहा कि पिछले बीस वर्षों तक राज्य की जनता को केवल आश्वासन दिए गए और मेडिकल यूनिवर्सिटी व मेडिकल फैकल्टी का गठन नहीं हो सका। इसका सीधा असर यह हुआ कि झारखंड में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की भारी कमी बनी रही। उन्होंने कहा कि अब यह स्थिति बदलेगी और मेडिकल यूनिवर्सिटी राज्य के मेडिकल

क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। डॉ. अंसारी ने बताया कि इसी क्रम में रांची के बिरसा/बूटी मोड़ बुंडू क्षेत्र में प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान वे स्वयं, प्रधान सचिव अजय कुमार और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर उपस्थित रहेंगे। उन्होंने इसे स्वास्थ्य शिक्षा की दिशा में अब तक का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक कदम बताया। इरफान ने की स्वास्थ्य राज्य मंत्री से मुलाकात, कई मुद्दों पर बनी सहमती रांची : झारखंड के स्वास्थ्य क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में बुधवार को एक अहम पहल हुई। नई दिल्ली में केंद्रीय आयुष एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रताप राव जाधव के साथ हुई बैठक में राज्य के स्वास्थ्य भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण सहमति बनी। बैठक में हेल्थ कॉटेज की स्थापना, आयुर्वेदिक यूनिवर्सिटी की शुरूआत, राज्य के मेडिकल कॉलेजों का सशक्तिकरण,

प्रदूषण | दिल्ली में प्रदूषण पर बोलीं कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी: सांस लेने में तकलीफ हो रही है

प्रदूषण के स्तर को प्रभावी ढंग से रोकने के उपाय पूरी तरह से फेल: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली: टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी और केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का पश्चिम बंगाल में घुसपैठियों पर मजाक का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें बनर्जी गडकरी से पूछ रहे हैं कि एक मिला क्या।इसके बाद दोनों सांसद ठहाका लगाते हैं। पास खड़े लोग भी मुस्कुराने लगते हैं। यह वाकया संसद परिसर का है, जब दोनों नेता मिलते हैं।इस दौरान कल्याण बनर्जी ने मजाकिया अंदाज में गडकरी से कहा कि पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बार-बार एक करोड़ घुसपैठियों का जिक्र किया था। एक मिला क्या ?दरअसल, देश के 12

राज्यों में चुनाव आयोग एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) चला रही है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार इसके जरिए लोगों को जबरन घुसपैठिया बताकर देश से निकाल रही है। सांसद कल्याण बनर्जी दोनों हाथों को ऊपर उठाते हुए कहा कि निकाल कर बाहर फेंकेंगे। फिर केंद्रीय मंत्री को एक अंगुली दिखाते हुए कहा कि एक मिला क्या ? टीएमसी सांसद को केंद्रीय मंत्री गडकरी ने जवाब दिया आपको मिलवाएंगे कभी, इस पर कल्याण बनर्जी ने फिर कहा नहीं, नहीं आपको मिला क्याब ?इसके बाद कल्याण गडकरी का हाथ पकड़कर पास लाते हैं और कान में कुछ कहते हैं। फिर दोनों जोर से हंसने लगते हैं। गडकरी फिर मुस्कुराते हुए आगे निकल जाते हैं।कुछ कदम आगे बढ़ने पर गडकरी, कल्याण बनर्जी को अपनी कार दिखाकर कहते हैं हाइड्रोजन से चलती है।इस पर कल्याण बनर्जी फिर मजाकिया लहजे में गडकरी से कहते हैं- आप इतना गाड़ियों का क्या करेंगे ? एक-दो हमारे पास भी भेज दीजिए न। जो आप नौकर-वोकर को दे देते हैं। एक-दो हम लोगों को दे दीजिए।टीएमसी सांसद ने केंद्रीय मंत्री गडकरी से पूछा, एक भी घुसपैठिया मिला क्या ?गडकरी ने नबीन और अपने बीच की अद्भुत समानताओं का जिक्र किया

एजेंसीनई दिल्ली: बिहार भाजपा के युवा नेता नितिन नबीन को पार्टी का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के बाद सियासी गलियारों में चर्चा तेज है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए नबीन और अपने बीच की अद्भुत समानताओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये सुखद संयोग है कि दोनों का नाम 'नितिन' है

सबका बीमा सबकी रक्षा विधेयक को संसद की मंजूरी, शत-प्रतिशत तक एफडीआई का प्रावधान

एजेंसी

नयी दिल्ली: बीमा क्षेत्र में शत- प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रावधान करने वाले 'सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) विधेयक, 2025' को बुधवार को संसद की मंजूरी मिल गयी। राज्यसभा ने विधेयक पर चर्चा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद आज विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे मंगलवार 16 दिसंबर को ही पारित कर चुकी थी। इस विधेयक का उद्देश्य बीमा संबंधी तीन कानूनों में संशोधन करना है। इसमें बीमा क्षेत्र में शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देने के अलावा कारोबार को आसान बनाने के लिए और भी कई उपाय किये गये हैं। पहली बार यह प्रावधान किया गया है कि एक बीमा कंपनी का गैर-बीमा कंपनी के साथ विलय किया जा सकता है या उसे बीमा तथा गैर-बीमा कंपनियों में बांटा जा

सकता है। इसके लिए बीमा नियामक से अनुमति लेनी होगी। अब पांच प्रतिशत से कम के हिस्सेदारी स्थानांतरण के लिए पूवार्नुमति की जरूरत नहीं होगी। पहले यह सीमा एक प्रतिशत थी। सभी बीमा कंपनियों और बिचौलियों के लिए अपने नाम में ₹बीमा₹ शब्द रखना अनिवार्य होगा। नियमों के उल्लंघन पर जुमार्ना बढ़ाने का भी इस विधेयक में प्रावधान किया गया है। अधिकतम जुमार्ना एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दिया गया है। अब बीमा कंपनियों और बिचौलियों के लिए जुमार्ने के नियम एक समान कर दिये गये हैं। पहले जहां गड़बड़ी पाये जाने पर बिचौलियों का लाइसेंस सीधे रद्द कर दिया जाता था, अब लाइसेंस निलंबित करने का प्रावधान किया गया है ताकि उन्हें सुधार करने का मौका दिया जा सके। चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि शत-प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने से विदेशी कंपनियों के लिए भारत में आना आसान होगा और उन्हें स्थानीय भागीदार खोजने की जरूरत नहीं होगी।

रांची में पहली बार संतोष ट्रॉफी: बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में खेले जाएंगे ग्रुप सी के मुकाबले

रांची, संवाददाता ।

देश की सबसे प्रतिष्ठित घरेलू फुटबॉल प्रतियोगिता 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्रॉफी 2025झ26 के ग्रुप सी के मुकाबलों की मेजबानी इस बार झारखंड को मिली है. यह पहला मौका है जब संतोष ट्रॉफी के राष्ट्रीय स्तर के मुकाबले रांची के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में खेले जाएंगे. प्रतियोगिता का आगाज 19 दिसंबर से होगा और इसमें रेलवे, झारखंड, बिहार और दिल्ली की टीमें मैदान में उतरेंगी. झारखंड में फुटबॉल का समृद्ध इतिहास रहा है और राज्य ने देश को कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिए हैं. ऐसे में संतोष ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी मिलना न केवल खेल प्रेमियों के लिए उत्साह का विषय है, बल्कि यह राज्य की खेल संरचना और आयोजन क्षमता पर भी भरोसे को दशार्ता है.

19, 21 और 23 दिसंबर को खेले जाएंगे मुकाबले

19 दिसंबर को टूनार्मेंट के पहले दिन सुबह 09:30 बजे रेलवे और दिल्ली के बीच मुकाबला खेला जाएगा, जबकि दोपहर 2:30 बजे झारखंड और बिहार की टीमें आमने-सामने होंगी. झारखंड की टीम अपने घरेलू मैदान पर जीत के साथ अभियान की शुरूआत करने के इरादे से उतरेगी. इसके बाद 21 दिसंबर को सुबह 09:30 बजे बिहार और रेलवे की भिड़ंत होगी, जबकि दोपहर 2:30 बजे दिल्ली और झारखंड के बीच अहम मुकाबला खेला जाएगा. ग्रुप चरण का अंतिम दिन 23 दिसंबर को होगा, जब सुबह 09:30 बजे बिहार और दिल्ली की टीम आमने-सामने होगी और दोपहर 2:30 बजे झारखंड का मुकाबला रेलवे से होगा.

आयोजन को लेकर तैयारियां तेज

बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, जो पहले ही अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के कई बड़े आयोजनों का साक्षी रहा है. एक बार फिर फुटबॉल प्रेमियों से खचाखच भरे रहने की उम्मीद है. आयोजन को लेकर राज्य खेल विभाग और झारखंड फुटबॉल संघ की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं. सुरक्षा, दर्शक सुविधा, खिलाड़ियों के आवास और अभ्यास की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. खेल विशेषज्ञों का मानना है कि इस आयोजन से झारखंड के उभरते फुटबॉल खिलाड़ियों को न केवल प्रेरणा मिलेगी, बल्कि उन्हें शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों के साथ खेलने और सीखने का अवसर भी मिलेगा. संतोष ट्रॉफी 2025झ26 के ये मुकाबले झारखंड के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं.

आदिवासी अधिकारों पर राष्ट्रीय सर्वे रिपोर्ट जारी, कई क्षेत्रों में सुधार तो कई चुनौतियां बरकरार

रांची। रांची में इंडिजिनस नेविगेटर नेशनल सर्वे 2023 की सारांश रिपोर्ट जारी की गई. यह कार्यक्रम वीमेन एंड जेंडर रिसोर्स सेंटर और आदिवासी महिला नेटवर्क के सहयोग से आयोजित हुआ. रिपोर्ट में भारत में आदिवासी समुदायों के अधिकारों, जीवन स्थितियों और विकास से जुड़े मुद्दों पर स्थिति को सामने रखा गया है. इस सर्वे में देश के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल किया गया. रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 10.4 करोड़ आदिवासी रहते हैं, जो कुल आबादी का करीब 8.6 प्रतिशत हैं. सर्वे संयुक्त राष्ट्र की आदिवासी अधिकार घोषणा (वठऊफ्क्क) के आधार पर किया गया है और इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, न्याय, भूमि-अधिकार, संस्कृति और राजनीतिक भागीदारी जैसे 12 अहम विषयों पर अध्ययन किया गया. रिपोर्ट बताती है कि शिक्षा, रोजगार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे कुछ क्षेत्रों में स्थिति पहले से बेहतर हुई है. लेकिन भूमि और जंगल पर अधिकार, सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण जैसे मामलों में आदिवासी समुदायों को अब भी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. कई जगहों पर बिना पूरी सहमति के विस्थापन और विकास परियोजनाओं का असर भी देखा गया है.

विवेकानंद विद्या मंदिर कोऑर्डिनेटर के खिलाफ ज्ञापन, वायरल ऑडियो बना विवाद का कारण

रांची, संवाददाता ।

इन दिनों रांची में एक ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया और स्मार्टफोन्स पर तेजी से वायरल हो रही है. इस ऑडियो में पति-पत्नी के बीच तीखी बहस सुनी जा सकती है, जिसमें कथित तौर पर अभद्र भाषा का भी इस्तेमाल किया गया है.इसी मामले को लेकर आज प्रगति महिला समाज दर्पण की कार्यकताओं ने विवेकानंद विद्या मंदिर के प्रिंसिपल को एक ज्ञापन सौंपा. महिला संगठन ने आरोप लगाया है कि यह ऑडियो क्लिप स्कूल के कोऑर्डिनेटर के मोबाइल फोन से स्कूल के व्हाट्सएप ग्रुप में साझा हुई थी. ज्ञापन में कहा गया है कि ऑडियो में कोऑर्डिनेटर द्वारा आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया है. संगठन ने सवाल उठाया है कि यदि घर में इस तरह का व्यवहार किया जा रहा है, तो स्कूल में महिलाओं और छात्रों के साथ उनका व्यवहार कैसा होगा. इस आधार पर कोऑर्डिनेटर को तत्काल पद से हटाने और स्कूल से निष्कासित करने की मांग की गई है. प्रगति महिला समाज दर्पण ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर इस मामले में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो स्कूल परिसर के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया जाएगा.प्रगति महिला समाज दर्पण की सचिव रेणुका देवी ने बताया कि स्कूल में कार्यरत लोगों और महिलाओं ने आवाज के आधार पर पुष्टि की, जिसके बाद यह सुनिश्चित किया गया कि वायरल ऑडियो में आवाज स्कूल कोऑर्डिनेटर की ही है. उन्होंने कहा कि कई दिनों की जांच-पड़ताल के बाद आज ज्ञापन सौंपा गया है. वहीं दूसरी ओर स्कूल के कोऑर्डिनेटर समरेंद्र प्रसाद सिंह ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे उनके खिलाफ साजिश बताया है. उन्होंने कहा कि वीर कुंवर सिंह क्लब से जुड़े कुछ लोगों द्वारा उनके घरेलू मामले को हथियार बनाकर उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है. समरेंद्र प्रसाद सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी पत्नी को उनसे कोई शिकायत है तो वह कानूनी कार्रवाई कर सकती हैं, लेकिन फिलहाल यह पूरा मामला कुछ लोगों द्वारा अपने स्वार्थ साधने के लिए उछाला जा रहा है.

समाहरणालय के पास लग रही है जाम, नियमों की उड़ रही है धज्जियां

रांची, संवाददाता ।

रांची शहर को जाम मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा रोजाना अभियान चलाने के दावे किए जाते हैं. लगभग हर दिन अतिक्रमण हटाने की खबरें भी देखने को मिलती हैं, लेकिन हकीकत यह है कि रांची आज भी जाम की समस्या से बुरी तरह जूझ रहा है. शहर के सबसे महत्वपूर्ण इलाके, समाहरणालय के आसपास और रांची नगर निगम कार्यालय से महज 200 मीटर की दूरी पर रोजाना खुलेआम अतिक्रमण देखा जा सकता है. सड़क किनारे दुकानें लगी रहती हैं, ठेले और अस्थायी कब्जे यातायात को बाधित करते हैं, लेकिन इन पर कोई स्थायी कार्रवाई नजर नहीं आती. कई बार नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाया भी जाता है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि अगले ही दिन फिर वही दुकानें और ठेले उसी जगह पर नजर आने लगते हैं. सवाल यह उठता है कि अतिक्रमण हटाने के बाद दोबारा सड़क किनारे दुकानें लगाने की अनुमति आखिर किसके संरक्षण में मिल जाती है? और जब अतिक्रमण दोबारा होता है, तो नगर निगम की नजर वहां क्यों नहीं जाती? इतना ही नहीं, समाहरणालय के मुख्य गेट के पास ही सड़क पर रोजाना बाइक और कारों की अवैध पार्किंग होती है. इससे आम लोगों को भारी परेशानी होती है, लेकिन न तो वहां चालान काटा जाता है और न ही किसी प्रकार की सख्ती दिखाई देती है. जिम्मेदार विभाग मानो आंख मूंदे बैठे हैं.

झारखंड में सबसे अधिक कॉर्निया ट्रांसप्लांट करने वाले कश्यप मेमोरियल आई बैंक में 90 साल की राधा देवी ने पेश की करुणा की मिसाल

रांची, संवाददाता ।

ऑल इंडिया मारवाड़ी महिला सम्मेलन की पूर्व अध्यक्ष राधा देवी बथवाल अब इस दुनिया में नहीं हैं. जीवन के अंतिम क्षण में उन्होंने कुछ ऐसा काम किया, जिसकी वजह से वह लंबे समय तक दुनिया में जीवित रहेंगी. उन्होंने जाते-जाते कई लोगों की जिंदगी रोशन करने का फैसला किया. 90 साल की उम्र में राधा देवी बथवाल ने मृत्यु के उपरांत अपनी आंखें दान कीं. उनके इस निःस्वार्थ कार्य से झारखंड के कई लोगों को ह्यद्दष्टिह्न का उपहार मिला है.

कॉर्निया ट्रांसप्लांट से हजारों लोगों को मिली है नयी जिंदगी

राधा देवी बथवाल की इच्छा को झारखंड में हजारों नेत्रहीन मरीजों की लाइफलाइन बन चुके कश्यप मेमोरियल आई बैंक ने पूरा किया. कश्यप मेमोरियल आई बैंक की मेडिकल डायरेक्टर-सह-प्रबंध न्यासी डॉ भारती कश्यप ने बताया कि संस्था की स्थापना के बाद से अब तक झारखंड में सबसे अधिक कॉर्नियल ट्रांसप्लांट किये हैं. इससे हजारों लोगों को न केवल द्दष्टि मिली है, बल्कि उन्हें सम्मान और स्वतंत्रता भी वापस मिली है.

झारखंड में 1,000 से अधिक कॉर्निया ट्रांसप्लांट

कश्यप मेमोरियल आई बैंक ने अपनी स्थापना के बाद से लगभग 1,047 कॉर्नियल ट्रांसप्लांट किये हैं. पिछले 5 वर्षों में इस आई बैंक ने 522 कॉर्नियां ट्रांसप्लांट किये हैं. हर एक ट्रांसप्लांट की अपनी अलग कहानी है. कश्यप मेमोरियल आई बैंक झारखंड का सबसे बड़ा और देश के सर्वश्रेष्ठ आई बैंकों में एक है. अत्याधुनिक उपकरणों से लैस इस अस्पताल में बेहतरीन कॉर्निया सर्जन नेत्र रोगियों का इलाज और उनकी सर्जरी करते हैं.

थम जाती है जिंदगी, रोशनी नहीं

कश्यप मेमोरियल आई बैंक की प्रमुख डॉ भारती कश्यप ने कहा कि राधा देवी बथवाल का यह अंतिम उपहार अपने आप में अनूठा है. यह साबित करता है कि किसी व्यक्ति की सांसें थम जायें, तो उसका जीवन समाप्त नहीं हो जाता. उसके इस दुनिया से जाने के बाद भी वह इस दुनिया में मौजूद रह सकता है. उसकी मानवता की मिसाल लंबे अरसे तक दी जाती है. उसकी विरासत को लोग हमेशा याद करते हैं. वहीं, राधा देवी के परिवार के लिए यह निर्णय भावनात्मक संकल्प था. उनका मानना है कि भले जीवन समाप्त हो जाये, उसकी रोशनी फीकी नहीं पड़नी चाहिए. राधा देवी बथवाल के परिवार ने नेत्रदान के बाद कहा कि उनको लगा कि राधा देवी की आंखें उन लोगों के लिए दुनिया को रंगों से भर सकती हैं, जिनकी किसी कारण से द्दष्टि चली गयी है. इस नेक निर्णय में उनकी पुत्रवधू नीरा बथवाल ने अहम भूमिका निभायी. नीरा बथवाल ऑल इंडिया मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राज्य इकाई की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रही हैं.

रांची डीसी ने राजस्व-जमीन मामलों की समीक्षा, लंबित काम जल्द निपटाने के निर्देश

रांची, संवाददाता ।

रांची जिला प्रशासन ने आम लोगों से जुड़े राजस्व और जमीन के मामलों को लेकर बुधवार को समीक्षा बैठक की. बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने की. उपायुक्त ने कहा कि दाखिल-खारिज, सीमांकन और जमीन से जुड़े अन्य काम समय पर पूरे होने चाहिए. उन्होंने राजस्व कर्मचारियों, अमीन और अंचल स्तर के अधिकारियों को कामकाज में सुधार लाने का निर्देश दिया. कहा गया कि अगर लापरवाही या शिकायत मिली तो कड़ी कार्रवाई होगी. उपायुक्त ने यह भी कहा कि लोगों की समस्याओं का समाधान जल्दी किया जाए, ताकि उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें. बैठक में लंबे समय से लंबित दाखिल-खारिज मामलों, सीमांकन, रिकॉर्ड सुधार और जन शिकायतों की समीक्षा की गई. डीसी ने दोहरी जमाबंदी के मामलों पर भी ध्यान देने को कहा. साथ ही सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे तय समय में काम पूरा करें और काम में पारदर्शिता रखें.

रांची से दिल्ली तक साइकिल पर देशभक्ति का संदेश, वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन का आयोजन

रांची, संवाददाता ।

एनसीसी निदेशालय बिहार और झारखंड की ओर से वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन का आयोजन किया जा रहा है. इस साइक्लोथॉन का उद्देश्य महान आदिवासी नेता धरती आबा वीर बिरसा मुंडा के योगदान को याद करना और युवाओं में देशभक्ति, एकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है. यह कार्यक्रम केवल एक साइकिल यात्रा नहीं, बल्कि एक जागरूकता अभियान के रूप में देखा जा रहा है. इस साइक्लोथॉन को दो चरणों में पूरा किया जाएगा. पहले चरण का आयोजन 18 से 20 दिसंबर के बीच झारखंड में किया जाएगा. इस दौरान साइकिल यात्रा झारखंड के उन स्थानों से होकर गुजरेगी, जो वीर बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्ष से जुड़े रहे हैं.इस चरण में एनसीसी के अधिकारी, प्रशिक्षक और बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट भाग लेंगे, जिनमें छात्राओं की भी सक्रिय भागीदारी रहेगी. पहले चरण का समापन रांची के मोरहाबादी मैदान में होगा, जहां प्रतिभागियों का भव्य स्वागत किया जाएगा. दूसरा चरण रांची से नई दिल्ली तक आयोजित किया जाएगा, जो करीब 1300 किलोमीटर लंबा होगा. यह यात्रा 28 दिसंबर 2025 से शुरू होकर जनवरी 2026 तक चलेगी. साइक्लोथॉन झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा होते हुए दिल्ली पहुंचेगा. इस चरण में एनसीसी के अधिकारी, स्थायी स्टाफ और चयनित कैडेट शामिल होंगे. सभी प्रतिभागी अनुशासन, साहस और सेवा भावना के साथ इस लंबी यात्रा को पूरा करेंगे. नई दिल्ली पहुंचने पर इस साइक्लोथॉन का समापन एक राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान किया जाएगा, जहां वीर बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी जाएगी. आयोजकों का कहना है कि यह यात्रा युवाओं को अपने इतिहास से जोड़ने, शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने और देश की एकता का संदेश फैलाने का माध्यम बनेगी. वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन के माध्यम से एनसीसी यह संदेश देना चाहता है कि आज का युवा अपने महापुरुषों से प्रेरणा लेकर देश के लिए सकारात्मक भूमिका निभा सकता है. यह साइकिल यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और वीर बिरसा मुंडा के विचारों को देशभर तक पहुंचाएगी.

इरफान की सम्राट चौधरी को नसीहत, बुलडोजर की नहीं, भाईचारे व संवाद की भाषा अपनाइए

आप भी बिहार में जोड़ने का काम करें, तोड़ने का नहीं

उत्तर प्रदेश की नकल बिहार में नहीं चलेगी

रांची, संवाददाता ।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को नसीहत दी है कि बुलडोजर की भाषा नहीं, भाईचारे और संवाद की भाषा अपनाइए. दरअसल डॉ इरफान अंसारी से सम्राट चौधरी की मुलाकात राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के पुत्र के रिसेप्शन के दौरान हुई. मंत्री इरफान ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया में भी साझा की है. उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि उनसे (सम्राट चौधरी) मैंने स्पष्ट रूप से कहा कि, बुलडोजर की भाषा नहीं, भाईचारे और संवाद की भाषा अपनाइए. आपके और मेरे पिताजी ने साथ मिलकर काम किया है. हमारे बीच पुराना पारिवारिक और राजनीतिक संबंध रहा है. हम झारखंड में समाज को जोड़ने का काम कर रहे हैं, आप भी बिहार में जोड़ने का काम करें - तोड़ने का नहीं. उत्तर प्रदेश की नकल बिहार में नहीं चलेगी. बिहार के लोग ऐसी राजनीति को बर्दाश्त नहीं करते. सद्भाव, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक सौहार्द से ही देश आगे बढ़ेगा.

नेशनल हेराल्ड केस में राहुल और सोनिया गांधी को राहत मिलने से कांग्रेस उत्साहित, पार्टी नेताओं ने भाजपा कार्यालय का किया घेराव

रांची, संवाददाता ।

नेशनल हेराल्ड मामले में अदालत से राहुल गांधी-सोनिया गांधी को बड़ी राहत दिए जाने के बाद ईडी की पूरी कार्रवाई को पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के इशारे पर रची साजिश बताते हुए झारखंड कांग्रेस के नेताओं ने झारखंड प्रदेश बीजेपी कार्यालय का घेराव किया. बहुचर्चित नेशनल हेराल्ड केस में मंगलवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इंकार करने के बाद बुधवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने झारखंड भाजपा कार्यालय कार्यालय का घेराव किया. गौरतलब है कि कोर्ट ने कहा कि यह चार्जशीट एक निजी शिकायत और उस पर मजिस्ट्रेट के द्वारा संज्ञान लेने पर आधारित है. जबकि मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में अपराध तभी बनता है जब सक्षम जांच एजेंसी ने अपराध से जुड़ी जांच दर्ज कराई हो. अदालत के इस निर्देश को कांग्रेस के बड़े नेताओं ने सत्य की जीत बताते हुए यह आरोप लगाया कि भाजपा राजनीतिक प्रतिद्वंदिता और गलत मंशे से उनके नेता राहुल गांधी-सोनिया गांधी को परेशान करने के लिए ईडी के माध्यम से कार्रवाई करा रही थी लेकिन अदालत के फैसले से साफ हो गया कि सत्यमेव जयते यानी हमेशा सत्य की जीत होती है. नेशनल हेराल्ड प्रकरण में ईडी द्वारा बिना एफआईआर के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी एवं नेता विपक्ष राहुल गांधी को परेशान किए जाने के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा हरमू स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय का घेराव किया गया. इस घेराव का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने किया. जबकि पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित सभी अग्रणी विभाग के चेयरमैन और छात्र विंग के नेता कार्यकर्ता शामिल हुए. इस दौरान जिला प्रशासन के द्वारा बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की भाजपा कार्यालय के बाहर तैनाती की गई थी.

रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर अजीत कुमार सिंह के कार्यकाल में हुए व्यापक भ्रष्टाचार और गवन की जांच

रांची। रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर अजीत कुमार सिंह के कार्यकाल में हुए व्यापक भ्रष्टाचार और गवन हुआ है उसकी जांच के लिए माननीय राज्यपाल ने भी आदेश दे दिया है परंतु इसकी जांच बहुत धीमी है उनको कहीं ना कहीं बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है क्योंकि इस घोटाला में सभी लोग सम्मिलित हैं बड़े लोग सम्मिलित हैं अब वह अधिकार मंच ने उनके भ्रष्टाचार एवं काले कारनामे की जानकारी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं प्रधानमंत्री गृह मंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री से भी की है. उपरोक्त तथ्य के आरोप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी पहल करते हुए इनकी कार्यकाल की की जांच के लिए दोबारा माननीय राज्यपाल सकुराधिपति से अनुरोध किया है जो स्वागत योग्य है क्योंकि सरकार के करोड़ों रुपए के गबन का मामला है यह जनता का पैसा है गाड़ी कमाई का पैसा है और इस पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए ताकि पैसे वापस हो सके. अबुआ अधिकार मंच के विशाल कुमार यादव ने मांग किया है कि इंटर अंगिभुत महाविद्यालय में जो गवन हुआ है उसकी जांच होनी चाहिए।

रिम्स की जमीन पर बुधवार को भी चला प्रशासन का बुलडोजर, अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई जारी

रांची, संवाददाता ।

झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के बाद राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है. अतिक्रमण हटाओ अभियान में और तेजी आई है और पक्के मकानों को तोड़ने में तीन तीन बुलडोजर लगाए गए हैं. जिला प्रशासन की ओर से नियुक्त कार्यपालक दंडाधिकारी साइनी तिग्गा के साथ साथ बड़गाई के अंचलाधिकारी विजय कुमार दास खुद अतिक्रमण हटाओ अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं.

ध्वस्त होंगे सारे अवैध निमार्ण: सीओ

बड़गाई सीओ ने बताया कि झारखंड उच्च न्यायलय के आदेश पर आज भी कार्रवाई जारी है. उन्होंने आगे बताया कि रिम्स के डॉक्टर्स आवासीय कॉलोनी में कई दिनों तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाए जाने के बाद से डीआईजी ग्राउंड के चारों ओर रिम्स की जमीन पर बनाये गए अवैध निर्माण को तोड़ा जा रहा है. उन्होंने कहा कि डीआईजी ग्राउंड के पूर्वी भाग में बने पक्के निर्माण को आज हटाया जा रहा है. इसके लिए तीन-तीन बुलडोजर को लगाया गया है. बड़गाई के अंचलाधिकारी ने बताया कि कानून के हिसाब से ये सभी निर्माण अवैध हैं. जब 1960-65 में इस जमीन का मालिकाना हक रिम्स के पास चला गया, उसके बाद जो भी रजिस्ट्री या म्यूटेशन एवं अन्य प्रक्रिया हुई है वे सब अवैध हैं. सीओ ने कहा कि किस अधिकारी का इसमें क्या दोष रहा है? यह तो आगे की जांच का विषय है लेकिन ये निर्माण अवैध हैं और इसे पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा.

रिहायशी इलाके में है अवैध अपार्टमेंट: सीओ

बड़गाई अंचल के अंचलाधिकारी विजय कुमार दास ने बताया कि रिम्स की जमीन पर बने बहुमंजिला अपार्टमेंट को तोड़ने की कार्रवाई आज भी जारी है. उन्होंने कहा कि चूंकि यह अपार्टमेंट रिहायशी इलाके में है और आसपास भी लोग रह रहे हैं, इसलिए कोई अनहोनी या अप्रिय घटना नहीं हो, इसलिए पहले ऊपर के दो तलों को बेहद सावधानी से तोड़ा जा रहा है. उसके बाद इसे बुलडोजर से ढहाया जाएगा.

ये है पूरा मामला

झारखंड उच्च न्यायालय में दायर वाद संख्या W.P. (PIL) 4736/2018 (ज्योति शर्मा वर्सेस राज्य सरकार एवं अन्य) में 3.12.2025 को पारित न्यायादेश में राज्य सरकार और रिम्स परिसर को 72 घंटे के अंदर सभी प्रकार के अतिक्रमण से मुक्त करने का आदेश दिया गया था. झारखंड उच्च न्यायालय, रांची के दिए आदेश के अनुपालन में सभी अतिक्रमणकारियों को अतिक्रमण हटा लेने का निर्देश देते हुए नोटिस जारी किया गया था. रांची जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और रिम्स प्रबंधन द्वारा संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा रहा है.

हाथियों के हमले में चार की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने किया बवाल

वेस्ट बोकारो में स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग व जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर लगाए नारे

संवाददाता । रांची

झारखंड का रामगढ़ जिला हाथियों की वजह से सुर्खियों में आ गया है। हाथियों के हमले से चार लोगों की मौत से लोगों का गुस्सा वन विभाग के खिलाफ फूट पड़ा है। बुधवार को स्थानीय लोगों ने चार नंबर चौक पर सड़क जाम कर दिया है। सुबह से ही ग्रामीण सड़क पर उतरकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वन विभाग और जिला प्रशासन की लापरवाही के कारण ही हाथियों का आतंक बढ़ता जा रहा है। हाथियों को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। रामगढ़ जिले के वेस्ट बोकारो में जंगल से निकले हाथियों का झुंड उत्पात मचा रहा है और वन विभाग सोया हुआ है। पूरे क्षेत्र के लोग डरे-सहमे हैं। मंगलवार को अलग-अलग स्थानों पर हाथियों ने दो महिलाओं समेत चार लोगों की कुचलकर मार दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि सबसे पहले मंगलवार को शाम करीब चार बजे सारुबेड़ा की सीसीएल कोलियरी में तैनात गार्ड अमित रजवार (35) पर हाथियों ने हमला कर दिया। वह अपने कुछ साथियों के साथ जंगल में हाथियों के झुंड के पास मोबाइल से फोटो ले रहा था। इसी दौरान एक हाथी भड़क गया और उन्हें दौड़ाने लगा। इससे वहां भगदड़ मच गई। कुछ लोग किसी तरह जान बचाकर भाग निकले, लेकिन अमित को हाथी ने पकड़ लिया। हाथी ने उसे सूंड से पटक-पटक कर मार डाला। दूसरी घटना मंगलवार को रात करीब साढ़े दस बजे हुई, जब गिद्दी निवासी अमूल महतो बाइक से घाटो कोलियरी क्षेत्र की ओर जा रहा था। इसी बीच हाथियों ने उसे सड़क पर घेर लिया और कुचलकर उसकी भी जान ले ली। इसके अलावा लखन करमाली की पत्नी सावित्री देवी और दशरथ मांझी की पत्नी पार्वती देवी को भी हाथियों ने अचानक हमला करके मौत के घाट उतार दिया। वन विभाग भी इन चारों घटनाओं से इनकार नहीं कर रहा है। रेंजर बटेश्वर पासवान ने चारों मौतों की पुष्टि करते हुए कहा कि ये घटनाएं वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र में हुई हैं। दूसरी ओर स्थानीय लोगों का कहना है कि हाथी-मानव संघर्ष रोकने में वन विभाग पूरी तरह विफल रहा है। यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो हालात और भयावह हो सकते हैं।पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में बुधवार को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, धनेश्वर हेम्ब्रम ने खानपान की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पवन चौक स्थित पवित्र भोजनालय और बाटा रोड स्थित गुप्ताजी स्वीट्स एंड स्नैक्स में गंदगी और एक्सपायर्ड प्रोडक्ट पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया। निरीक्षण में एक्सपायर्ड जूस और कोल्डड्रिंक्स को नष्ट किया गया। मिठाई दुकानों में इस्तेमाल होने वाले रंगों की जांच की गई, लेकिन अखाद्य रंग नहीं मिले।

ब्रीफ न्यूज

भ्रष्टाचार के खिलाफ धरना जारी

संवाददाता ।

रांचीः झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा खलारी प्रखंड कार्यालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ धरना जिला संगठन मंत्री रतिया जी के आह्वान में तीसरा दिन भी जारी रहा धरना में लोगों का उत्साह काफी रहा इस कार्यक्रम में अभी तक प्रबंधन और ठेकेदार की ओर से कोई भी पहल नहीं होने से आंदोलन को और तेज करने का धाराधार करने का लोगों ने निर्णय लिया धरना स्थल में अपनी बातों को रखते हुए खलारी प्रखंड अध्यक्ष /पश्चिमी तौहीद अंसारी ने कहा की अगर हॉस्पिटल निर्माण कर में हो रही है अनियमिता का सुधार नहीं हुआ यह धारणा काफी लंबा जा सकता है धरना में जिला टीम और प्रदेश के टीम महिला कार्यकर्ता भी शामिल हो सकते हैं आगे केंद्र नेतृत्व भी इस धरणा का समर्थन मिल रहा है उन्होंने यह अहवान किया है कि यह हॉस्पिटल गरीबों और आम जनता के टैक्स का पैसा से बन बन रहा है इसलिए हॉस्पिटल जो बने बहुत ही मजबूत और शानदार तरीका से बने ब्लास्टिंग जॉन होने के कारण अगर अच्छा निर्माण नहीं होगा तो कभी भी हॉस्पिटल गिर सकता है इसीलिए झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा मांग करती है की निर्माण में सुधार करें पार्टी हमेशा भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन की है आगे भी खलारी प्रखंड स्तर पर इस तरह का कार्यक्रम चलता रहेगा इस बैठक में मुख्य रूप से रतिया गंजू, तोहिद अंसारी, उमेश यादव बीरबल कुमारमहतो, दीपक महतो विजय प्रजापति, कृष्ण यादव, किरण बारा, कृष्ण कुमार महतो, खुर्शीद अंसारी, आदि लोग शामिल थे ।

जेवीएम श्यामली के खेल महाकुंभ 'परवाज-2025' का आगाज : हौसलों की उड़ान से गूँजा मेकॉन स्टेडियम ?

संवाददाता । रांची

'परवाज' वह मंच है जहाँ शिक्षा और खेल एक साथ मिलते हैं। यह इस सोच का प्रतीक है कि एक विद्यार्थी केवल किताबों से नहीं, बल्कि मैदान की धूल और प्रतिस्पर्धा की चुनौतियों से भी अपनी पहचान बनाता है। मेकॉन स्टेडियम की मिट्टी जेवीएम, श्यामली के खिलाड़ियों के लिए केवल एक खेल का मैदान नहीं, बल्कि उनके सपनों का लॉन्च पैड है। 'परवाज' यहाँ के छात्रों की उस ऊर्जा को दशार्ता है जहाँ उनकी मेहनत हवा बनती है और तालियाँ उनके पंख, जिससे उनकी उड़ान अटूट हो जाती है।

इन जज्बों को समर्पित छात्रों के पंखों को उड़ान देता जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के चार दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 'परवाज - 2025' का आज मेकॉन स्टेडियम में भव्य शुभारंभ हुआ। 17 से 20 दिसंबर तक चलने वाले इस खेल उत्सव में विद्यालय के छात्र-छात्राएँ अपनी खेल प्रतिभा और अदम्य साहस का प्रदर्शन कर रहे हैं। ?प्रतियोगिता को तीन मुख्य वर्गों– सब-जूनियर (कक्षा 6-8), जूनियर (कक्षा 9-10) और सीनियर (कक्षा 11-12) में विभाजित किया गया है। सभी प्रतिभागी चार सदनों– दयानंद, राजेंद्र, टैगोर और तिलक सदन के बैनर तले अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए मैदान में उतरे हैं।

? प्रथम दिन के मुख्य परिणाम

?उत्सव के पहले दिन ट्रैक और फील्ड स्पधाओं में खिलाड़ियों का जोश देखने लायक था। 3000 मीटर की दौड़ में देवर्ष पांडेय ने प्रथम, सौम्य प्रकाश ने द्वितीय और फरहान आलम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ?रोमांचक स्पधाओं में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर और रिले रेस (4100) में छात्रों ने अपनी गति और फुर्ती का लोहा मनवाया।

? फील्ड इवेंट्स में शॉट पुट, डिस्कस थ्रो, लंबी कूद, ऊंची कूद और भाला फेंक में भी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।इस अवसर पर प्राचार्य श्री समरजीत जाना, उप प्राचार्य बी.एन. झा, श्री संजय कुमार, श्रीमती अनुपमा, प्रभाग प्रभारी श्री शैलेश्वर झा सुशील और श्री दीपक कुमार सिन्हा वरीय शिक्षक डॉ मोती प्रसाद, प्रियव्रत तिवारी, अमरिंदर कौर सलूजा, अपर्णा पुरकायस्थ, शशांक कुमार सिन्हा, अमरिंदर कौर सलूजा, अल्पना सिन्हा, सायमा यूनुस, विनीता कुमारी, लिपिका कर्मकार, एल एन पटनायक द्वारा विंनिंग स्टैंड पर पुरस्कार देकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

? प्राचार्य श्री समरजीत जाना ने छात्रों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि परवाज' जेवीएम के हर छात्र को यह विश्वास दिलाता है कि आसमान में भी रास्ता बनाया जा सकता है। यह आयोजन उनके भीतर के उस डर को खत्म करता है जो उन्हें आगे बढ़ने से रोकता है, और उन्हें नई ऊँचाइयों की ओर उड़ने के लिए प्रेरित करता है। जेवीएम श्यामली के संदर्भ में 'परवाज' वह अटूट विश्वास है जो हर छात्र के भीतर यह मंत्र फूँकता है - ₹मैं उड़ सकता हूँ... और आज मेरी बारी है !₹
?

कला और विज्ञान विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आज शुभारंभ हुआ

संवाददाता । रांची

बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा, रांची में जटिल प्रणालियों के सिमुलेशन की कला और विज्ञान विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आज शुभारंभ हुआ। यह सम्मेलन 17 से 19 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश के वैज्ञानिक, शिक्षाविद और शोधकर्ता भाग ले रहे हैं।सम्मेलन का उद्घाटन कुलपति प्रो. इंद्रनील मन्ना ने किया। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों में जटिल समस्याओं के समाधान हेतु सिमुलेशन एवं मॉडलिंग तकनीकों की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवा शोधकताओं को अंतर्विषयक अनुसंधान के लिए प्रेरित किया।सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रो. ए. पी. दिमरी ने जलवायु विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में सिमुलेशन तकनीकों के महत्व पर अपने विचार साझा किए और वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान की आवश्यकता पर बल दिया।सम्मेलन की संयोजक डॉ. निशि श्रीवास्तव ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए सम्मेलन के उद्देश्यों की जानकारी दी। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ. राजीव कुमार, विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग, बीआईटी मेसरा ने की।

18 दिसंबरः विश्व अल्पसंख्यक दिवस और आज का मुस्लिम समाज

संवाददाता ।

रांचीःइंसानी इतिहास गवाह है कि ताकत और सत्ता पर अक्सर बहुसंख्यक समाज का कब्जा रहा है। जिनके पास संख्या ज्यादा होती है, वही फैसले तय करते हैं। ऐसे में अल्पसंख्यक समुदाय, चाहे वह धर्म के आधार पर हों, भाषा या जाति के आधार पर, ज्यादातर पीछे छूट जाते हैं। इसी सच्चाई को समझते हुए 18 दिसंबर को विश्व अल्पसंख्यक दिवस मनाया जाता है, ताकि दुनिया यह याद रखे कि अल्पसंख्यकों के अधिकार भी उतने ही जरूरी हैं जितने किसी और के।

भारत अपने आप को लोकतांत्रिक और संविधान आधारित देश कहता है। हमारे संविधान ने साफ लिखा है कि सभी नागरिक बराबर हैं। किसी के साथ धर्म, जाति या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। लेकिन सवाल यह है कि जो बातें संविधान में लिखी हैं, क्या वे जमीन पर भी दिख रही हैं। भारतीय संविधान ने अल्पसंख्यकों को स्पष्ट और मजबूत अधिकार दिए हैं। अनुच्छेद 14, 15 और 16 समानता और भेदभाव से सुरक्षा की गारंटी देते हैं, जबकि अनुच्छेद 25 से 30 धार्मिक स्वतंत्रता, सांस्कृतिक पहचान और शैक्षणिक अधिकारों को सुरक्षित करते हैं। लेकिन जमीनी हकीकत यह सवाल उठाने पर मजबूर करती है कि क्या ये अधिकार सिर्फ कागजों तक सीमित होकर रह गए हैं।

आज की हकीकत यह है कि मुस्लिम समाज खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नफरत, संदेह और बहिष्कार की घटनाएं बढ़ी हैं। पहचान के आधार पर निशाना बनाना, रोजमर्रा की जिंदगी में भेदभाव और डर का माहौल अब असामान्य नहीं रहा। लगभग 16 प्रतिशत आबादी वाले इस समुदाय के लिए यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। पिछले कुछ सालों में नफरत भरी भाषा, शक की नजर और हिंसा की घटनाएं बढ़ी हैं। गाय के नाम पर भीड़ द्वारा हत्या, और दोषियों को सजा न मिलना, हमारे सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जब मुसलमान अपने हक की बात करते हैं या किसी अन्याय का विरोध करते हैं, तो कई बार उनके घर और दुकानें बुलडोजर से गिरा दी जाती हैं। यह कानून नहीं, डर पैदा करने का तरीका बनता जा रहा है।

मस्जिदों, मदरसों और अन्य धार्मिक स्थलों को लेकर भी लगातार विवाद खड़े किए जा रहे हैं। पुराने धार्मिक स्थलों को मुद्दा बनाकर समाज में तनाव फैलाया जा रहा है। इससे न तो देश आगे बढ़ता है और न ही आम लोगों की जिंदगी बेहतर होती है।

सच्चर कमेटी की रिपोर्ट ने बहुत पहले बता दिया था कि मुसलमान शिक्षा और रोजगार के मामले में काफी पीछे हैं। इसके बावजूद आज तक उनके लिए ऐसी मजबूत नीतियां नहीं बनीं, जिनसे उनकी हालत सुधर सके। उल्टा उन्हें बार-बार देशद्रोही, आतंकवादी और पाकिस्तानी कहकर बदनाम किया जाता है, जिससे उनका आत्मसम्मान और सुरक्षा दोनों खतरे में पड़ जाते हैं।

यह सब अचानक नहीं हो रहा। धर्म के नाम पर राजनीति करना आसान होता है। नफरत फैलाकर सत्ता मजबूत की जाती है और एक पूरे समुदाय को डर में रखा जाता है। लेकिन यह रास्ता देश को कमजोर करता है, मजबूत नहीं। यह समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं है। पड़ोसी देशों में भी अल्पसंख्यकों के साथ होने वाली घटनाएं दिखाती हैं कि बहुसंख्यक वर्चस्व और असहिष्णुता एक वैश्विक चुनौती है।

विश्व अल्पसंख्यक दिवस पर हमें सिर्फ भाषण नहीं देने चाहिए, बल्कि ईमानदारी से सोचना चाहिए कि क्या हम सही दिशा में जा रहे हैं। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह संविधान को सख्ती से लागू करे। कानून सबके लिए बराबर हो। किसी भी समुदाय के साथ अन्याय हो, तो उसे तुरंत रोका जाए।

मुस्लिम समाज को शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा की जरूरत है, न कि शक और नफरत की। नफरत फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, तभी समाज में भरोसा लौटेगा।

आखिर में इतना ही कहना है कि विश्व अल्पसंख्यक दिवस हमें याद दिलाता है कि किसी भी देश की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने कमजोर और अल्पसंख्यक नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। जब तक मुसलमानों समेत सभी अल्पसंख्यकों को बराबरी, सम्मान और सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक हमारा लोकतंत्र अधूरा ही रहेगा।

झारखंड में उत्कृष्ट मानवीय और सामाजिक कार्यों को करने वाले गुरुनानक सेवक जत्था रांची के रक्तवीर सूरज झंडाई को सम्मानित किया गया.

संवाददाता । रांची

विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस की पूर्व संध्या पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा झारखंड में अल्पसंख्यक समुदाय के सभ्य समाज में विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट मानवीय कार्य करने वालों को प्रदेश अध्यक्ष श्रीमान केशव कमलेश महतो(झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी),प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमान बंधु तिर्की(झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी),झारखंड प्रदेश प्रवक्ता श्रीमान डॉ एम.तौसीफ जी के हाथों चार सम्मानित लोगों को स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वालों में झारखंड के रक्तदान-महादान एवं थैलेसीमिया/सिकल सेल एनीमिया/अप्लास्टिक एनीमिया के पीड़ितों/परिजनों पर उत्कृष्ट मानवीय कार्य करने वाले ₹लहू बोलेगा₹ रक्तदान संगठन रांची एवं झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन के उत्कृष्ट मानवीय कार्य करने वाले संस्थापक रक्तवीर नदीम खान रांची।

2.झारखंड में शिक्षाधिकारी/हजारों गरीब छात्रों के मसीहा फ्रेंड्स ऑफ वीकर सोसाईटी रांची के अध्यक्ष तनवीर अहमद।

3.झारखंड में उत्कृष्ट मानवीय और सामाजिक कार्यों में कार्यरत वाले झारखंड यूथ क्रिश्चियन एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप तिर्की

4.झारखंड में उत्कृष्ट मानवीय और सामाजिक कार्यों को करने वाले गुरुनानक सेवक जत्था रांची के रक्तवीर सूरज झंडाई को सम्मानित किया गया.

एमएमके हाई स्कूल, बरियातू (रांची) में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

संवाददाता । रांची

रांची। एमएमके हाई स्कूल, बरियातू, रांची में आज दिनांक 17 दिसंबर 2025 को विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री शम्भू नाथ चौधरी द्वारा किया गया। वहीं, पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड के पूर्व मंत्री सह विधायक श्री रामेश्वर उरांव रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में पसवा अध्यक्ष श्री आलोक दुबे, बरियातू थाना के जयदीप बोस गुलरेज नजर खान, सरफराज कुरैशी, उस्मान अली, आर. एस. प्रसाद सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मॉडलों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने वायु प्रदूषण नियंत्रण, एयरो फार्मिंग, नदी की सफाई, बादल बनने की प्रक्रिया, ट्रैफि क सिस्टम, डिजास्टर अलार्म, रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसे समसामयिक और उपयोगी विषयों पर आधारित 250 से अधिक मॉडल प्रस्तुत किए। इन मॉडलों के माध्यम से छात्रों ने वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जागरूकता को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया।इस सफल आयोजन में विद्यालय की साइंस को-ऑर्डिनेटर श्रीमती नरगिस बानो का विशेष एवं महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती कहकशां परवीन ने किया। वहीं, कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के निदेशक डॉ. तनवीर अहमद ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

झारखंड पुलिस मुख्यालय ने उच्च न्यायालय में प्रतिनियुक्त नोडल अधिकारियों की मांगी जानकारी

रांची : झारखंड पुलिस मुख्यालय ने राज्य के उच्च न्यायालय में प्रतिनियुक्त नोडल अधिकारियों की विस्तृत जानकारी तलब की है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय ने राज्य के सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), पुलिस अधीक्षक (एसपी) और विभिन्न पुलिस इकाइयों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। पुलिस मुख्यालय की ओर से महानिरीक्षक (आईजी, प्रोविजन) की ओर से जारी पत्र में 24 घंटे के भीतर निर्धारित प्रारूप में जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया है। पत्र के अनुसार, सभी जिलों और इकाइयों से झारखंड उच्च न्यायालय में तैनात नोडल अधिकारियों का पूरा विवरण मांगा गया है। मांगी गई जानकारी में नोडल अधिकारी का नाम एवं पद, मोबाइल नंबर,

लोहरदगा में जागता झारखंड का भव्य पत्रकार सम्मान समारोह, सच्ची और निर्भीक पत्रकारिता का संकल्प नवेल्टी होटल में जुटे राज्यभर के पत्रकार, उत्कृष्ट जनहितकारी कार्यों के लिए किया गया सम्मानित

संवाददाता

लोहरदगाः लोहरदगा स्थित नवेल्टी होटल में सोमवार को जागता झारखंड दैनिक अखबार की ओर से भव्य पत्रकार सम्मान सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम न केवल पत्रकारों के सम्मान का अवसर बना, बल्कि सच्ची, निष्पक्ष और जनहितकारी पत्रकारिता के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक भी रहा। समारोह की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसमें अतिथियों और वरिष्ठ पत्रकारों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जागता झारखंड के संपादक एहसान आलम ने कहा कि जागता झारखंड केवल एक अखबार नहीं, बल्कि सच्चाई से कोई समझौता न करने की विचारधारा का नाम है। पत्रकारिता का मूल धर्म ही सत्य की लौ को जलाए रखना है, चाहे परिस्थितियाँ कितनी ही चुनौतीपूर्ण क्यों न हों।‍ उन्होंने कहा कि राज्य के हर जिले और प्रखंड में कार्यरत संवाददाता और पत्रकार ही इस अखबार की असली ताकत हैं। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा हमारा लक्ष्य हमेशा जनहित, सच्चाई और निष्पक्ष पत्रकारिता को प्राथमिकता देना रहा है और आगे भी यही हमारी पहचान रहेगी। इस अवसर पर झारखंड के विभिन्न जिलों और प्रखंडों से आए पत्रकारों को उनके उत्कृष्ट, निर्भीक एवं जनहितकारी कार्यों के लिए शील्ड, मेडल एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर पत्रकारों के चेहरे पर आत्मगौरव और उत्साह स्पष्ट झलक रहा था। कार्यक्रम का उद्देश्य सकारात्मक पत्रकारिता को बढ़ावा देना और समाज में जागरूकता को और अधिक मजबूत करना बताया गया। समारोह में वक्ताओं ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में समाज और प्रशासन के बीच सेतु का कार्य करते हैं। निष्पक्ष पत्रकारिता न केवल सत्ता को आईना दिखाती है, बल्कि आम जनता की आवाज को भी मजबूती प्रदान करती है। ऐसे समय में जब पत्रकारिता कई चुनौतियों से गुजर रही है, इस तरह के आयोजन पत्रकारों का मनोबल बढ़ाने का काम करते हैं। कार्यक्रम में कनीय अभियंता लोहरदगा अज्जू कश्यप, भाजपा नेता मनीर उरांव,समाजसेवी आफताब आलम, मुखिया सुमंती तिग्गा,समाजसेवी जगजीवन उरांव, समाजसेवी सैय्यदा खातून, हुसैन अंसारी, ब्राइट वुड एकेडमी हिरी स्कूल के प्राचार्य आनन्द कुमार भगत और एवर ग्रीन चिल्ड्रन पब्लिक स्कूल के प्राचार्य अब्दुल लतीफ अंसारी और ।

भुइयांडीह लिट्टी चौक से भिलाई पहाड़ी तक फोर लेन पुल एवं फोर लेन सड़क का हुआ विधिवत शुभारंभ

विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा- पुल जमशेदपुर के भविष्य की मजबूत नींव

जमशेदपुर, संवाददाता

पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल के तहत बुधवार भुइयांडीह लाल भट्ठा, बारा घाट स्वर्णरेखा नदी तट पर भुइयांडीह लिट्टी चौक से भिलाई पहाड़ी (एनएच-33) तक फोर लेन सड़क एवं स्वर्णरेखा नदी पर फोर लेन पुल निर्माण की महत्वाकांक्षी योजना का जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू की मौजूदगी में विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे। इस दौरान उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य की शुरूआत की। फोर लेन सड़क तथा स्वर्णरेखा नदी पर फोर लेन पुल निर्माण योजना पथ निर्माण विभाग द्वारा 39,91,72,857.53 की लागत से 2024-25 के 11 एसबीडी के अंतर्गत स्वीकृत है। परियोजना के तहत 242 मीटर लंबे फोर लेन पुल का निर्माण किया जाएगा। जबकि पहुंच पथ की लंबाई 3.453 किलोमीटर होगी।

इस प्रकार योजना की कुल लंबाई 3.695 किलोमीटर निर्धारित है। इस परियोजना को 18 महीनों में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान विभागीय अभियंताओं ने स्पष्ट किया कि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी घर को नुकसान नहीं होगा। जिसपर विधायक पूर्णिमा साहू ने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि किसी को भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है और किसी भी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचाई जाएगी। उन्होंने योजना के शुभारंभ पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास की दूरदर्शी सोच को धरातल पर उतरते देखना गर्व और खुशी का विषय है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र से भारी वाहनों के आवागमन को सुव्यवस्थित करने के लिए डोबो पुल तथा गोविंदपुर-धानचटाई मार्ग को नेशनल हाईवे से जोड़ा था। लिट्टी चौक से भिलाई पहाड़ी तक भारी वाहनों के लिए पुल निर्माण का प्रस्ताव भी उनके कार्यकाल में हुआ था। साथ ही उन्होंने कहा कि इस फोर लेन पुल और सड़क के निर्माण से शहर के भीतर भारी वाहनों का दबाव कम होगा। यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी और आम नागरिकों की आवाजाही में समय की बचत होगी। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि योजना निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण होगी और इसके पूरा होने से जमशेदपुर की जनता को व्यापक और दीर्घकालिक लाभ भी मिलेगा।

ज्ञात हो कि विधायक पूर्णिमा साहू ने इस योजना को लेकर गत विधानसभा सत्र में जोरदार तरीके से उठाई थी। इसके साथ ही वे झारखंड सरकार के पथ निर्माण विभाग के सचिव से भी लगातार वार्ता करती रही हैं और प्रत्येक चरण की प्रगति पर निगरानी स्वयं कर रही थीं। मौके पर विधायक प्रतिनिधि गुंजन यादव, कल्याणी शरण, पवन अग्रवाल, अप्पा राव, रंजीत सिंह, पप्पू उपाध्याय, कुमार अभिषेक, विकास शर्मा, रितेश झा, युवराज सिंह, बापन बनर्जी, सुशांत पांडा, संतोष ठाकुर, सुरेश शर्मा, मिथिलेश साव, धनराज गुप्ता, लोहा यादव, उमेश साव, कंचन दत्ता, रमेश नाग, रमेश विश्वकर्मा, बोल्टू सरकार, महावीर सिंह समेत अन्य भी मौजूद थे।

राष्ट्रपति के जमशेदपुर आगमन के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह सतर्क

डीसी और एसएसपी ने कार्यक्रम स्थल, एयरपोर्ट एवं रूट लाइन का किया निरीक्षण

जमशेदपुर, संवाददाता

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 29 दिसंबर को जमशेदपुर आगमन निर्धारित है। जिसको लेकर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में मंगलवार डीसी कर्ण सत्यार्थी और एसएसपी पीयूष पांडेय ने करनडीह स्थित जाहेर स्थल, एयरपोर्ट परिसर तथा प्रस्तावित रूट लाइन का स्थलीय निरीक्षण किया और संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर उप विकास आयुक्त, सिटी एसपी, अपर उपायुक्त, सिविल सर्जन, डीटीओ, उप नगर आयुक्त जेएनएसी, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, विद्युत, अग्निशमन एवं अन्य सभी सम्बंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान डीसी ने राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल के अनुरूप सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध एवं समन्वित रूप से पूर्ण करने का निर्देश भी दिया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति के आगमन एवं कार्यक्रम के दौरान प्रोटोकॉल, सुरक्षा, सम्मान एवं गरिमा का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस प्रशासन को राष्ट्रपति प्रोटोकॉल के अनुरूप तैनाती, बैरिकेडिंग, रूट लाइन क्लियरेंस, पार्किंग प्रबंधन एवं यातायात नियंत्रण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम स्थलों एवं मार्गों पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए सभी संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर बल दिया गया। वहीं एयरपोर्ट परिसर में आगमन एवं प्रस्थान से संबंधित सभी औपचारिकताओं को राष्ट्रपति सचिवालय एवं सुरक्षा एजेंसियों के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है। रूट लाइन निरीक्षण के दौरान सड़क की स्थिति, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, संकेतक, आपात सेवाओं की उपलब्धता एवं निर्बाध आवागमन पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। वहीं करनडीह स्थित जाहेर स्थल पर आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, विद्युत, पेयजल, शौचालय, फायर सेफ्टी, चिकित्सा सुविधा एवं आपातकालीन प्रबंधन की व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर किसी भी प्रकार की कमी स्वीकार्य नहीं होगी तथा सभी व्यवस्थाएं राष्ट्रपति प्रोटोकॉल के अनुरूप हों। उन्होंने सभी विभागों पुलिस, प्रशासन, नगर निकाय, स्वास्थ्य, विद्युत, अग्निशमन, परिवहन एवं अन्य संबंधित इकाइयों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर तैयारियां पूर्ण करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबर

रामगढ़ जिला कराटे प्रतियोगिता का हुआ समापन, में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों का भुरकुंडा में किया गया सम्मानित राज्य स्तर के लिए हुआ चयन

भुरकुंडा (रामगढ़)। मार्शल आर्ट कराटे कोच कंचन दास के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे भुरकुंडा के कराटेकारो ने रामगढ़ जिला कराटे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किया और झारखंड राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होकर क्षेत्र का नाम रौशन किया। इस उपलब्धि पर बुधवार को भुरकुंडा पंचायत के मुखिया अजय पासवान द्वारा खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मुखिया अजय पासवान ने कहा कि भुरकुंडा के खिलाड़ियों का जिला स्तर पर शानदार प्रदर्शन पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर कराटे कोच कंचन दास ने जानकारी दी कि अंबेडकर स्थल में प्रशिक्षण ले रहे कुल 9 खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तर के लिए हुआ है। चयनित खिलाड़ियों में आस्था सिंह, स्मृति मुंडा, सिमरन, विकास, रेयांश राज, शिवांश राज, चित्रलेखा, खुशी एवं भूमि करमाली शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी 19, 20 एवं 21 दिसंबर 2025 को जमशेदपुर में आयोजित तीन दिवसीय झारखंड राज्य स्तरीय कराटे चैंपियनशिप में भाग लेंगे।

गोला थाना में थाना दिवस का आयोजन, कई मामलों का किया गया निपटारा

गोला(रामगढ़)। गोला थाना के प्रांगण में जमीन संबंधी मामलों का निष्पादन हेतु थाना दिवस का आयोजन किया गया।इस दौरान क्षेत्र से आए फरियादियों ने जमीन संबंधी कई मामला रखा।जिसे अंचलाधिकारी सीताराम महतो के द्वारा मामलों को देखा गया। कुल 12 मामलों को देखा गया जिसमें आठ मामलों का निपटारा ऑन द स्पॉट किया गया। बाकी चार मामलों का निपटारा अगले थाना दिवस में जमीन विवाद का आमीन के द्वारा रिपोर्ट आने के बाद किया जाएगा।बताया गया कि आगामी 8 जनवरी को गोला थाना में थाना दिवस मनाया जाएगा। गोला थाना की जनता से अनुरोध है की जमीन संबंधी विवाद को लेकर आपस में विवाद नहीं करें, जिनको भी जमीन संबंधी समस्या है वह थाना पर आकर आवेदन दे ।और अगले थाना दिवस के दिन में दोनों पक्षों को बुलाकर अंचलाधिकारी के समक्ष करवाई किया जाएगा।मौके पर थाना प्रभारी अभिषेक कुमार,अवर निरीक्षक रंजन ओझा,तहसीन अहमद,मुखिया प्यारेलाल महतो,जितेंद्र साहू,सुबोध महतो,रवि कुमार ठाकुर,अमीन जगेश्वर महतो,संजय यादव सहित अन्य मौजूद थे।

विधायक आवास में भागवत कथा के आयोजन के लेकर हुई समीक्षात्मक बैठक

पतरातू: बुधवार को विधायक बड़का गांव विधानसभा रोशन लाल चौधरी के आवासीय कार्यालय में भागवत कथा के सफल आयोजन की तैयारी को लेकर एक समीक्षात्मक बैठक की गई। भागवत कथा की तैयारी को लेकर सभी बिंदुओं तथा पंडाल प्रकाश की व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, तथा कथा वाचक एवं आचार्य की व्यवस्था, साज सजा की व्यवस्था, प्रचार प्रसार की व्यवस्था, प्रसाद की वितरण की व्यवस्था, श्रोतागण के बैठने की समुचित व्यवस्था, अतिथियों के आमंत्रण एवं स्वागत की व्यवस्था, साफ सफाई की व्यवस्था आदि पर चर्चा के पश्चात संबंधित विभागों के पदाधिकारी को जवाब देही दी गई। जिसमे पंडाल व्यवस्था राजू कुमार मुखिया किशोर कुमार महतोसंजय सिंह मनोज कुमार सिंह, प्रकाश व्यवस्था वीरेंद्र झा राहुल रंजन विनोद कुमार ,साउंड व्यवस्था अविनाश कुमार विक्रम कुमार पार्किंग व्यवस्था गणेश करमाली राहुल सिंह राम प्रताप कथावाचक एवं आचार्य व्यवस्था राकेश कुमार शर्मा अरुण कुमार दीपू कुमार शिवम कुमार, प्रसाद वितरण व्यवस्थापक रवि कुमार राजेश पटेल, श्रोता गानों के बैठने की समुचित व्यवस्था पंकज गुप्ता,साफ सफाई व्यवस्था राम जीवन, शिव कुमार,प्रचार प्रसार व्यवस्था उज्जवल कुमार अविनाश कुमार विभिन्न विभागों के पदाधिकारी की जवाबदेही निर्धारित करने के पश्चात एक अतिथियों के आमंत्रण एवं स्वागत व्यवस्था के साथ निगरानी कमेटी बनाया गया जिसमें रितिक कुमार चौधरी धर्मेंद्र सिंह किशोर कुमार महतो निर्मल जैन मनोज कुमार सिंह, पंकज गुप्ता मनोरंजन सिंह होंगे। जो सारे विभागों के कार्यों को सुधारना पूर्वक संपर्क करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश एवं निगरानी करेंगे। पुन: समीक्षात्मक बैठक के लिए दिनांक 19/12/2025 दिन शुक्रवार सत्संगति से निर्धारित किया गया है जिस दिन तैयारी की पूर्णता पर विशेष ध्यान एवं दिशा निर्देश दिया जाएगा।

शौंडिक जायसवाल समाज के लोगों द्वारा श्रद्धांजलि और शोक सभा का आयोजन

लातेहार, संवाददाता

शौंडिक जायसवाल समाज के लोगों के द्वारा बुधवार को शिव मंदिर थाना टोली परिसर में श्रद्धांजलि और शोक सभा का आयोजन किया , इस अवसर पर चंदवा के विभिन्न समाजों से जुड़े हाल के दिनों में दिवंगत हुए लोगों को समाज की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि दी ,उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की , सभा के दौरान कम उम्र में हार्ट अटैक से निधन हुए ध्रुव प्रसाद साहू (55 वर्ष) को लेकर विशेष रूप से गहरा शोक व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि उनका असामयिक निधन साहू समाज सहित पूरे क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है, इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष प्रमोद साहू ने अपने संबोधन में कहा कि समाज को असमय होने वाली मौतों से गहरा आघात पहुंचा है ,शौंडिक जायसवाल समाज इस कठिन घड़ी में सभी शोक संतप्त परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है और आगे भी हर संभव सहयोग करता रहेगा, इसके अतिरिक्त श्रद्धांजलि सभा में कंचन देवी (73 वर्ष), संगीता देवी (40 वर्ष), राजेंद्र प्रसाद साहू (76 वर्ष), बालकृष्ण मिश्रा (80 वर्ष), कुंती देवी (62 वर्ष) एवं वीरा देवी (60 वर्ष) के निधन पर भी समाज की ओर से श्रद्धांजलि दी गई ,सभा के अंत में शौंडिक जायसवाल समाज की ओर से सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दुःख की इस घड़ी में साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया गया , सभा में प्रमोद साहू, महेंद्र साहू, रामकरण साहू, सतीश प्रसाद, प्रमोद जायसवाल, राजेश प्रसाद, वीरेंद्र प्रसाद, प्रशांत कुमार, मनित गुप्ता संटू, विनय विद्यार्थी, आदर्श रविराज सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई रेलवे एवं पथ निर्माण विभाग की परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक

जमशेदपुर, संवाददाता

समाहरणालय सभागार में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में दक्षिण पूर्व रेलवे एवं पथ निर्माण विभाग से संबंधित विभिन्न विकास परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की गई। जिसमें भूमि अर्जन, ग्राम सभा, सर्वे, सत्यापन प्रतिवेदन, राजपत्र एवं समाचार पत्र प्रकाशन समेत अन्य प्रक्रियाओं की विस्तार से समीक्षा भी की गई। बैठक में दक्षिण पूर्व रेलवे की परियोजना अंतर्गत कुल 49 मौजा में भू-अर्जन की स्थिति पर चर्चा की गई। इनमें से 47 मौजा में ग्राम सभा का आयोजन पूर्ण हो चुका है। जबकि 2 मौजा में ग्राम सभा लंबित है। उपायुक्त द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को ग्रामीणों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र ग्राम सभा आयोजित करने का निर्देश भी दिया गया। साथ ही भूमि सत्यापन, राजपत्र प्रकाशन एवं समाचार पत्र प्रकाशन की प्रगति की भी समीक्षा की गई तथा प्रक्रियाओं को समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा पथ निर्माण विभाग की कुल 10 प्रमुख परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। जिनमें पिछली से कुदादा पथ, भागबन्दी से ओड़िशा पथ, बेगनाडीह से पोटका पथ, भुइयासिनान से सुसनी पथ, फुलडूंगरी से झाटीझरना पथ, कीताडीह से बागबेड़ा रिंग रोड, पिपला मोड़ (एनएच-33) से घोड़ाबन्दा होते हुए गोविंदपुर अन्ना चौक तक पथ, गुड़ा-जियान-धालभूमगढ़ पथ, भादोडीह-सतनाला-बोड़ाम-माधवपुर पथ, कोवाली-डुमरिया पथ, मुसाबनी-डुमरिया-अस्तकोवाली-कोयम पथ सहित विभिन्न नालों पर प्रस्तावित उच्च स्तरीय सेतु निर्माण से संबंधित कार्य शामिल हैं। साथ ही पिताजुड़ी से गुड़ाबांदा पथ, बांसदा से पथरा पथ, कोवाली से लायलमघाटी तक पथ तथा कोवाली से चौरंगी मोड़ तक पथ परियोजनाओं को लेकर सर्वे, सत्यापन प्रतिवेदन एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त द्वारा सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सर्वे एवं सत्यापन कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा विकास कार्यों को गति देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि रेलवे एवं सड़क परियोजनाएं क्षेत्र के समग्र विकास एवं आवागमन सुदृढ़ीकरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

चिन्मय विद्यालय बोकारो के तीन विद्यार्थियों ने आईएनएमओ के लिए किया क्वालीफाई

बोकारो, संवाददाता

बोकारो स्थित चिन्मय विद्यालय के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। विद्यालय के कक्षा 10वीं और 11वीं के तीन विद्यार्थियों ने इंडियन नेशनल मैथ्स ओलंपियाड (आईएनएमओ) के लिए क्वालीफाई कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। आरएमओ में सफलता के बाद पूरे झारखंड से चयनित 30 विद्यार्थियों में चिन्मय विद्यालय के तीन छात्र शामिल हैं। इनमें कक्षा 10वीं के आदर्श सिंह तथा कक्षा 11वीं के मयंक शर्मा और रतन नारायण सिंह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित परीक्षा में स्थान बनाया है। आदर्श सिंह इससे पूर्व आरएमओ में स्टेट टॉपर भी रह चुके हैं। आईएनएमओ की परीक्षा 18 जनवरी 2026 को आयोजित होगी। यह परीक्षा तीन श्रेणियों में होती है, जिसमें 8वीं से 11वीं वर्ग के लिए इन तीनों विद्यार्थियों का चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बोकारो में फर्जी सीआरपीएफ असिस्टेंट कमांडेंट गिरफ्तार, जेल भेजा गया

बोकारो : बोकारो के सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत नया मोड़ में मंगलवार रात ट्रैफिक चेकिंग के दौरान नकली सीआरपीएफ असिस्टेंट कमांडेंट का पदार्फाश हुआ। बिना हेलमेट बाइक चला रहे एक व्यक्ति को ट्रैफिक पुलिस ने रोका। पूछताछ के दौरान उसने खुद को सीआरपीएफ में असिस्टेंट कमांडेंट बताते हुए ट्रैफिक एएसआई ओशो प्रदीप को धौंस दिखानी शुरू कर दी और जांच कर रहे अधिकारी का ट्रांसफर कराने तक की धमकी देने लगा। संदेह होने पर एएसआई ओशो प्रदीप ने पहचान पत्र की गहन जांच की, जिसमें फजीर्वाड़ा सामने आया। आरोपी के पास सीआरपीएफ और एनएसजी के दो अन्य फर्जी पहचान पत्र भी मिले। नामों में भी भारी गड़बड़ी पाई गई। आरोपी का असली नाम अश्वनी कुमार ठाकुर (उम्र लगभग 35 वर्ष), निवासी जोशी कॉलोनी है, जबकि पहचान पत्रों पर अलग-अलग नाम दर्ज थे। पुलिस ने सभी फर्जी पहचान पत्र जब्त कर सिटी थाना में मामला दर्ज किया और आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जयंत सिंह हत्याकांड: फांसी की मांग और न्याय के लिए सेक्टर 4 में उमड़ा जनसैलाब

बोकारो, संवाददाता

हरला थाना अंतर्गत सेक्टर-8 निवासी जयंत सिंह की निर्मम हत्या के खिलाफ लोगों का गुस्सा लगातार उबाल पर है। जयंत सिंह के हत्यारों को फांसी दो और परिवार को न्याय मिले जैसे नारों के साथ सैकड़ों लोग आज सेक्टर-4 स्थित गांधी गोलम्बर में एकत्रित हुए। हाथों में न्याय दिलाने के तख्तियां और जुबां पर आक्रोश भरी आवाज के साथ लोगों ने इस जघन्य अपराध के खिलाफ एकजुटता दिखाई।

प्रदर्शन में चास नगर निगम में पूर्व मेयर भोलू पासवान, अनिल सिंह सहीत शामिल सैकड़ो लोगों ने कहा कि जयंत सिंह हत्याकांड ने पूरे बोकारो को झकझोर कर रख दिया है और जब तक दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा नहीं मिलती, उनका आंदोलन जारी रहेगा। बता दे कि बीते 10 दिसंबर को जयंत सिंह का अपहरण किया गया था, जिसके बाद उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना ने न केवल पीड़ित परिवार, बल्कि पूरे शहर को सदमे में डाल दिया है। पुलिस कार्रवाई करते हुए इस मामले में विनोद खोपड़ी समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि अन्य आरोपी मुकेश राय ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की कि मामले की फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर दोषियों को जल्द फांसी की सजा दी जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और समाज में कड़ा संदेश जाए।

झारखंड राज्य खाद्य आयोग की प्रभारी अध्यक्ष सह सदस्या श्रीमती शबनम प्रवीण ने किया रामगढ़ जिले का दौरा

रामगढ़, संवाददाता

बुधवार को झारखंड राज्य खाद्य आयोग की प्रभारी अध्यक्ष सह सदस्या श्रीमती शबनम प्रवीण ने रामगढ़ जिले का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने परिसदन भवन, रामगढ़ में अपर समाहर्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों, सभी मार्केटिंग पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।बैठक के दौरान प्रभारी अध्यक्ष ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पात्र लाभुकों तक समय पर लाभ पहुंचाने तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इसके अतिरिक्त, प्रखंड स्तर पर प्राप्त आकस्मिक खाद्यान्न कोष की समीक्षा करते हुए अब तक किए गए कार्यों की जानकारी ली गई। इस क्रम में उन्होंने जरूरतमंदों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने, भंडारण एवं वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। प्रभारी अध्यक्ष ने झारखंड राज्य खाद्य आयोग को रामगढ़ जिले से संबंधित प्राप्त शिकायतों के आलोक में जिला प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की। उन्होंने शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन पर बल देते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए। एवं उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

बोकारो थर्मल डीवीसी ऐश पौंड के साइट इंचार्ज सह भाकपा नेता मो. मनीरुद्दीन को दी श्रद्धांजलि

बोकारो, संवाददाता

बोकारो थर्मल, डीवीसी के नूरीनगर स्थित ऐशपौंड में साइट इंचार्ज स्वर्गीय भाकपा नेता मजदूरों की मसीहा मो. मनीरुद्दीन अंसारी के निधन पर शोक सभा एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डीवीसी द्वारा किया गया और इसकी अध्यक्षता गोविंदपुर ए पंचायत समिति सदस्य अख़्तर अंसारी ने की। सभा की शुरूआत में दो मिनट का मौन रखकर मो.मनीरुद्दीन की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। तत्पश्चात उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही डीवीसी ऐश पौंड में कार्यरत 54 मजदूरों ने भी पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। डीवीसी ऐश पौंड के सीनियर मैनेजर संजीव कुमार सोरेन ने अपने संबोधन में मो. ?मनीरुद्दीन के जीवन एवं कार्य पर प्रकाश डालते हुए कहा, ह्लउनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उनका निधन संपूर्ण टीम के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने मो.मनीरुद्दीन के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित डीवीसी के कर्मचारियों ने भी अपने विचार साझा किए और उनके साथ बिताए गए वर्षों को याद किया। स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों, पार्टी कार्यकताओं और मो. मनीरुद्दीन के परिजनों ने भी इस अवसर पर उपस्थित रहकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साइट इंचार्ज भाकपा के वरिष्ठ नेता के रूप में मो0 मनीरुद्दीन ने क्षेत्र में सामाजिक और राजनीतिक जागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके निधन से न केवल पार्टी बल्कि स्थानीय समुदाय में भी शोक की लहर दौड़ गई है। डीवीसी प्रबंधन ने कहा कि वे उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मौके पर डीवीसी मैनेजर सिविल ऐश पौंड अमित कुमार, डिप्टी मैनेजर ऐश पौंड बादल मंडल, विंध्यवासिनी के प्रकाश मिश्रा, शिव कुमार राम, शहादत हुसैन, किशोर कुमार महतो, उमेश राम, कादिर हुसैन, ताज मोहम्मद, मुरारी महतो, इकबाल अंसारी, साबीर हुसैन, इजराइल अंसारी, मकसूद अंसारी, मुमताज अंसारी, शाकिर अंसारी, लतीफ अंसारी, आशुतोष कुमार, निर्मल महतो, जावेद अंसारी आदि लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित किए।

झारखंड विस अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति ने बोकारो में की समीक्षा बैठक

बोकारो, संवाददाता

बुधवार को झारखंड विधानसभा की अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति ने बोकारो जिले का दौरा किया। इस दौरान बोकारो परिसदन भवन में जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सुरेश पासवान ने की, जबकि टुंडी विधायक मथुरा महतो भी मौजूद रहे। बैठक में समिति अध्यक्ष ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि अनागत प्रश्नों का गंभीरता से अध्ययन कर सटीक, तथ्यपरक और अद्यतन लिखित उत्तर समिति को उपलब्ध कराएं। विभागवार अनागत प्रश्नों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य, सड़क निर्माण, जल संसाधन, विद्युत, पंचायती राज, पर्यटन, शिक्षा, खान एवं भूतत्व, गृह कारा, वन, पेयजल एवं स्वच्छता, समाज कल्याण सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। समिति ने योजनाओं के समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। बैठक में कई वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपायुक्त अजय नाथ झा एवं उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने समिति अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

सीतामढ़ी रेड लाइट एरिया से 4 नाबालिग मुक्त :2 महिला दलाल गिरफ्तार

2 घंटे तक कमरों की हुई गहन जांच

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी के रेड लाइट एरिया में मानव तस्करी और नाबालिगों के शोषण के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर), नई दिल्ली के निर्देशों पर चलाए गए इस विशेष अभियान में चार नाबालिग बच्चियों को मुक्त कराया गया। मौके से दो महिला दलालों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक अमित रंजन के आदेश पर नगर थाना क्षेत्र के बोहा टोला रेड लाइट एरिया में यह कार्रवाई की गई। दिल्ली से आई रेस्क्यू फाउंडेशन की टीम और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। इस दौरान इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कई दलाल भागने में सफल रहे। करीब दो घंटे तक चले इस तलाशी अभियान में पुलिस ने कई कमरों की गहन जांच की। कार्रवाई के दौरान कंप्रोम के पैकेट बरामद रेस्क्यू फाउंडेशन के जांच पदाधिकारी अक्षय पांडेय ने बताया कि उन्हें नाबालिग लड़कियों से जबरन देह व्यापार कराए जाने की सूचना मिली थी। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक को दी गई, जिसके बाद तत्काल छापेमारी की रणनीति बनाई गई। कार्रवाई के दौरान आपत्तिजनक सामग्री और कंडोम के कई पैकेट भी बरामद हुए। यह संगठित अवैध गतिविधियों की ओर संकेत करता है। इस अभियान में महिला थाना की थानाध्यक्ष श्वेता स्वराज, एएचटीयू प्रभारी निरीक्षक कृष्ण नंद झा, नगर थाना के एसआई सी.पी. शुक्ला और सदर की सीडीपीओ कामिनी कुमारी सहित पुलिस बल व महिला-बाल विकास विभाग के अधिकारी शामिल थे। सभी मुक्त कराई गई बच्चियों को सुरक्षित आश्रय स्थल पर भेजा गया है, जहां उनकी काउंसलिंग और मेडिकल जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। महिला दलालों से पूछताछ जारी गिरफ्तार महिला दलालों से महिला थाना में पूछताछ जारी है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। जिला प्रशासन ने कहा है कि नाबालिगों के शोषण से जुड़े किसी भी नेटवर्क को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसी कार्रवाइयां भविष्य में भी जारी रहेंगी।

सीएम नीतीश ने कार्यशाला का उद्घाटन किया :स्पेस गैलरी का शिलान्यास हुआ, गयाजी बिपार्ड में 'मंथन-2025'

गयाजी, एजेंसी। सीएम नीतीश कुमार ने आज गयाजी में कार्यशाला का उद्घाटन किया है। साथ ही संवाद वाटिका, नक्षत्र वन, ब्रह्मयोनि सरोवर का पुनर्जीवन, उन्नत पुस्तकालय, मोटर ड्राइविंग स्कूल और नव-स्थापित स्पेस गैलरी का शिलान्यास किया है। बिहार के प्रशासनिक भविष्य की दिशा तय करने वाला दो-दिवसीय उच्चस्तरीय विमर्श 'मंथन-2025' आज बिपार्ड में हो रहा है। बिहार लोक प्रशासन और ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) की ओर से आयोजित यह कार्यशाला प्रशासनिक व्यवस्था को नई सोच और व्यावहारिक समाधान देने पर केंद्रित है। मंच पर राज्य के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी है। इसके अलावा प्रदेश के सभी जिलों के डीएम प्रमंडल के आयुक्त हैं। दो दिन तक चलने वाले वर्कशॉप का विषय जिला-केंद्रित शासन की ओर मजबूत करना है। खास बात यह भी कि मुख्यमंत्री के आगमन के मद्देनजर विशेष ट्रैफिक प्लान भी तैयार किया गया है, जो आज प्रभावी रहेगा। उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया कार्यशाला का मकसद सिर्फ चर्चा नहीं है। नीति और जमीन क्रियान्वयन के बीच की खाई को खत्म करना है। जिलों में बेहतर फैसले होंगे। तेजी से उसे पूरा किया जाए। अफसरों की निर्णय क्षमता और प्रशासनिक दक्षता बढ़े। इसी लक्ष्य के साथ कार्यशाला में अनुभव साझा किए जा रहे हैं। 'मंथन-2025' में उत्तरदायी शासन, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, शहरी विकास की चुनौतियां, प्रभावी प्रशासन के लिए विधिक ढांचा और लोक-निजी भागीदारी जैसे अहम मुद्दों पर सत्र रखे गए हैं। विषय विशेषज्ञ और वरिष्ठ प्रशासक अपने अनुभव रखेंगे। जिलों की जमीनी चुनौतियां भी सामने रखी जाएंगी, ताकि अच्छी सोच को एक मॉडल के रूप में अपनाया जा सके। अधिकारियों का मानना है कि 'मंथन-2025' से जिलों में कामकाज का तरीका और सशक्त होगा। कानूनी समझ बढ़ेगी। फैसलों में आत्मविश्वास आएगा। प्रशासनिक नतीजों की गुणवत्ता बेहतर होगी। कार्यशाला का समापन 18 दिसंबर को उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के संबोधन से होगा।

बीटेक की स्टूडेंट ने सुसाइड किया लिखा- सब खत्म हो गया

आत्महत्या से पहले मां को 10 बार वीडियो कॉल कर कहा आई लव यू मम्मी

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में बीटेक फर्स्ट ईयर की एक स्टूडेंट ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले उसने अपनी मां को 10 बार वीडियो कॉल किया। हर बार कॉल करके उसने कहा कि, मम्मी आई लव यू। मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। मृत लड़की की पहचान सुजाता कुमारी (19) के रूप में हुई है। वो सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में कंप्यूटर साइंस की छात्रा थी। लड़की ने आत्महत्या से पहले सुसाइड नोट में लिखा है कि, मम्मी मुझे माफ करना, मेरा जिन्दगी खत्म हो गई। फंदे से लटकी मिली लाश, फर्श पर पड़ा था खाना और मोबाइल सुजाता दरभंगा की रहने वाली थी। वो 26 जुलाई 2025 से पीजी गर्ल्स हॉस्टल में रह रही थी। मंगलवार की सुबह लड़की के सुसाइड की सूचना पर जब पुलिस कमरे में गई तो सुजाता फंदे से लटकी हुई थी। खाना फर्श पर छक कर रखा हुआ था। सुजाता का मोबाइल भी फर्श पर ही गिरा हुआ था। पुलिस ने उसके कमरे की तलाशी ली तो उसे एक नीली डायरी मिली। सुजाता ने मरने से पहले इस डायरी में ही सुसाइड नोट लिखा था। दरवाजा तोड़कर घुसे हॉस्टल के लोग सुबह सुजाता की मां उसे लगातार फोन कर रही थी, लेकिन वो फोन नहीं उठा रही थी। उसके बाद सुजाता की मां ने हॉस्टल के संचालक को फोन किया। संचालक कुछ लोगों के साथ सुजाता के कमरे के पास पहुंचे। काफी देर तक आवाज लगाने पर भी सुजाता ने कोई रिस्पॉन्स नहीं दिया। उसके बाद संचालक ने कमरे का दरवाजा तोड़ दिया। अंदर जाने के बाद सभी दंग रह गए। सुजाता फंदे पर लटकी थी। घबराकर सभी बाहर निकले और पुलिस और सुजाता के घर वालों को इसकी जानकारी दी। मां बोली- वो पढ़ने में तेज थी, सुसाइड क्यों किया पता नहीं मृतका की मां ने बताया कि सोमवार रात में ही सुजाता ने उन्हें वीडियो कॉल किया था। इसमें उसने 10 बार अपने प्यार का इजहार किया था। सुबह उसकी मौत की सूचना आई। हालांकि कल रात बात करने के दौरान सुजाता ने शरीर में कमजोरी होने की बात कही थी।

सार्थक का सपना, आकाशदीप की रफ्तार आईपीएल ऑक्शन में बिहार का जलवा

पूर्णिया/रोहतास , एजेंसी। आईपीएल 2026 की नीलामी बिहार के लिए खास खुशी लेकर आई है। इस ऑक्शन में बिहार के दो होनहार क्रिकेटरों को बड़ी कामयाबी मिली है। एक तरफ पूर्णिया के युवा बल्लेबाज सार्थक रंजन को आईपीएल टीम मिली, तो दूसरी ओर रोहतास जिले के तेज गेंदबाज आकाशदीप पर करोड़ों की बोली लगी। इन दोनों उपलब्धियों ने पूरे बिहार को गर्व का मौका दिया है।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की मिनी ऑक्शन में पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के बेटे सार्थक रंजन को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 30 लाख रुपये में खरीदा है। यह सार्थक के क्रिकेट करियर की बड़ी शुरुआत मानी जा रही है। बेटे के आईपीएल में चुने जाने के बाद सांसद पप्पू यादव बेहद भावुक नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,

'बधाई बेटू, जमकर खेलो, अपनी मेहनत और प्रतिभा से अपनी पहचान बनाओ। अब सार्थक के नाम से हमारी पहचान बनेगी।' उनका यह संदेश सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग उन्हें लगातार बधाई दे रहे हैं।

केकेआर ने सार्थक रंजन को उनकी तेज और आक्रामक बल्लेबाजी को देखते हुए टीम में शामिल किया है। हाल ही में दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने सिर्फ 58 गेंदों में शतक लगाया था। इस पारी में उन्होंने 7 चौके और 7 छक्के लगाए थे, जिससे उनकी दमदार बल्लेबाजी सबके सामने आई।

रोहतास के आकाशदीप पर एक करोड़ की बोली- वहीं, रोहतास जिले के शिवसागर प्रखंड के बड्डी गांव के रहने वाले तेज गेंदबाज आकाशदीप को आईपीएल 2026 के ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने एक करोड़ रुपये में खरीदा है। आईपीएल 2026 के लिए अबूधाबी में चल रहे मेगा ऑक्शन में केकेआर ने आकाशदीप पर भरोसा जताया है। आकाशदीप इससे पहले आईपीएल में आरसीबी और लखनऊ की ओर से खेल चुके हैं। पिछले साल उन्हें लखनऊ टीम ने 8 करोड़ रुपये में खरीदा था। वह भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से टेस्ट मैच भी खेल चुके हैं और अपनी तेज गेंदबाजी से पहचान बना चुके हैं।

एबी क्रिकेट अकादमी में जश्न- आकाशदीप के चयन के बाद सासाराम स्थित एबी क्रिकेट अकादमी में खुशी का माहौल है। अकादमी के खिलाड़ियों और कोचों ने इसे पूरे रोहतास जिले के लिए गर्व की बात बताया। खिलाड़ियों ने कहा कि आकाशदीप करीब 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं और बेहद मेहनती खिलाड़ी हैं। आकाशदीप एक छोटे से गांव बड्डी से निकलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक पहुंचे हैं। उन्होंने साल 2019 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था और बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। आज उनकी सफलता युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बन गई है। आईपीएल 2026 की यह नीलामी बिहार के क्रिकेट प्रेमियों के लिए यादगार बन गई है, जहां राज्य के दो खिलाड़ियों ने देशभर में अपनी पहचान बनाई है।

गांधी मैदान में दौड़-कसरत नहीं कर सकेंगे:पकड़े जाने पर होगी कार्रवाई

फिल्ड में सिर्फ सांस्कृतिक कार्यक्रम-भ्रमण और सरकारी आयोजन होंगे

पटना, एजेंसी। पटना के गांधी मैदान को लेकर जिला प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब गांधी मैदान परिसर में शारीरिक दक्षता परीक्षा (दौड़, कसरत, ग्राउंड ट्रेनिंग आदि) की तैयारी नहीं की जा सकेगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू माना जा रहा है। जिला प्रशासन के अनुसार गांधी मैदान की पहचान केवल एक खुले मैदान की नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सार्वजनिक महत्व के स्थल के रूप में है। लंबे समय से यहां बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारी किए जाने से मैदान की हरियाली, ट्रैक, पाथवे और अन्य संरचनाओं को नुकसान पहुंच रहा था। इसके साथ ही आम नागरिकों, बच्चों, बुजुर्गों और पर्यटकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था।

अन्य मैदानों में कर सकेंगे तैयारी- जिला प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि गांधी मैदान आम लोगों के भ्रमण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, राष्ट्रीय पर्वों, सरकारी आयोजनों और शांत वातावरण में समय बिताने के लिए रहेगा, लेकिन प्रतियोगी परीक्षाओं की शारीरिक तैयारी के लिए इसका उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। इसके लिए अभ्यर्थियों को प्रशासन की ओर से चिह्नित अन्य मैदानों या निर्धारित स्थलों का उपयोग करना होगा।

मजदूर की थ्रेशर मशीन के अंदर फंसने से मौत

10 मिनट तक चीखता रहा:मुंगेर में तड़प-तड़पकर गई जान

- मशीन के पार्ट्स खोलकर निकाली बॉडी
- 2 महीने पहले हुई थी शादी

मुंगेर, एजेंसी। मुंगेर में एक मजदूर की थ्रेशर मशीन के अंदर फंसने से मौत हो गई। मजदूर की आधी बॉडी मशीन के अंदर ही फंसी रह गई। मृतक की पहचान भगलपुरा गांव के पुतुल पासवान के 25 साल के बेटे संजीव उर्फ पीपी पासवान के रूप में हुई है। घटना मंगलवार देर रात की है। संजीव थ्रेशर में फंसे पुआल को साफ कर रहा था, तभी वह मशीन की चपेट में आ गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। तारापुर पुलिस भी सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में ले लिया। 2 महीने पहले ही संजीव की शादी हुई थी। वह मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।

मंगलवार की रात 25 साल का संजीव रोज की तरह थ्रेशर मशीन से पुआल साफ कर के मशीन करने जा रहा था। अब वो अगले दिन इस फिर चालू करता और अपना बचा काम निपटाता। जल्दबाजी में वो चलती थ्रेशर मशीन से ही पुआल निकालने लगा। इस दौरान वो थोड़ा झुककर मशीन के और अंदर गया, ताकि उसे ठीक से साफ कर सके। इसी दौरान वो मशीन के अंदर लगे एंगल्स की चपेट में आ गया। उसके कमर के ऊपर का हिस्सा मशीन में फंस गया। आसपास मौजूद लोगों ने बताया कि मशीन की चपेट में आने के बाद वो 10 मिनट तक चीखता रहा। चिल्लाता रहा। तड़प-तड़पकर उसकी मौत हो गई।

ऐसे मौत पहले कभी नहीं देखा थी- घटना की सूचना मिलते ही मौके पर गांव वालों की भीड़ जुट गई। गांव वालों ने बताया कि हमने ऐसी मौत पहले कभी नहीं देखी थी। बहुत बुरी तरह से मरा है। बॉडी के ऊपर का हिस्सा मशीन में दबा था। पता नहीं कितनी हड्डियां टूटी होंगी। तड़प-तड़पकर लोगों से मदद मांग रहा होगा, लेकिन कोई उसकी मदद भी नहीं कर पाया। हम लोग भी मौके पर पहुंचे तो कुछ समझ ही नहीं आया की क्या करें।

मशीन के पार्ट्स खोलकर निकाली गई बॉडी- गांव वालों के पहुंचते ही पुलिस को भी सूचना दी गई। पुलिस और गांव वालों ने मशीन के कुछ पार्ट्स खोलकर बॉडी को बाहर निकाला। चेहरा पूरा चपटा हो चुका था। शरीर के ऊपर का हिस्सा एकदम फ्लेक्सिबल हो गया था। जैसे की शरीर में हड्डी ही ना हो। मशीन के अंदर के पार्ट्स में पूरा खून था। इसे देखकर लगता है, उसने बाहर निकलने की बहुत कोशिश की, लेकिन वो निकल नहीं पाया।

साथी मजदूरों से पुलिस ने की पूछताछ- हादसे के बाद वहां काम कर रहे अन्य मजदूर डरकर कुछ देर के लिए फरार हो गए। हालांकि, ग्रामीणों की भीड़ जुटने पर मृतक के साथ काम कर रहे अन्य मजदूरों को बुलाया गया और उनसे घटना के बारे में पूछताछ की गई।

महिला की हत्या मामले में तीन गिरफ्तार:भोजपुर में कचरा फेंकने पर हुई थी मारपीट, बेटी के बयान पर केस दर्ज

आरा,भोजपुर, एजेंसी। भोजपुर के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दावां गांव स्थित दर्जी मुहल्ला में सोमवार को कूड़ा फेंकने को लेकर हुए विवाद हुआ। इसमें लोहे की रॉड से मारकर 65 साल के बुजुर्ग महिला रौशनी बीबी की हत्या कर दी गई। इस मामले में मृतका की बेटी सैयदा खातून के बयान पर जगदीशपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एफआईआर में पड़ोसी परिवार के पांच लोगों को नामजद आरोपित बनाया गया है।

प्राथमिकी के अनुसार आरोपितों में विक्की कुमार उर्फ अमृतेश प्रसाद, आदित्य कुमार, अंजू देवी, खुशबू कुमारी उर्फ अंकिता कुमारी और संदना कुमारी शामिल हैं। पुलिस ने हत्या समेत अन्य सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर तीन आरोपितों विक्की कुमार, खुशबू कुमारी और अंजू देवी को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपी परमेश्वर प्रसाद के परिजन बताए जा रहे हैं। आरोपित परिवार के एक नाबालिग सदस्य को निरुद्ध किया गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

पड़ोसी के दरवाजे पर गया था कचड़ा- मृतका के दामाद मोहम्मद रोजा ने बताया कि दोनों पड़ोसियों के घरों के बीच करीब पांच फीट का रास्ता है। सोमवार की सुबह रौशनी बीबी अपने दरवाजे पर बकरी बांधकर झाड़ू लगा रही थीं। इसी दौरान झाड़ू लगाने से कचरा पड़ोसी के दरवाजे की ओर चला गया, जिसको लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मारपीट में बदल गया।

आरोप है कि शोरगुल सुनकर जब परिवार का एक बच्चा बाहर आया, तो पड़ोसियों ने लोहे की रॉड से रौशनी बीबी और उनकी जेठानी हसीना बेगम पर हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद परिजन उन्हें तत्काल जगदीशपुर अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने रौशनी बीबी की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

आरा सदर अस्पताल में भी रौशनी बीबी की स्थिति नाजुक बनी रही। डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया। परिजन उन्हें पटना ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही रौशनी बीबी ने दम तोड़ दिया। बुजुर्ग महिला की मौत की खबर मिलते ही गांव में तनाव का माहौल कायम हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पूर्णिया सड़क हादसे में पुरोहित की मौत :मंदिर से पैदल घर लौट रहे थे, तेज रफ्तार गाड़ी ने मारी टक्कर

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के अमौर में तेज रफ्तार गाड़ी की चपेट में आने से पुरोहित की मौत हो गई। वे मंदिर से पूजा कराकर घर लौट रहे थे, तभी ये हादसा हो गया। पिता की मौत की खबर सुनकर बेटे की तबीयत बिगड़ गई और वो सदमे में चला गया। जिसकी हालत काफी गंभीर बनी है। घटना अमौर थाना क्षेत्र के 99 स्टेट हाईवे पर चलसा चौक पर नवनिर्मित पंचायत भवन के पास हुई। मृत पुरोहित की पहचान अमौर थाना क्षेत्र के भिलेन्दर गांव वार्ड-5 निवासी स्वर्गीय बुलानंद झा के बेटे खगदुशन झा के रूप में की गई है। पुरोहित की मौत के बाद से न सिर्फ उनके घर में चीख पुकार मची है, बल्कि पूरे गांव में मातमी सन्नाटा है। सूचना पाकर पहुंची अमौर पुलिस ने लाश को कब्जे में ले लिया है और पोस्टमार्टम में जुट गई है। घटना की जानकारी देते हुए रिश्तेदारों ने बताया कि खगदुशन झा पेशे से पुरोहित थे। इसी से अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनको दो बेटियां और एक छोटा बेटा है। वे रोजाना की तरह मंदिर पूजा कराने निकले थे।

तेज रफ्तार गाड़ी ने मारी टक्कर- लौटते समय तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। ये हादसा इतना जबरदस्त था कि कुछ ही देर बाद पुरोहित की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुटता देख चालक वाहन समेत फरार हो गया। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने तत्काल अमौर थाना को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उन्हें अमौर रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और चीख पुकार मच गया। फिलहाल पुलिस गाड़ी की तलाश में जुट गई है और मामले की जांच की जा रही है।

भोजपुर में गैस सिलेंडर लीक होने से लगी आग:चार बच्चों समेत सात जख्मी

2 साल का बच्चा 65% तक झुलसा

आरा,भोजपुर, एजेंसी। भोजपुर के पीरो थाना क्षेत्र अंतर्गत पीरो नगर के वार्ड संख्या-25 में मंगलवार को गैस सिलेंडर लीक होने से आग लग गई। इस हादसे में एक ही परिवार के चार बच्चों समेत कुल सात लोग गंभीर रूप से झुलस गए। स्थानीय लोगों की काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। सभी घायलों को आनन-फानन में पहले पीरो के एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

दो अन्य बच्चे भी झुलसे- इस घटना में झुलसने वालों में श्रीराम रजवार (60), कांति देवी (65), बीरबल कुमार राम (45), आकाश कुमार (10), आयुष कुमार (7), सृष्टि कुमारी (4) और आर्यन कुमार (2) शामिल हैं। घायलों में सृष्टि, आयुष और आर्यन बीरबल राम के बच्चे बताए जा रहे हैं। इसके अलावा दो अन्य बच्चों के भी मामूली रूप से झुलसने की सूचना है। बीरबल राम के घर में रखा गैस सिलेंडर लीक हो रहा था। ठंड अधिक होने के कारण घर के लोग अलाव जलाकर आग ताप रहे थे। इसी दौरान गैस सिलेंडर से रिसाव के कारण अचानक आग भड़क उठी और देखते ही देखते पूरे घर में फैल गई। आग इतनी तेज थी कि घर में मौजूद लोग संभल नहीं पाए और सभी झुलस गए।

खाना बनाने समय हादसा- गुड़िया देवी ने बताया कि घर में उस समय पांच बच्चे और चार अन्य लोग मौजूद थे। कुछ लोग ठंड से बचने के लिए आग ताप रहे थे, जबकि वह खाना बना रही थीं। तभी अचानक सिलेंडर में आग लग गई। आग लगते ही घर में चीख-पुकार मच गई। काफी देर तक लोग मदद के लिए चिल्लाते रहे, लेकिन आसपास के लोग देर से पहुंचे। तब तक बच्चे और अन्य परिजन बुरी तरह झुलस चुके थे। बाद में किसी तरह सभी को बाहर निकाला गया और इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। आरा सदर अस्पताल में ऑन ड्यूटी डॉक्टर ने बताया कि दो साल का आर्यन कुमार 65 प्रतिशत से अधिक झुलस चुका है। अन्य घायलों की हालत भी गंभीर बनी हुई है। तीन लोगों को ज्यादा जलने के कारण विशेष निगरानी में रखा गया है।

निगरानी कोर्ट ने पुलिसकर्मियों को दी 3 साल की सजा

8 साल पहले पूछताछ के नाम पर फल दुकानदार को रोका था, मारपीट कर छीन लिए थे 2300 रुपए

पटना, एजेंसी। पटना के गांधी मैदान में साल 2017 में फल दुकानदार से लूटपाट और मारपीट हुई थी। इस मामले में 3 पुलिसकर्मियों और एक अनुबंध चालक को 3 साल की सजा निगरानी कोर्ट ने सुनाई है। सुधीर नाम के फल दुकानदार 10 सितंबर 2017 की रात करीब डेढ़ बजे पुनाई चक से कहीं जा रहे थे। इसी बीच गश्ती गाड़ी ने रास्ते में पूछताछ के लिए जमाल रोड के पास रोक लिया। सुधीर का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने मारपीट और गाली-गलौज की। पर्स में 2300 रुपए थे, जिसे जबरन छीन लिया। जिसके बाद मैं पैदल डाकबंगला पहुंचा।

सभी थाने से अरेस्ट हुए थे- डाकबंगला पर पहले से ड्यूटी में पुलिसकर्मी मौजूद थे। उनको पूरी घटना के बारे में बताया। फिर सुधीर को गांधी मैदान थाने लाया गया। जिन पुलिसकर्मियों ने उनसे लूटपाट की थी, उन्हें बुलाया गया। थाने पर उन लोगों के पहुंचते ही सुधीर ने सबको पहचान लिया। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने जो रुपए लिए थे, उसे लौटा दिए। मामला मीडिया में आया। दबाव में पुलिस को इस मामले में तत्कालीन एएसआई विद्यानंद पासवान, सिपाही नौशाद आलम, मोती राम और संविदा चालक वीरेंद्र कुमार के खिलाफ 12 सितंबर 2017 को गांधी मैदान थाने में केस रजिस्टर्ड हुआ।

तत्कालीन एसएसपी मनु महाराज ने जांच कमेटी बैठाई थी। जिसमें सभी दोषी पाए गए थे। उनके निर्देश पर ही गांधी मैदान थाने में केस रजिस्टर्ड हुआ था और सभी थाने से ही अरेस्ट किए गए थे। सभी निलंबित किए गए। विभागीय जांच शुरू हो गई। जेल भेजे गए। फिलहाल कोर्ट ने सभी आरोपियों को दोषी पाया है। चारों को 3-3 साल की सजा और 10 हजार रुपए का आर्थिक दंड लगाया है। बता दें कि एएसआई विद्यानंद पासवान रिटायर्ड हो चुके हैं।

वजन रसीद भेजने के बाद गायब हुआ चालक दो घंटे बाद ट्रक पर मिला शव

छपरा, एजेंसी। बिहार के छपरा जिले में सड़क निर्माण कार्य के दौरान एक ट्रक चालक की रहस्यमय मौत से इलाके में हड़कंप मच गया है। देर रात हुई इस घटना के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, वहीं मृतक के परिजनों में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के शिकारगंज थाना क्षेत्र के चकिया गांव निवासी 31 वर्षीय सतीश कुमार के रूप में हुई है, जो राजेश कुमार के पुत्र थे।

यह घटना तरैया थाना क्षेत्र के रजवाड़ा गांव में स्थित सड़क निर्माण प्लांट की बताई जा रही है। यहां सतीश कुमार का शव उनके ट्रक की तेल टंकी पर औंधे मुंह पड़ा हुआ मिला। जानकारी के अनुसार, सतीश कुमार उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के चुनार से जेसीबी मशीन लोड कर छपरा के रजवाड़ा प्लांट पहुंचे थे। प्लांट पर ट्रक का वजन कराने के बाद उन्हें करीब एक किलोमीटर दूर सारण तटबंध पर सामग्री खाली करने के लिए भेजा गया। सामग्री उतारने के बाद चालक वापस प्लांट लौटा और खाली ट्रक का वजन कराकर उसकी रसीद व्हाट्सएप के जरिए वाहन मालिक को भेज दी।

इसके बाद उसने ट्रक को प्लांट के गेट के पास खड़ा कर दिया। करीब दो घंटे तक जब चालक कहीं दिखाई नहीं दिया तो प्लांट में काम कर रहे लोगों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान उसका शव ट्रक की तेल टंकी पर पड़ा मिला। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तरैया थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष धीरज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

जरूरी कागजी कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया गया। सड़क निर्माण का काम श्रीराम इंटरप्राइजेज कंपनी द्वारा कराया जा रहा है। घटना की खबर मिलते ही मृतक के पिता एक पड़ोसी के साथ तरैया थाना पहुंचे। बेटे की मौत की सूचना सुनते ही वे फूट-फूट कर रो पड़े। इस हादसे से मृतक की पत्नी संतरा देवी, पुत्री आकृति और छोटे भाई प्रदीप कुमार का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष ने बताया कि फिलहाल चालक की मौत के सही कारणों का पता नहीं चल सका है। शव की कोहनी पर गहरे जख्म का निशान है और मुंह झुलसा हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। मौत का असली कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगा।

संक्षिप्त समाचार

चार दिन पहले घर से निकले व्यक्ति का शव खेत में मिला

वाराणसी, एजेंसी। स्थानीय थाना के भरदुआ गांव से चार दिन पहले निकले व्यक्ति का शव मंगलवार की शाम चकरपट्ठा थाना के मझगावां नई बस्ती में अरहर के खेत में मिला। उसकी मौत कैसे हुई इसका पता नहीं चला। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। मझगावां नई बस्ती निवासी बाबूलाल मौर्य का बेटा शुभम खेत में गया था। मंगलवार की शाम वह खेत में कुछ काम कर रहा था। इसी बीच कुएं के समीप शव पड़ा देख कर भौंचक रह गया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ईश्वर प्रसाद ने पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंचे चकरपट्ठा थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया की मृतक की शिनाख्त राजेश सोनी पुत्र मोती सेठ (45) निवासी भरदुआ के रूप में हुई। मौत कैसे हुई पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा।

शादी में से टेंट का काम करके लौट रहे दो की सड़क दुर्घटना में मौत

आजमगढ़, एजेंसी। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के खुटौली गांव के पास सोमवार देर रात 10.30 बजे सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हुई है। पहचान बिरादर गांव निवासी शशिकांत (24) और प्रिंस (15) के रूप में हुई है। दोनों टेंट हाउस का काम करने के बाद शादी समारोह से घर लौट रहे थे।

जैसे ही वे मुख्य मार्ग पर खुटौली गांव के पास पहुंचे, तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और एंबुलेंस के माध्यम से दोनों घायलों को फूलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। यहां इलाज के दौरान प्रिंस की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल शशिकांत को जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां रात में उसकी भी मौत हो गई। फूलपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक गंगा राम बिंद ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से दोनों युवकों की मृत्यु हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में मातम छा गया।

अतिक्रमण से बाजार में आए दिन लग रहा जाम

आजमगढ़, एजेंसी। माहुल बाजार में अतिक्रमण से आए दिन जाम लगता है। सड़क और पटरियों पर दुकानदारों और ठेला खोमचा वालों का कब्जा है, इसके कारण ग्राहकों को अपना वाहन खड़ा करने में परेशानी हो रही। नगर पंचायत प्रशासन इस समस्या को समाधान की बजाय मौन है।

माहुल बाजार का चाहे मुख्य चौक का फूलपुर रोड तिराहा हो या कुरैशी चौक। यहां का अहरौला रोड हो या फिर पवई मोड़ हो, पटरियों पर दुकानदार अपनी अपनी दुकान लिए बैठे है। बाकी जो जगह बच रही वहां पर ठेले और खोमचे वाले फल और फास्ट फूड बेच रहे।

इस अतिक्रमण की वजह से बाजार में सामान खरीदने आने वाले ग्राहक अपना वाहन सड़क पर खड़ा कर सामान खरीदने को मजबूर है। इससे आए दिन बाजार में जाम लगा रहता है। कभी- कभी तो विवाद की स्थिति भी बन जाती है। वही नहीं अतिक्रमण के कारण बाजार में कई दुर्घटनाएं भी हो चुकी है।

भाजपा नेता सुजीत जायसवाल आंसू, शैलेंद्र पांडेय, विजय यादव, अनिल कुमार ने बताया कि एसडीएम को शिकायती पत्र देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। बाजार से अगर अतिक्रमण नहीं हटा तो दुर्घटनाएं हो सकती है। नगर पंचायत प्रशासन भी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा।

देश में कोहरे की वजह से ट्रेन और विमानों पर पड़ा व्यापक असर, 10 उड़ानें हुईं रद्द, लेट पहुंची गाड़ियां

लखनऊ , एजेंसी। घने कोहरे के चलते मंगलवार को हवाई और रेल संचालन प्रभावित रहा। कम दृश्यता के कारण लखनऊ एयरपोर्ट पर 10 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि कई अन्य उड़ानें घंटों देरी से आईं और रवाना हुईं। वहीं, अवध एक्सप्रेस समेत करीब 20 ट्रेनें कई घंटों की देरी से चलीं।

घने कोहरे के कारण दम्माम से सुबह 5:15 बजे लखनऊ आने वाली फ्लाइट (एक्सवाई-896) और रियाद से सुबह 9 बजे आने वाली फ्लाइट (एक्सवाई-333) को चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लैंड नहीं कर सकीं। दोनों विमान काफी देर तक आसमान में चक्कर लगाते रहे, लेकिन एयर ट्रैफिक कंट्रोल से लैंडिंग की अनुमति नहीं मिल सकी। बाद में दम्माम की फ्लाइट को जयपुर और रियाद की फ्लाइट को दिल्ली डायवर्ट कर दिया गया। इसके बाद रियाद वाली फ्लाइट दोपहर करीब 1:30 बजे दिल्ली से लखनऊ पहुंच सकी।

ये उड़ानें रहीं निरस्त

दिल्ली से लखनऊ आने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-2499, रसेल खेमा से आने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की आईएक्स-125, दिल्ली से एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-2173, देहरादून से आने वाली इंडिगो की 6ई-518, बंगलूरू से आने वाली 6ई-451, मुंबई से आने वाली फ्लाइट 6ई-5088 सहित कई उड़ानें रद्द रहीं। इसी तरह लखनऊ से दिल्ली जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-2500, इंडिगो की 6ई-515, बंगलूरू जाने वाली फ्लाइट 6ई-6354 और मुंबई जाने वाली फ्लाइट 6ई-5201 भी निरस्त कर दी गईं।

ये फ्लाइटें रहीं लेट

लखनऊ आने-जाने वाली कई उड़ानें चार घंटे तक देरी से संचालित हुईं। भुवनेश्वर से सुबह 9:50 बजे आने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-2807 दोपहर 12 बजे पहुंची। झारसुगुड़ा से सुबह 10:15 बजे आने वाली स्टार एयर की फ्लाइट (एस-5228) 11:50 बजे, बंगलूरू से सुबह 10:35 बजे आने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-2048 दोपहर 12 बजे और हैदराबाद से दोपहर 1:55 बजे आने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ई-453 शाम 5:45 बजे लखनऊ पहुंच सकी। इसी तरह किशनगढ़ से शाम 4:55 बजे आने वाली स्टार एयर की फ्लाइट 6:15 बजे उतरी। लखनऊ से सुबह 10:45 बजे किशनगढ़ जाने वाली स्टार एयर की फ्लाइट एस-5223 दोपहर 12:30 बजे, सुबह 11:05 बजे बंगलूरू जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-2049 1:20 बजे और सुबह 11:20 बजे भुवनेश्वर जाने वाली फ्लाइट आईएक्स-2808 दोपहर 1 बजे रवाना हुई। दोपहर 1:35 बजे पुणे जाने वाली फ्लाइट आईएक्स-1617 2:25 बजे, दोपहर 2:35 बजे दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट (6ई-758) शाम 6:25 बजे और शाम 5:25 बजे झारसुगुड़ा जाने वाली स्टार एयर की फ्लाइट (एस-5229) रात 7:05 बजे उड़ान भर सकी।

घने कोहरे के कारण करीब 20 ट्रेनें अपने निर्धारित समय से घंटों देरी से चलीं। गाड़ी संख्या 19038 अवध एक्सप्रेस ढाई घंटे, 22537 कुशीनगर एक्सप्रेस सवा घंटे, 20503 राजधानी एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, 15909 अवध-आसाम एक्सप्रेस पौने चार घंटे, 04651 जयनगर-अमृतसर साढ़े पांच घंटे, 02569 दरभंगा-नई दिल्ली पांच घंटे, 02563 बरौनी-नई दिल्ली साढ़े छह घंटे और 12557 अमृत भारत एक्सप्रेस करीब दो घंटे देरी से चली।

कोहरे की गिरफ्त में बरेली... तीन दिन तक ऑरेंज अलर्ट
दस साल में सबसे ठंडा रहा 16 दिसंबर का दिन

बरेली, एजेंसी। बरेली में ठंड अब बेरहम हो चली है। 16 दिसंबर का दिन 10 साल में सबसे ठंडा रहा। दिन का तापमान लुढ़ककर 16.3 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। सोमवार रात से ही जिला घने कोहरे की गिरफ्त में आ गया। मंगलवार सुबह दृश्यता 10-15 मीटर रही। दिन में हल्की धूप निकली, लेकिन बेअसर रही। रात के तापमान में करीब डेढ़ डिग्री सेल्सियस की बढ़त दर्ज की गई। इस वजह से अधिकतम व न्यूनतम तापमान में सिर्फ छह डिग्री का अंतर रहा।

बुधवार की सुबह भी घने कोहरे का साथ हुई। सर्द हवा से गलन और ठिठुरन बढ़ गई है। सुबह घने कोहरे की वजह से स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों व नौकरीपेशा लोगों को दिक्कत हुई। हाइवे पर वाहन लाइट जलाकर रेंगते नजर आए। ठंड और घने कोहरे से स्कूली बच्चों और शिक्षकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्होंने स्कूल का समय बदलने की मांग की है।

दिनभर चली सर्द हवा : मंगलवार को दिनभर पहाड़ से आ रही ठंडी हवा चलती रही। शाम को फिर कोहरा छा गया। सर्दी से बचने के लिए लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ा। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट का अनुमान जताया है। दोपहर में ग्राहक खरीदारी करने निकले, लेकिन शाम को बाजारों में जल्दी सन्नाटा छा गया। दुकानें भी जल्दी बंद हो गईं। व्यापारियों के अनुसार, इस समय सहालग नहीं होने के चलते ग्राहक भी बाजार में कम ही पहुंच रहे हैं।

तीन दिन कोहरे का ऑरेंज अलर्ट : मौसम विभाग ने तीन दिन के लिए घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान बरेली समेत आसपास के क्षेत्र में घना कोहरा छाया रहेगा। पहाड़ की ओर से ठंडी हवा चलती रहेगी।

स्कूलों का समय बदलने की मांग : ठंड और घने कोहरे से स्कूली बच्चों और शिक्षकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के मंडल अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर परिषदीय विद्यालयों का समय बदलने की मांग की है। वर्तमान में इन विद्यालयों का समय सुबह नौ से अपराह्न तीन बजे तक है। कोहरे में बच्चों और शिक्षकों को स्कूल पहुंचने में दिक्कत हो रही है। हादसों का भी अंदेशा है। उन्होंने विद्यालयों के संचालन का समय सुबह 10 से अपराह्न तीन बजे तक किए जाने की मांग की है।

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय से मरीजों का डाटा लीक, दलाल कर रहे ठगी

लखनऊ , एजेंसी। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में मरीजों के डाटा में सेंधमारी की जा रही है। यह डाटा बाहरी लोगों के पास पहुंच रहा है। इसका फायदा उठाकर दलाल मरीज और उनके तीमारदारों को आयुष्मान कार्ड बनवाने और मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री राहत कोष का लाभ दिलाने का झांसा देकर ठग रहे हैं।

दो महीने में इस तरह की 10 शिकायतें आने के बाद केजीएमयू प्रशासन ने जांच शुरू की है। केजीएमयू में रोजाना करीब सात से आठ हजार मरीज ओपीडी में आते हैं। इनमें से कई भर्ती भी किए जाते हैं। भर्ती करने के बाद कई मरीजों को आयुष्मान कार्ड बनवाने और मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री राहत कोष की जरूरत होती है।

दलाल मरीजों के मोबाइल नंबर और जरूरी जानकारी हासिल कर उन्हें फोन कर रहे हैं और विभिन्न योजनाओं का लाभ देने का लालच दे रहे हैं। फर्जी वेबसाइट के माध्यम से इसके लिए वे मैसेज और ओटीपी भी भेजते हैं। इसके एवज में पैसे वसूलते हैं।

काफी समय बाद भी जब कुछ मरीजों को योजना का लाभ नहीं मिला तो उन्होंने केजीएमयू प्रशासन के सामने अपनी बात रखी। इस तरह ठगी का शिकार हुए करीब 10 मरीजों ने केजीएमयू प्रशासन के पास शिकायत दर्ज कराई है।

तीन से चार हजार रुपये की वसूली : फिलहाल दलालों ने मरीज और उनके तीमारदारों से करीब तीन से चार हजार रुपये की वसूली की है। संभव है कि मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री राहत कोष से सहायता दिलाने के नाम पर इससे ज्यादा की वसूली की गई हो, लेकिन अभी तक बड़ी रकम की वसूली की शिकायत नहीं आई है।

प्रदेश में पेट्रोल पंप खोलना अब हुआ आसान
नहीं लगे प्रदूषण-वन सहित इन चार विभागों की एनओसी

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश सरकार ने कारोबारी सुगमता के लिहाज से बड़ा कदम उठाया है। अब पेट्रोल व डीजल पंप खोलने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और वन विभाग समेत चार विभागों की एनओसी लेने की आवश्यकता नहीं होगी। इस संबंध में खाद्य एवं रसद विभाग ने आदेश जारी कर दिया है।

पेट्रोल व डीजल पंप के लाइसेंस के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के लिए जिलाधिकारी अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी करते हैं। अब तक लागू व्यवस्था में डीएम 10 विभागों -राजस्व, एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, विकास प्राधिकरण या नगर निकाय, जिला पंचायत, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पुलिस, वन, विद्युत सुरक्षा और बिजली विभाग से एनओसी लेते थे। इसमें काफी समय लगता था, जिससे अनावश्यक देरी होती थी।

प्रदेश सरकार ने अब इस प्रक्रिया को सरल बनाने का फैसला किया। इसके तहत पेट्रोल पंप स्थापित करने के लिए मुख्य रूप से राजस्व, बिजली, लोक निर्माण, विकास प्राधिकरण या आवास, विकास परिषद या औद्योगिक विकास प्राधिकरण से ही अनापत्ति प्रमाणपत्र लिया जाएगा।

शेष विभागों के संबंध में आवेदक की ओर से स्वघोषणा पत्र ही पर्याप्त होगा। डीएम द्वारा डिजिटल हस्ताक्षरित एनओसी आवेदक के यूजर लॉग-इन पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध रहेगा। आवेदक अपने आवेदन की स्थिति को ट्रैक कर सकेगा।

बलिया में भीषण हादसा: तेज रफ्तार कार सड़क किनारे कटरे में घुसी, दो दोस्तों की मौत; दो जिंदगी से लड़ रहे जंग

बलिया , एजेंसी। बलिया-सिकंदरपुर मार्ग के भरहरा गांव के पास मंगलवार की देर रात एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे कटरा में घुस गई। दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

कैसे हुआ हादसा : सुखपुरा थाना प्रभारी सुशील दुबे ने बताया कि अपाइल निवासी रोहित सिंह (22), अभिषेक सिंह (25), सुजीत तुरहा (24) व आदित्य वर्मा (19) शहर की तरफ कार से जा रहे थे। ये सभी रोहित को घर छोड़ने जीराबस्ती जा रहे थे। भरहरा गांव के पास कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क के बाईं ओर स्थित कटरे में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। घर में सोए लोगों में खलबली मच गई, टक्कर की आवाज सुन आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए।

कार में सवार घायलों को बाहर निकाला। वहीं सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई और सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। जहां चिकित्सक ने जांच उपरांत रोहित व अभिषेक को मृत घोषित कर दिया और दो युवकों को इलाज के लिए भर्ती कर लिया। पुलिस द्वारा घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई।

धर्म परिवर्तन का मामला: बीमारी बढ़ाने के बाद पानी में घोलकर देते थे दवा, ठीक होने पर बताते थे चमत्कार

मिर्जापुर , एजेंसी। मिर्जापुर जिले में चर्च में आने वाले कम पढ़े-लिखे लोगों को बीमारी ठीक करने का चमत्कार दिखाकर धर्म परिवर्तन कराया जाता था। जिस व्यक्ति को बुखार रहता था, उसे चर्च का पादरी खाने-पीने की चीजों में उल्टी-दस्त होने की दवा मिलाकर देता था। इस कारण वह और बीमार हो जाता था। फिर यहीं से धर्म परिवर्तन कराने का खेल शुरू हो जाता है।

पीड़ित जब दूसरी बार चर्च आता है तो उसे ईसाई धर्म के बारे में बताया जाता है। फिर बीमार व्यक्ति को अलग-अलग पानी में बुखार, उल्टी-दस्त ठीक करने की दवा घोलकर पवित्र पानी बताते हुए पीने के लिए दिया जाता है। मरीज के ठीक होते ही चर्च का पादरी उसे ईसाई धर्म का चमत्कार बताने लगता है। इस तरह से चर्च का पादरी गांव के कम पढ़े लिखे लोगों का भरोसा जीतता है। उसके बाद मौका देखकर धर्म परिवर्तन कराता है।

20 साल से चल रहा था खेल : जिले के खरहरा गांव में 20 साल से यह खेल चल रहा था। रविवार की रात जब आरोपी भोला पटेल पकड़ा गया तो पुलिस की पूछताछ में उसने धर्म परिवर्तन के खेल के बारे में बताया। ग्रामीणों को खाने-पीने, बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में मदद का लालच देकर भी धर्म परिवर्तन कराने के लिए उकसाता था।

प्रार्थना सभा में आने पर लोगों को मिलते थे 20-20 रुपये : देहात कोतवाल अमित मिश्रा ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में बताया कि प्रार्थना सभा में जो लोग आते हैं, उनको 10 से 20 रुपये दिए जाते थे।

निशा बनी सरकारी गवाह : खरहरा गांव में धर्म परिवर्तन के मामले में पुलिस ने 11 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। मामले में पादरी सहित 10 लोगों को सोमवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मुकदमे में आरोपी निशा को पुलिस ने सरकारी गवाह बनाया है।

फंडिंग की होगी जांच, पूछताछ के लिए वारंट की तैयारी : देहात कोतवाल अमित मिश्रा ने बताया कि धर्म परिवर्तन मामले में गिरफ्तार लोगों को फंडिंग की जाती थी। फंडिंग मामले की जांच की जा रही है। ये लोग कई बार लखनऊ गए हैं। पादरी भोला पटेल, अंगनू को लखनऊ लेकर गया था। लखनऊ के मोहन लालगंज बाजार में कार्यालय है। जिन आरोपियों को जेल भेजा गया है, फंडिंग के बारे में पूछताछ के लिए उनको वारंट पर लेने की तैयारी की जा रही है। न्यायालय से वारंट मिलने के बाद फंडिंग के बारे में पूछताछ की जाएगी।

रूस और एएमयू के वैज्ञानिक लौटाएंगे ताजमहल की पीली पड़ी रंगत

अलीगढ़ , एजेंसी। विश्व हेरिटेज इमारत ताज महल की फीकी पड़ रही रंगत को सुधारने के लिए अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) और रूस के वैज्ञानिकों ने काम शुरू कर दिया है। वैज्ञानिक पीले पड़े संगमरमर पर फोटो कैटेलिटिक नैनो मैटेरियल का प्रयोग कर रहे हैं। जिसके परिणाम बेहद शानदार आए हैं। इससे उत्साहित वैज्ञानिकों का दावा है कि एमओयू के मुताबिक अब अगले तीन साल में पूरी इमारत के संगमरमर को पूरी तरह चमका दिया जाएगा।

एएमयू म्यूजियोलॉजी विभाग के चेयरमैन प्रोफेसर अब्दुर्रहीमके के साथ रूसी वैज्ञानिक पीटर व एक एएमयू रिसर्च स्कॉलर इस काम में लगे हुए हैं। दो वर्षों से काम चल रहा है। प्रो. अब्दुर्रहीम ने बताया कि मौसम, धूप, धूल और प्रदूषण की मार से ताजमहल का संगमरमर वक्त के साथ अपनी रंगत खोने लगा है। हमने जब परीक्षण किया तो पाया कि ताज का फर्श वाला हिस्सा सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। सबसे पहले उसी पर प्रयोग शुरू किए गए।

वह कहते हैं कि रूस में एक विशेष केमिकल फोटो कैटेलिटिक नैनो मैटेरियल विकसित किया गया है। यह मार्बल (संगमरमर) में आने वाले पीलेपन और उसके क्षरण को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने में मदद करता है। सबसे खास बात यह है कि भारतीय वातावरण में यह प्रभावी है और इसका कोई नकारात्मक असर नहीं है। इससे पहले ताजमहल की संगमरमर को पीला पड़ने से बचाने के लिए मुलतानी मिट्टी का प्रयोग किया गया था जो अधिक कारगर नहीं रहा।

संगमरमर में क्षरण को भी रोकेगा फोटो कैटेलिटिक नैनो मैटेरियल : प्रोफेसर अब्दुर्रहीम के कहते हैं कि पीलेपन के साथ ही ताज की संगमरमर में क्षरण की भी समस्या देखी गई। यह वक्त के साथ होने वाली स्वाभाविक प्रक्रिया है। फोटो कैटेलिटिक नैनो मैटेरियल के प्रयोग से इसको भी रोका जा सकेगा।

गुंबद और मीनार का कई जगह से रंग बदला : इस प्रोजेक्ट में लगे वैज्ञानिकों का कहना है कि ताज का निर्माण 1632 में हुआ था। इसकी संगमरमर ने 393 वर्ष का सफर तय किया है। इस लंबी अवधि के दौरान गुंबद, मीनार आदि कई जगहों से संगमरमर का रंग बदल गया है। परीक्षण में उन हिस्सों को चिह्नित किया है। बाहरी दीवारों पर भी हवा का प्रभाव देखा गया है। यहां पर काम करने के लिए पुरातत्व विभाग भी सहयोग कर रहा है।

जाको राखे साइयां मार सके न कोई: महाबोधि एक्सप्रेस में दंपती के हाथ से छूटा बालक, ऐसे बचा बाल-बाल

अलीगढ़ , एजेंसी। जाको राखे साइयां मार सके न कोई वाली कहावत 16 दिसंबर को अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर चरितार्थ हो गई। दिल्ली से गया जाने वाली महाबोधि एक्सप्रेस में सवार हुए दंपती के हाथ से एक छह साल का बालक अचानक छूट कर गिर गया। वह ट्रेन व रेलवे ट्रैक के बीच में फंस गया। यात्रियों ने शोर मचाया तो ट्रेन को रुकवाया गया। तब बालक को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका।

आरपीएफ के पोस्ट कमांडर डीपी सिंह ने बताया कि शहर के सिविल लाइंस क्षेत्र के जमालपुर के रहने वाले साबिर सुद पत्नी व छह साल के बेटे तैमूर के साथ महाबोधि एक्सप्रेस से कानपुर जा रहे थे। ट्रेन दोपहर करीब पौने तीन बजे प्लेटफॉर्म संख्या तीन पर पहुंची।

साबिर व उनकी पत्नी ट्रेन में सवार हो गईं, लेकिन तैमूर को चढ़ाने के दौरान उसका हाथ छूट गया। वह ट्रेन व रेलवे ट्रैक के बीच जा फंसा। तभी ट्रेन चल पड़ी। यात्रियों ने देखा तो उन्होंने शोर मचा दिया। जिस पर ट्रेन को रोका गया। फिर रेलवे ट्रैक पर गिरे तैमूर को उठाया गया।

टाटा केमिकल्स ने एनसीडी के माध्यम से 1,500 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली टाटा केमिकल्स लिमिटेड ने निजी नियोजन के जरिए गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) जारी कर 1,500 करोड़ रुपये जुटाए। कंपनी ने बताया कि यह एनसीडी असुरक्षित, सूचीबद्ध और कर योग्य है। कंपनी ने 1,00,000 रुपए अंकित मूल्य वाले 1,50,000 एनसीडी जारी किए। इनकी अवधि 2 वर्ष 364 दिन है और कूपन दर 7.06 फीसदी तय की गई है। ये एनसीडी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के ऋण खंड में सूचीबद्ध होंगे। एनसीडी निवेशकों को निश्चित और स्थिर रिटर्न देते हैं, जबकि कंपनी के लिए यह दीर्घकालिक फंड जुटाने का आसान साधन है। आवंटन को कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा गठित अंतरिम समिति ने मंजूरी दी।

रिलायंस कंज्यूमर ने 75 साल पुराने एसआईएल ब्रांड किया रीलॉन्च

बेंगलुरु रिलायंस इंडस्ट्रीज की एफएमसीजी शाखा रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने 75 साल पुराने फूड ब्रांड एसआईएल को नए रूप में बाजार में पेश किया है। कंपनी ने एसआईएल के तहत नूडल्स, केचप और जैम जैसी प्रोडक्ट रेंज लॉन्च की है। एसआईएल नूडल्स चार वैरिएंट्स—मसाला, आटा विद वेजीज, कोरियन के-फायर और चाउ-चाउ-5 रुपये से शुरू होंगे। एसआईएल केचप असली टमाटरों से तैयार, बिना कृत्रिम रंग या सिंथेटिक सामग्री, कीमत 1 रुपए और एसआईएल मिक्स्ड फ्रूट जैम आठ फलों से बनी, 100 ग्राम, 200 ग्राम और 500 ग्राम पैक में उपलब्ध, शुरुआती कीमत 22 रुपए है।

जापान का निर्यात नवंबर में सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़ा

आयात केवल 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई

बैंकॉक जापान के निर्यात में नवंबर में सालाना आधार पर 6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि आयात केवल 1.3 फीसदी बढ़ा। इसके परिणामस्वरूप देश का कुल व्यापार अधिशेष 322.2 अरब येन (लगभग 2.1 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा। अमेरिका को निर्यात में लगभग 9 फीसदी की वृद्धि हुई। कार, रसायन और कैमरा निर्यात ने मशीनरी और इस्पात में गिरावट की भरपाई की। अमेरिका से आयात लगभग तीन गुना बढ़ गया, मुख्य रूप से तेल, अनाज और अन्य खाद्य उत्पाद। इसके कारण जापान का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष घटकर 739.8 अरब येन (4.7 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गया, जो एक साल पहले की तुलना में 11 फीसदी अधिक है। यूरोपीय संघ को निर्यात में लगभग 20 फीसदी की वृद्धि हुई। मुख्य कारण मशीनरी, वाहन और अन्य विनिर्मित वस्तुओं की बढ़ती मांग रही।

एटरनल के शेयर में 7 महीने की सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स कंपनी एटरनल के शेयर में मंगलवार को इंट्रा-डे कारोबार के दौरान करीब 5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। शेयर 285.70 रुपये तक गिर गया, जो पिछले सात महीनों में एक दिन की सबसे बड़ी कमजोरी मानी जा रही है। इससे पहले 2 मई 2025 को 5.3 और 7 अप्रैल 2025 को लगभग 10 फीसदी की गिरावट आई थी। 16 अक्टूबर 2025 को शेयर अपने 52 हफ्ते के उच्चतम स्तर 368.40 रुपये पर था, जो लगभग 23 फीसदी है। बाजार में इस गिरावट की प्रमुख वजह सरकार द्वारा चार नए श्रम कानूनों को 21 नवंबर 2025 से लागू करने का निर्णय माना जा रहा है। ये कानून 2020 में पारित हुए थे लेकिन अब तक लागू नहीं हुए। नए नियमों के तहत गिग वर्कर्स के लिए सोशल सिक्योरिटी फंड में योगदान और न्यूनतम वेतन तय करना अनिवार्य होगा।

ईलॉन मस्क की दौलत 600 अरब डॉलर के पार, बेजोस और जुकरबर्ग को पछाड़ा

▶▶ स्पेसएक्स, टेस्ला और एक्सएआई ने बढ़ाई मस्क की नेटवर्थ

नई दिल्ली

टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक ईलॉन मस्क एक बार फिर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के अनुसार उनकी कुल संपत्ति बढ़कर करीब 684.2 अरब डॉलर पहुंच गई। हाल के दिनों में उनकी नेटवर्थ में अचानक तेज उछाल देखने को मिला है, जिसका सबसे बड़ा कारण उनकी निजी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स की तेजी से बढ़ती वैल्यू मानी जा रही है।

महज दो दिनों में उनकी कुल संपत्ति ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह बढ़ोतरी निजी कंपनियों की वैल्यूएशन में आए बदलाव के कारण हुई है। मस्क की संपत्ति बढ़ने की सबसे बड़ी वजह स्पेसएक्स है। रिपोर्ट्स के अनुसार स्पेसएक्स अगले साल शेयर बाजार में उतर सकती है और इसकी वैल्यू करीब 800 अरब डॉलर आंकी जा रही है। ईलॉन मस्क की कंपनी में लगभग 42 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिससे उनकी निजी संपत्ति में जबरदस्त उछाल आया है। ईलॉन मस्क की कुल संपत्ति अब कई बड़े अरबपतियों की संयुक्त दौलत से भी ज्यादा बताई जा रही है। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस, मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग और एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग तीनों की कुल संपत्ति मिलाकर भी मस्क की दौलत से कम बताई जा रही है। ईलॉन मस्क के बाद अल्फाबेट के को-फाउंडर लैरी पेज करीब 252 अरब डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। लैरी एलिसन 239.8 अरब डॉलर के साथ तीसरे, जबकि जेफ बेजोस 235.2 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ चौथे स्थान पर हैं।

पार्क मेडि वर्ल्ड का शेयर निर्गम मूल्य से कम पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली पार्क ब्रांड के तहत अस्पताल चलाने वाली पार्क मेडि वर्ल्ड लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पिछले दिन की बोली के अंतिम दिन आठ गुना अभिदान के साथ बंद हुआ। कंपनी ने 920 करोड़ का आईपीओ लॉन्च किया, जिसमें 770 करोड़ रुपए के नए शेयर और 150 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल थी। कंपनी का शेयर बुधवार को बाजार में लिस्टेड हुआ। बीएसई पर शेयर 155.60 रुपए पर खुला, जो निर्गम मूल्य 162 रुपए से 3.95 फीसदी कम है। वहीं, एनएसई पर यह 158.80 रुपए पर कारोबार शुरू हुआ, जो निर्गम मूल्य से 1.97 फीसदी कम है। लिस्टिंग के समय कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,949.77 करोड़ रुपए रहा। निवेशकों के लिए यह संकेत है कि आईपीओ को अच्छी मांग मिली, लेकिन शुरुआती लिस्टिंग में हल्की गिरावट देखी गई।

डॉलर में 9.5 फीसदी, रुपये में 6.3 फ़ीसदी की गिरावट

मुंबई डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 91.14 पैसे के स्तर तक पहुंच कर 91.1 पैसे पर बंद हुआ। यदि डॉलर इस तेजी के साथ नहीं गिरा हुआ होता। तो भारतीय रुपए की डॉलर के मुकाबले क्या हालत होती, इसे आसानी से समझा जा सकता है। करंसी मार्केट के विशेषज्ञों का कहना है। डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट कम है। जिसके कारण भारतीय मुद्रा डालर के मुकाबले अपना अस्तित्व बनाकर रख पा रही है। यदि डॉलर में इतनी तेज गिरावट नहीं होती, तो भारतीय रुपया वैश्विक स्तर पर कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं रहता। भारतीय रिजर्व बैंक रुपये को सपोर्ट नहीं कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अर्थव्यवस्था में नगदी के स्तर को बढ़ाने की नीति पर काम कर रहे हैं। भारत में रुपए का, डॉलर के मुकाबले कमजोर होना। इस बात का संकेत है। पेट्रोलियम, खाने के तेल और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के दाम आने वाले महीनों में महंगे होंगे। जो भी सामान भारत में आयात हो रहा है। उसमें 13 से 14 फीसदी की तेजी देखने को मिलेगी। अभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 13 से 14 फीसदी गिर चुके हैं। इसका लाभ भारत को मिल रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, डॉलर मुद्रा की गिरावट के कारण भारत के रुपए को अप्रत्यक्ष रूप से अभी सपोर्ट जरूर मिल रहा है। यह सपोर्ट ज्यादा दिनों तक नहीं मिलेगा। देश की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक खतरनाक संकेत है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, आयात के मुकाबले हमारा निर्यात बहुत कम है। व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। विदेशी मुद्रा को लेकर जो संकट भारत में पैदा हो रहा है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ । बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 120.21 अंक टूटकर 84,559.65 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41.55 अंक नीचे आकर 25,818.55 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान रियल्टी शेयरों के कारण बाजार पर दबाव पड़ा। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 0.84 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.49 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.47 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.44 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ।

वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक 1.29 फीसदी, निफ्टी आईटी 0.29 फीसदी और निफ्टी मेटल 0.25 फीसदी फिसलकर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 321.95 अंक नीचे आकर 59,388.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 126.60 अंक टूटकर 17,138.55 पर रहा था।

सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, सनफार्मा, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, टीसीएस, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल के शेयर लाभ में रहे जबकि ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, बीईएल, टाइटन, एशियन पेंट्स और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरे

इससे पहले आज सुबह बाजार लगभग सपाट रुख के साथ खुले। डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार जारी कमजोरी ने निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक असर डाला। सेंसेक्स 84,856 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 169.35 अंक की बढ़त के साथ 84,849.21 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी भी 25,902 अंक पर सपाट खुलने के बाद यह 54.15 अंक की मजबूती के साथ 25,920 पर करोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों में बुधवार को ज्यादातर कमजोरी देखने को मिली। जापान से आए नए व्यापार आंकड़ों के बाद निक्केई 225 में 0.14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 भी 0.21 फीसदी फिसला, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी क्षेत्रीय रुझान के उलट 0.5 फीसदी उछला। अमेरिकी बाजारों में भी मिला-जुला रुख रहा। एसएंडपी गिरावट के साथ 0.24 फीसदी नीचे बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट 0.23 फीसदी बढ़ा, जबकि डॉव जोंस 0.62फीसदीगिरा।

रुपए में तेज गिरावट बुनियादी आर्थिक चिंता का संकेत नहीं: अर्थशास्त्री

जून 2027 तक 92 प्रति डॉलर तक कमजोर होने की संभावना

नई दिल्ली

डॉलर के मुकाबले रुपये में हालिया तेज गिरावट बुनियादी आर्थिक चिंता का संकेत नहीं है, यह बात एक अर्थशास्त्री द्वारा कही गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) केवल तभी विनिमय दर में हस्तक्षेप करेगा जब गिरावट सहनीय स्तर से आगे बढ़े। मंगलवार को रुपया 91 के स्तर को पार कर गया और लगातार चार सत्रों में नए निचले स्तर पर आया। रिपोर्ट में बताया गया है कि जून 2026 तक रुपये का औसत स्तर लगभग 90 प्रति डॉलर रहने की उम्मीद है और जून 2027 तक यह कमजोर होकर 92 प्रति डॉलर तक जा सकता है। गिरावट की गति मुख्य रूप से पूंजी प्रवाह और वैश्विक जोखिम-लेने की क्षमता पर निर्भर करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि आरबीआई विदेशी मुद्रा भंडार बनाने के लिए अतिरिक्त पूंजी को अवशोषित कर सकता है और विनिमय दर व्यवस्था में बदलाव धीरे-धीरे ही किया जाएगा। 2022 में डॉलर के मुकाबले रुपया 11.4 फीसदी गिर गया था, जिसके बाद आरबीआई ने लचीली विनिमय दर के तहत धीरे-धीरे हस्तक्षेप कर उतार-चढ़ाव को सीमित किया। हालांकि, 2024 के अंत में अधिक हस्तक्षेप के कारण विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 88 अरब डॉलर की गिरावट आई, जिससे रुपये का स्तर 90 पार हो गया। उन्होंने ने कहा कि आरबीआई मौजूदा चक्र में ब्याज दर में और कटौती नहीं करेगा, क्योंकि महंगाई दर अपेक्षाकृत अधिक रहने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में महंगाई लगभग 4 फीसदी रहने की उम्मीद है।

सरकार करेगी इंडियन ओवरसीज बैंक के तीन फीसदी शेयरों का विनिवेश

गैर-खुदरा निवेशकों के लिए सार्वजनिक बिक्री प्रारंभ

नई दिल्ली इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) की सार्वजनिक बिक्री (ओएफएस) गैर-खुदरा निवेशकों के लिए बुधवार से शुरू हो गई है। सरकार अपनी तीन फीसदी हिस्सेदारी बेचने जा रही है। इसके तहत 2 फीसदी हिस्सेदारी यानी 38.51 करोड़ शेयर मूल पेशकश में बेचे जाएंगे, जबकि 1 फीसदी हिस्सेदारी यानी 19.25 करोड़ शेयर 'ग्रीन शू' विकल्प के तहत बेचे जा सकते हैं। इस कदम से सरकार लगभग 1,960 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रख रही है। खुदरा निवेशकों के लिए ओएफएस गुरुवार से खुलेगा। प्रत्येक शेयर का न्यूनतम मूल्य 34 रुपए तय किया गया है। मंगलवार को आईओबी का शेयर बाजार में 36.57 रुपए पर बंद हुआ था। ओएफएस में 1.5 लाख शेयर कर्मचारियों के लिए आरक्षित किए गए हैं। पात्र कर्मचारी अधिकतम 5 लाख रुपए तक के शेयरों के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह सुविधा कर्मचारियों को बैंक की हिस्सेदारी में प्रत्यक्ष भागीदारी का अवसर देती है। इंडियन ओवरसीज बैंक में वर्तमान में सरकार की हिस्सेदारी 94.61 फीसदी है। यह विनिवेश न्यूनतम सार्वजनिक हिस्सेदारी नियम के अनुरूप किया जा रहा है, जिसके तहत सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम 25 फीसदी हिस्सेदारी आम जनता के पास होनी चाहिए।

वैश्विक व्यापार में शुल्क का हथियार के रूप में बढ़ता प्रयोग, भारत सतर्क रहे: वित्त मंत्री

केवल शुल्क से निपटना पर्याप्त नहीं है; भारत को अपनी आर्थिक मजबूती के बल पर लाभ लेना चाहिए

नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि वर्तमान में वैश्विक व्यापार स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं रह गया है। उन्होंने बुधवार को आयोजित भारत आर्थिक सम्मेलन में यह स्पष्ट किया कि कई देश शुल्क और अन्य उपायों का उपयोग व्यापार को हथियार बनाने के लिए कर रहे हैं। उनका कहना था कि केवल शुल्क के जरिए स्थिति को संभालना पर्याप्त नहीं है। सीतारमण ने जोर देकर कहा कि भारत ने कभी भी शुल्क का इस्तेमाल आक्रामक हथियार के रूप में नहीं किया। भारत का उद्देश्य अपने घरेलू उद्योगों की रक्षा करना है, ताकि वे सस्ते या अत्यधिक माल से प्रभावित न हों। उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक मजबूती ही भारत को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अतिरिक्त लाभ दे सकती है। मंत्री ने अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क और मैक्सिको की नई घोषणा का उदाहरण दिया, जिससे स्पष्ट होता है कि कुछ देश अपने हितों के लिए शुल्क का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले कहा जाता था कि शुल्क उचित नहीं है, लेकिन अब नए तरीके से शुल्क बाधाएँ बनाना आम हो गया है। सीतारमण ने व्यापारिक बातचीत में भारत को सतर्क रहने की जरूरत पर जोर दिया।

उनका मानना है कि सिर्फ शुल्क नीति पर्याप्त नहीं है, बल्कि मजबूत आर्थिक स्थिति और सतर्क कूटनीति ही भारत को वैश्विक व्यापार में सुरक्षित और लाभकारी बनाएगी।

वनस्पति तेल आयात में भारी गिरावट, रिफाइंड पामोलीन अधिक प्रभावित

नवंबर में कुल 11.83 लाख टन वनस्पति तेलों का आयात हुआ

नई दिल्ली

तेल वर्ष 2025-26 की शुरुआत (नवंबर 2025) भारत में वनस्पति तेल आयात के लिहाज से कमजोर रही। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में कुल 11.83 लाख टन वनस्पति तेलों का आयात हुआ। इसमें करीब 11.50 लाख टन खाद्य तेल और 33 हजार टन गैर-खाद्य तेल शामिल थे। यह पिछले वर्ष के समान महीने में 16.50 लाख टन आयात के मुकाबले लगभग 28 प्रतिशत कम है। अक्टूबर 2025 में आयात 13.32 लाख टन था, जबकि नवंबर में यह 11.83 लाख टन रह गया, यानी मासिक आधार पर लगभग 11 प्रतिशत की गिरावट। रिफाइंड पामोलीन (आरबीडी पामोलिन) का आयात सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। नवंबर में केवल 3,500 टन आयात हुआ, जबकि पिछले साल यह 2.85 लाख टन था। विशेषज्ञों का मानना है कि क्रूड पाम तेल और आरबीडी पामोलीन के बीच बढ़े आयात शुल्क अंतर (8.25 से 19.25 फीसदी मई 2025 से) का सीधा असर पड़ा। जुलाई से ही इसके आयात में गिरावट देखी जा रही थी, जो नवंबर में और स्पष्ट हो गई। कच्चे सोया तेल का आयात 3.70 लाख टन पर आ गया, सालाना 9 प्रतिशत कम। कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात लगभग 1.43 लाख टन रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 58 प्रतिशत कम है।

इंडिगो संकट: कुप्रबंधन, नए नियम और ठप हुआ देश का विमानन नेटवर्क

▶▶ नवंबर महीने में ही इंडिगो ने 950 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी थीं

नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में आया विमानन संकट अचानक नहीं था, बल्कि इसके संकेत नवंबर में ही दिखने लगे थे। 1 नवंबर से पायलटों के लिए अधिक आराम समय से जुड़े नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम लागू होने के बाद नवंबर महीने में ही इंडिगो ने 950 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी थीं। इसके बावजूद एयरलाइन ने न तो स्थिति की गंभीरता को स्वीकार किया और न ही यात्रियों के लिए कोई ठोस वैकल्पिक योजना बनाई। 1 दिसंबर को इंडिगो के वरिष्ठ अधिकारियों ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के शीर्ष अधिकारियों से नए नियमों पर स्पष्टता के लिए मुलाकात की। इस बैठक में ऐसा कोई संकेत नहीं दिया गया कि एयरलाइन गंभीर परिचालन संकट की ओर बढ़ रही है। दो दिन बाद ही 65 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रखने वाली इंडिगो की उड़ानों की बड़े पैमाने पर रद्दीकरण शुरू हो गई। दिसंबर के पहले कुछ दिनों में देशभर के एयरपोर्ट्स पर 5,500 से ज्यादा इंडिगो उड़ानें रद्द हुईं, जिससे 6 लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए। इसे भारत के इतिहास का सबसे बड़ा घरेलू विमानन संकट माना जा रहा है। इसके बाद सरकार और एयरलाइन के बीच दोषारोपण शुरू हो गया। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने डीजीसीए का बचाव करते हुए संकट के लिए इंडिगो के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने यात्रियों को पूरा रिफंड देने के निर्देश दिए और चार-सदस्यीय समिति से जांच कराने की घोषणा की। विशेषज्ञों के अनुसार इंडिगो ने सर्दियों के शेड्यूल में आक्रामक विस्तार किया। उसे घरेलू उड़ानों में पिछले सर्दियों की तुलना में 9.6 प्रतिशत अधिक अनुमति मिली, जबकि अन्य एयरलाइनों ने क्षमता घटाई। यही असंतुलन इस बड़े संकट की मुख्य वजह बना।

30 हजार यूनिट्स बिक चुकी नई एसयूवी विक्टोरिस की

नई दिल्ली

महज तीन महीनों में ही मारुति सुजुकी की नई कॉम्पैक्ट एसयूवी विक्टोरिस को 30 हजार से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी है, जो इस सेगमेंट में इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। खास बात यह है कि ग्रैंड विटारा के प्लेटफॉर्म पर बनी होने के बावजूद विक्टोरिस ने बिक्री के मामले में उसी को पीछे छोड़ दिया है।

नवंबर महीने में यह एसयूवी किआ सोनेट, हुंडई वेन्यू, महिंद्रा थार, बोलेरो, एक्सयूवी 3एक्सओ, टोयोटा हाइराइडर, किआ सेल्टोस और एक्सयूवी 700 जैसी गाड़ियों से आगे निकल गई। विक्टोरिस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.50 लाख रुपये रखी गई है, जो इसे मिडिल क्लास खरीदारों के लिए आकर्षक बनाती है।इसमें तीन इंजन विकल्प मिलते हैं। पहला 1.5 लीटर माइल्ड हाइब्रिड पेट्रोल इंजन है, जो 103 हॉर्सपावर देता है।

दूसरा 1.5 लीटर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन है, जो 116 हॉर्सपावर की ताकत के साथ शानदार माइलेज का दावा करता है। तीसरा विकल्प 1.5 लीटर पेट्रोल-सीएनजी इंजन का है। 10.25 इंच का टचस्क्रीन, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड सीटें और कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी जैसे फीचर्स इसे प्रीमियम बनाते हैं।

सेफ्टी के लिहाज से इसमें 6 एयरबैग, अडास लेवल-2, 360 डिग्री कैमरा और 5-स्टार भारत एनकैप रेटिंग दी गई है। इन्हीं खूबियों के चलते विक्टोरिस तेजी से ग्राहकों की पहली पसंद बनती जा रही है। ट्रांसमिशन के लिए मैनुअल, ऑटोमैटिक और ई-सीवीटी के विकल्प दिए गए हैं, वहीं ऑल-व्हील ड्राइव का ऑप्शन भी मौजूद है। डिजाइन के मामले में विक्टोरिस नई और मॉडर्न नजर आती है। इसका एक्सटीरियर बोल्ड है, जबकि इंटीरियर पूरी तरह टेक्नोलॉजी पर आधारित है।

अमीरी की जीवनशैली, प्रदूषण का बोझ और गरीब की त्रासदी

ललित गर्ग

वायु प्रदूषण एक सामूहिक अपराध बन गया है जिसमें अपराधी कम और पीड़ित अधिक है। अब यह वक्त है जब विकास की परिभाषा में स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण को सबसे ऊपर रखा जाए। सरकारें यदि सचमुच राष्ट्र की समृद्धि चाहती हैं, नया भारत-विकसित भारत बनाना चाहती है तो उन्हें सांसों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। अमीर तबके को भी यह समझना होगा कि जिस हवा को वे अपने निवेशों से दूषित कर रहे हैं, वह अंततः उन्हीं की अगली पीढ़ियों की सांसों को रोक देगी। वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण को लेकर किसी किस्म की उदासीनता देश और मानवता के साथ अन्याय होगा।

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली आज जिस घातक पर्यावरण संकट से गुजर रही है, वह केवल एक शहर की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश के लिये चेतावनी है। विडंबना यह है कि इस संकट के नाम पर जो तात्कालिक उपाय लागू किए जाते हैं, उनका सबसे बड़ा खामियाजा वही तबका भुगतता है, जिसकी इसमें सबसे कम भूमिका होती है-गरीब और श्रमिक वर्ग। इसी पीड़ा को शब्द देते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि अमीरों की जीवनशैली से पैदा हुई मुश्किलों का सामना गरीबों को करना पड़ता है। यह टिप्पणी न केवल कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और नैतिक चेतना को झकझोरने वाली भी है। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने यह मर्मस्पर्शी टिप्पणी की। वरिष्ठ अधिवक्ता और न्यायमित्र अपराजिता सिंह की दलीलों पर गौर करते हुए अदालत ने स्पष्ट कहा कि ग्रैप-4 जैसी सख्त पाबंदियों का सबसे ज्यादा असर गरीबों पर पड़ता है। निर्माण कार्य रुकते हैं, दिहाड़ी मजदूरों की रोजी-रोटी ठप हो जाती है, जबकि प्रदूषण पैदा करने वाली जीवनशैली में शामिल संपन्न तबके पर अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ता। मुख्य न्यायाधीश ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या की जड़ अमीरों की जीवनशैली है और समाधान भी वहीं से शुरू होना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अदालत ऐसे प्रभावी और लागू करने योग्य आदेश पारित करेगी, जिन्हें जरूरत पड़ने पर सख्ती से लागू भी किया जा सकेगा।

जस्टिस सूर्यकांत का कहना था कि महानगरों में लोगों की अपनी अलग जीवनशैली होती है, जिन्हें वे बदलना नहीं चाहते। यही वजह है कि समस्या अमीरी की वजह से होती है, लेकिन झेलना गरीब को पड़ता है। दरअसल, अदालत की सोच रही है कि हमारा परिवेश-पर्यावरण साफ-सुथरा रहे, इसके लिये हम सबको अपने कुछ सुखों का त्याग करना होगा, अपने जीवन को पर्यावरण के अनुकूल ढालना होगा एवं प्रकृति-एवं पर्यावरण के प्रति सकारात्मक रवैया अपना होगा। यह जानते हुए कि पर्यावरण पर आने वाले संकट व प्रदूषित हवा का अमीर-गरीब पर समान असर पड़ता है फिर भी अमीर लोग इससे बेपरवाह रहते हैं। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने समाज की दुखती रग पर हाथ रखा है। चौड़ी होती सड़कें, नए फ्लाईओवर और हाईवे बनने के बावजूद जाम और प्रदूषण कम नहीं हो रहे। कारण साफ है निजी वाहनों का बेहिसाब इस्तेमाल। एक व्यक्ति, एक कार का चलन न केवल सड़क की जगह घेरता है,

बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कई गुना बढ़ाता है। कभी ऑड-इवन जैसी योजनाओं पर चर्चा हुई, कार-पूलिंग की बात चली, लेकिन सार्वजनिक परिवहन को सस्ता, सुगम और भरोसेमंद बनाने की इच्छाशक्ति लगातार कमजोर रही। आज एसी, कूलर और अन्य वातानुकूलन साधनों का बढ़ता उपयोग भी पर्यावरण संकट को गहराता जा रहा है। इससे बिजली की खपत बढ़ती है, तापमान में वृद्धि होती है और अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण का दायरा फैलता है। उद्योगों में भी पर्यावरणीय नियमों का ईमानदार पालन नहीं होता। जल संकट इसका एक और क्रूर उदाहरण है-जहां झुग्गी-बस्तियों में पीने के पानी की किल्लत है, वहीं पॉश कॉलोनियों में लॉन सींचे जाते हैं, कारें धुलती हैं और स्विमिंग पूल भरे रहते हैं। कुदरत ने हवा, पानी और संसाधन सभी के लिये दिए हैं, लेकिन अमीरी के असमान दखल ने इनके वितरण को अन्यायपूर्ण बना दिया है। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप तो करते हैं, लेकिन ठोस और दीर्घकालिक समाधान सामने नहीं आते।

अब समय आ गया है कि सरकार और जनता-दोनों अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएं। सरकार को सार्वजनिक परिवहन को मजबूत, सस्ता और आकर्षक बनाना होगा, उद्योगों पर पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन कराना होगा और शहरी विकास की नीतियों को पर्यावरण-संवेदनशील बनाना होगा। वहीं जनता को भी अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा-अनावश्यक वाहन उपयोग से बचना, ऊर्जा की खपत कम करना, एसी और अन्य सुविधाओं का संयमित इस्तेमाल करना और साझा संसाधनों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाना होगा। विडंबना यह है कि सत्ताधीशों ने दिल्ली में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को सशक्त करने को प्राथमिकता नहीं दी। यदि सार्वजनिक परिवहन सस्ता व सहज उपलब्ध होता तो शायद सड़कों पर कारों का दबाव कम होता। हाल के दिनों में संपन्न व मध्यम वर्ग में एसी व अन्य वातानुकूलन उपायों के उपयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। इससे जहां प्रदूषण बढ़ाने वाली बिजली की खपत बढ़ी है, वहीं बाहर का तापमान व कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ा है। इसी तरह तमाम अमीरों द्वारा संचालित उद्योगों में उन उपायों का ईमानदारी से पालन नहीं किया गया जो पर्यावरण में प्रदूषण कम करने में सहायक होते हैं।

सरकारों की नीतिगत विफलता इस बढ़ते वायु प्रदूषण की त्रासदी का बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए योजनाएं तो बनती हैं, पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है। हर साल सर्दियों में दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब कुछ दिन के लिए आपात कदम उठाए जाते हैं, पर जैसे ही धुंध छंटती है, सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नीतियों में पारदर्शिता का अभाव और उद्योगपतियों का दबाव भी एक गहरी समस्या है। कोयला आधारित उद्योगों, पेट्रोलियम कंपनियों और निर्माण व्यवसाय से जुड़ी लॉबी सरकारों पर ऐसा प्रभाव बनाए रखती हैं कि कठोर कदम उठाना राजनीतिक दृष्टि से असुविधाजनक बन जाता है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को हमेशा महंगा विकल्प बताकर टाला जाता है, जबकि वास्तव में यह निवेश मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा में है।

वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असंवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में भी दिखाई देता है। अब समय है कि इस संकट को केवल पर्यावरणीय मुद्दा न मानकर एक सामाजिक और नैतिक चुनौती के रूप में देखा जाए। हवा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार धीरे-धीरे छिनता जा रहा है। अमीरों को अपनी जीवनशैली में संयम लाना होगा, अपने निवेशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर मोड़ना होगा, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से दूरी बनानी होगी। सरकारों को सख्त नीति बनानी चाहिए, जो न केवल प्रदूषण फैलाने वालों को दंडित करे बल्कि स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाने वालों को प्रोत्साहन दे।

वायु प्रदूषण एक सामूहिक अपराध बन गया है जिसमें अपराधी कम और पीड़ित अधिक हैं। अब यह वक्त है जब विकास की परिभाषा में स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण को सबसे ऊपर रखा जाए। सरकारें यदि सचमुच राष्ट्र की समृद्धि चाहती हैं, नया भारत-विकसित भारत बनाना चाहती है तो उन्हें सांसों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। अमीर तबके को भी यह समझना होगा कि जिस हवा को वे अपने निवेशों से दूषित कर रहे हैं, वह अंततः उन्हीं की अगली पीढ़ियों की सांसों को रोक देगी। वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण को लेकर किसी किस्म की उदासीनता देश और मानवता के साथ अन्याय होगा। अमीरी होना कोई अपराध नहीं, लेकिन अमीरी की कीमत अगर गरीब चुकाए, तो वह सभ्य समाज की हार है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी और सोच हमें यही संदेश देती है कि स्वच्छ पर्यावरण के लिये कुछ सुखों का त्याग अनिवार्य है। यदि आज हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं, तो आने वाली पीढ़ियों को हम केवल प्रदूषित हवा, सूखते जलस्रोत और असमानता की विरासत ही सौंप पाएंगे।

संपादकीय

इंडिगो प्रकरण में केंद्र असहाय

क्रोनी कैपिटलिज्म में राजसत्ता पसंदीदा पूंजीपतियों को अनुचित लाभ पहुंचाती है। यह लाभ पाने के लिए पूंजीपति सत्ताधारियों को प्रसन्न रखने की कोशिश करते हैं। जबकि इंडिगो प्रकरण में केंद्र असहाय नजर आया और आखिरकार उसने घुटने टेक दिए। इंडिगो एयरलाइन्स के मामले ने बताया है कि भारत में सरकार और उपभोक्ता दोनों कॉरपोरेट्स- खासकर मोनोपॉली कायम कर चुकी कंपनियों के आगे असहाय हैं। इस प्रकरण का संदेश है कि क्रोनी कैपिटलिज्म जैसी बातें पुरानी पड़ चुकी हैं। क्रोनी कैपिटलिज्म में फिर भी शक्ति प्रमुख रूप से राजसत्ता के पास ही होती है, जो अपने पसंदीदा पूंजीपतियों को अनुचित लाभ पहुंचाती है। यह लाभ पाने के लिए पूंजीपति सत्ताधारियों को प्रसन्न रखने की कोशिश में जुटे रहते हैं। जबकि इंडिगो प्रकरण में केंद्र असहाय नजर आया और आखिरकार उसने घुटने टेक दिए। घटनाक्रम पर ध्यान दीजिए: उड़ान को सुरक्षित बनाने के लिए भारत सरकार ने नियम जारी किए। इंडिगो एयरलाइन्स को वे नियम पसंद नहीं आए, क्योंकि उससे उड़ान संचालन की लागत बढ़ने वाली थी। उसने उन नियमों पर आपत्ति जताई, मगर सरकार ने उसे नजरअंदाज किया। इस बीच इंडिगो टिकट बुकिंग करती रही। उड़ानों को रद्द करने की पूर्व चेतावनी उसने जारी नहीं की। और अचानक रद्द करना शुरू कर दिया। उसे अंदाजा जरूर रहा होगा कि ऐसा होने पर खूब शोर-शराबा होगा- आखिर विमान यात्रा करने वाले लोग प्रभु वर्ग आते हैं, जिनकी नाराजगी सरकार मोल नहीं ले सकती। आखिरकार सरकार को अपने दिशा-निर्देश वापस लेने पड़े। इंडिगो ने बुकिंग महीनों पहले की थी। उस रकम पर उसने ब्याज कमाया। रिफंड उड़ान रद्द होने के बाद किए गए। तो नुकसान में यात्री रहे। मगर इंडिगो के फ्रंट ऑफिस में मौजूद कर्मचारियों पर भड़कने के अलावा कुछ और करना उनके वश में नजर नहीं आया। नए नियम क्या थे? यही कि पायलटों से आठ घंटे काम लिया जाए और उन्हें पर्याप्त छुट्टी दी जाए। इंडिगो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन है, लेकिन प्रति विमान उपलब्ध पायलटों की संख्या के लिहाज से (प्रति विमान 13) वह पांचवें नंबर आती है। उसके कर्मचारी काम के कैसे बोझ में रहते होंगे, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। स्वाभाविक है कि पायलट एसोसिएशन ने नियम वापस लेने के सरकार के फैसले का विरोध किया है। मगर मोनोपॉली व्यवस्था में जब सरकार अपनी नहीं मनवा सकती, तो कर्मचारी या उपभोक्ता क्या सोचते हैं- इसे कौन पूछता है?

चिंतन-मनन

अनुशासन का पाठ

गुरु अंबुजानंद के पास अनेक शिष्य शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। उनका आश्रम लंबे समय से चल रहा था। अब चूंकि अंबुजानंद काफी वृद्ध हो गए थे, गुरुकुल चलाना उनके लिए कठिन हो रहा था। वह अपने शिष्यों में से ही किसी एक को गुरुकुल का सारा कार्यभार सौंपना चाहते थे। एक दिन उन्होंने अपने 18 श्रेष्ठ विद्यार्थियों को अपने पास बुलाया। उन्होंने उनसे कहा, आप सभी प्रतिभाशाली, मेहनती और ईमानदार हैं। यदि मैं आपको शिक्षा के लिए किसी विशेष क्षेत्र में नियुक्त करना चाहूं तो आप कौन-कौन से क्षेत्र को चुनना चाहेंगे?

यह सुनकर सभी शिष्य कुछ देर सोचते रहे और फिर 17 विद्यार्थियों ने अपने-अपने मनपसंद क्षेत्रों के नाम गुरु को बता दिए। अठारहवां शिष्य आयुष अभी तक कुछ सोच ही रहा था। उसे चुप देखकर गुरु ने पूछा, बेटा आयुष, तुमने अपने लिए किसी क्षेत्र का चुनाव नहीं किया? गुरु की बात सुनकर आयुष ने सिर झुकाकर कहा, गुरुजी, मैंने आपसे ही शिक्षा ग्रहण की है। मैं आपके द्वारा सीखी गई शिक्षा को जन-जन तक फैलाना चाहता हूं। इसके लिए मुझे किसी क्षेत्र विशेष का चुनाव करने की आवश्यकता नहीं है। मैं हर क्षेत्र में आपके द्वारा प्रदान की गई शिक्षाओं को दूसरों तक पहुंचाना चाहूंगा। हालांकि क्षेत्र से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है आपके दिए गए मूल्य या संस्कार का प्रसार, जो शस्त्रों से अलग है। मैं चाहता हूं कि लोग उसे जानें ताकि वे नैतिक दृष्टि से भी श्रेष्ठ हों। मात्र पुस्तकीय ज्ञान से कुछ नहीं होने वाला है। आपने जो अनुशासन का पाठ हमें पढ़ाया है, उसे तो मैं विशेष रूप से सिखाना चाहूंगा। ज्ञान पाने के लिए व्यक्तित्व को एक खास सांचे में ढालना पड़ता है। आपने जिस तरह हमें ढाला है, मैं भी दूसरों को ढालना चाहूंगा। आयुष की बात सुनकर गुरु अंबुजानंद का चेहरा प्रसन्नता से खिल उठा। उन्होंने उसे गले से लगाकर कहा, बेटा, आज से यह गुरुकुल तुम्हारी देखरेख में ही चलेगा।

पहलगाम के बाद सिडनी इस जहरीली कट्टरपंथी सोच के खात्मे की जरूरत

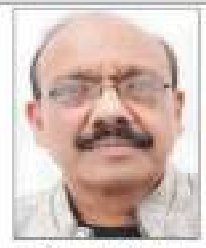

मनोज कुमार अग्रवाल

पहले पहलगाम में धर्म पूछ कर निरीह हिन्दु पर्यटकों का कत्लेआम और अब सिडनी के बीच पर यहूदियों का खून खराबा आखिर यह कौन सी खून की प्यास है और यह कब और कैसे बुझेगी? आपको बता दें कि आस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉडी बीच पर बीते रविवार 14 दिसंबर को यहूदी पर्व हनुका के दौरान दो आतंकियों ने अंधी गोलीबारी कर निर्ममता भरा कत्लेआम किया , जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 10 साल की बच्ची भी शामिल है, वहीं करीब 50 लोग घायल हुए हैं। दोनों आतंकी जिस तरह खुशियां मनाते लोगों पर बेरहमी से गोलियां चलाने लगे, उसने पहलगाम आतंकी हमले की खौफनाक याद दिला दी। बॉडी बीच पर दोनों आतंकियों के गोलियां बरसाते वीडियो सामने आए हैं। जिस अंदाज से उन्होंने इस हमले को अंजाम दिया है, उससे अनुमान लगता है कि उनके पास न केवल अत्याधुनिक हथियार थे, बल्कि उन्हें चलाने का बाकायदा प्रशिक्षण भी उन्हें मिला है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गोलीबारी के बाद पास की एक सड़क पर एक कार से कई इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस यानि विस्फोटक बरामद किए गए, यानी हमले की साजिश इससे कहीं ज्यादा तबाही फैलाने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मारने की थी। आपको बता दें कि आतंकियों का मंसूबा और अधिक खून खराबा करने का रहा होगा जो पूरा नहीं हो सका। एक आतंकी तो पुलिस की गोली से घटनास्थल पर ही मारा गया, जबकि दूसरा अभी घायल है। पुलिस के मुताबिक दोनों आतंकी बाप-बेटे थे। उनके नाम साजिद और नवीद अकरम बताए गए हैं। खबर है कि मूल रूप से ये दोनों पाकिस्तान के थे। भारत के बाद अब आस्ट्रेलिया हमले में भी पाकिस्तान का नाम आने के बाद शाहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रमुख असीम मुनीर की चुनौतियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि अब इस घटनाक्रम में ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ इजरायल भी जुड़ चुका है, यानी परोक्ष तौर पर अमेरिका भी जुड़ा ही हुआ है। पता हो कि यह हमला यहूदियों पर हुआ है, इसलिए इजरायल की स्वाभाविकतौर पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इसे यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया आतंकवादी हमला करार दिया है, यानी आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी माहौल बन रहा है, इसे सरकार ने भी मान लिया है। बता दें कि बॉडी बीच इलाका, ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े यहूदी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है, जहां करीब 40,000 यहूदी रहते हैं। हनुक्का उत्सव के पहले दिन आयोजित इस समुद्र-तटीय कार्यक्रम में करीब 1,000 लोग मौजूद थे। यानी आतंकी जानते थे कि किस वक्त हमला करके सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता है। शांति और खुशी के माहौल में त्योहार मना रहे लोगों से किसी को क्या दिक्कत हो सकती है? लेकिन नस्ल और धर्म आधारित नफरत के शैतान हमेशा इंसानियत के कत्ल से अपनी खूनी प्यास मिटाने की जुर्रत करते हैं यह हमला पहलगाम की पुनरावृत्ति मालूम पड़ रहा है इस हमले के वीडियो देखकर पहलगाम हमले की यादें ताजा हो जाती हैं। वहां भी आम लोग छुट्टियों का आनंद ले रहे थे, बॉडी बीच पर भी लोग छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे थे। पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म पूछकर गोलियां बरसाई थीं, बॉडी बीच पर अंधाधुंध गोलियां बरसाई, क्योंकि पहले से पता था कि ये यहूदी हैं, जो हनुका त्योहार मनाने के लिए इकट्ठे हुए हैं। हंसी-खुशी का माहौल मातम में बदल गया। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्टों में एक हमलावर का नाम (पाकिस्तानी मूल का) नवीद अकरम बताया जा रहा है। इस बात का पहले से ही शक था। यूं तो ऑस्ट्रेलिया काफी शांत और सुरक्षित देश माना जाता है, लेकिन इसकी सरकारों ने पिछले तीन दशकों में प्रवासियों के मामले में जो उदारता दिखाई, अब उसके फल मिलने लगे हैं। इस देश को श्रम शक्ति बढ़ाने के लिए लोगों की जरूरत थी। ऑस्ट्रेलियाई सरकारों ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, बांग्लादेश, सीरिया, लीबिया जैसे देशों के नागरिकों के लिए अपने दरवाजे खोले थे। यह गलत नहीं है, लेकिन जिन लोगों को बुलाया गया, उनकी जांच-पड़ताल करनी चाहिए थी। ऑस्ट्रेलिया में कई इलाके ऐसे हैं, जहां पाकिस्तानी बड़ी तादाद में रहते हैं। अक्सर स्थानीय लोग शिकायत करते हैं कि ये हमेशा असंतुष्ट रहते हैं, ज्यादा से ज्यादा अधिकारों की मांग करते हैं, खुद नियम-कानूनों की धज्जियां उड़ाते हैं, गंदगी फैलाते हैं और अपनी मर्जी चलाने की कोशिश करते हैं। स्पष्ट कर दें कि ऑस्ट्रेलिया में लोग चिंता जता चुके हैं कि देश में कट्टरपंथ बढ़ता जा रहा है और सरकार को कोई परवाह नहीं है। बॉडी बीच हमले के बाद एजेंसियां जांच में जुटी हैं। अगर इस घटना के पीछे पाकिस्तानियों का पूरा नेटवर्क निकल आए तो इस पर किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इस बात को समझने की जरूरत है कि पाकिस्तान में यहूदियों से बहुत ज्यादा घृणा की जाती है। वहां कट्टरपंथी उपदेशक यहूदियों के खिलाफ आग उगलते रहते हैं। ऐसा ही भारत में होता रहा है यहां भी मजहबी उपदेशक अपनी कट्टरपंथी मजहबी सोच को अशिक्षित अनुयायी लोगों के जहन को जहरीला बनाने के लिए बड़े पैमाने पर सक्रिय हैं। इससे आम लोगों की सोच प्रभावित हो रही है। जब बॉडी बीच हमले की खबरें पाकिस्तानी चैनलों के सोशल मीडिया पेजों पर प्रसारित हुई तो टिप्पणियों में कई पाकिस्तानी नागरिक खुशियां मना रहे थे। वे इसे गाजा, फिलिस्तीन, लेबनान, ईरान से जोड़कर देख रहे थे। आम लोगों की हत्याओं पर कोई व्यक्ति खुशी कैसे मना सकता है? इससे उसकी कैसी मानसिकता झलकती है? पहलगाम हमले के बाद भी पाकिस्तानी नागरिक खबरों पर ऐसी ही प्रतिक्रिया दे रहे थे।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया चुनाव 2025- 'हार की जीत' – एक स्वतंत्र पत्रकार की कारुणिक लेकिन साहसिक कथा

विनोद कुमार सिंह

लोकतंत्र केवल जीत का उत्सव नहीं होता। वह हार के आत्ममंथन, विवेक के परीक्षण और चरित्र की कसौटी का भी नाम है। चुनावी राजनीति में हार को प्रायः पराजय के रूप में देखा जाता है, किंतु जब वह हार सत्य, साहस और ईमानदार संघर्ष के साथ आती है, तब वह केवल परिणाम नहीं रहती, बल्कि एक वैचारिक विजय में रूपांतरित हो जाती है। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के वर्ष 2025 के चुनाव में कार्यकारिणी सदस्य पद पर लगातार दूसरी बार मिली पराजय मेरे लिए भी ऐसी ही एक 'हार की जीत' है।

यह आलेख किसी व्यक्तिगत पीड़ा की अभिव्यक्ति भर नहीं है। यह उस संस्थागत यथार्थ का दस्तावेज है, जहाँ लोकतांत्रिक प्रक्रियाएँ तो विद्यमान हैं, किंतु सत्ता का हस्तांतरण लगभग असंभव होता जा रहा है। यह कथा एक स्वतंत्र पत्रकार की है, जो बिना किसी पैनल, बिना संसाधन, बिना सत्ता-समर्थन के, केवल विचार, विवेक और आत्मबल के सहारे मैदान में उतरा। परिणाम पराजय का रहा, पर आत्मा ने हार स्वीकार नहीं की।प्रेस क्लब ऑफ इंडिया कभी स्वतंत्र पत्रकारिता की चेतना, संवाद और असहमति का जीवंत प्रतीक रहा है। यह वह मंच था जहाँ विचार टकराते थे, प्रश्न उठते थे और सत्ता से निर्भीक संवाद होता था। किंतु बीते वर्षों में यह संस्था धीरे-धीरे एक सीमित दायरे में सिमटती दिखाई देने लगी है। लगातार ग्यारह वर्षों से एक ही सत्तारूढ़ पैनल का सत्ता में बने रहना किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि एक सुसंगठित व्यवस्था का संकेत है। चुनाव होते हैं, मतदान होता है, लेकिन सत्ता का चरित्र लगभग अपरिवर्तित रहता है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक संस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इस पूरे परिदृश्य में विपक्ष लगभग अनुपस्थित दिखाई देता है। न कोई सशक्त वैचारिक मंच, न साझा एजेंडा,न दीर्घकालिक रणनीति। स्वतंत्र उम्मीदवार बिखरे हुए हैं, संसाधनहीन हैं और आपसी समन्वय के अभाव में एक-दूसरे के पूरक बनने के बजाय प्रतिस्पर्धी बन जाते हैं। परिणामस्वरूप वोटों का विभाजन होता है और सत्तारूढ़ पैनल पहले से अधिक मजबूती के साथ लौट आता है। इस अर्थ में यह हार किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि सामूहिक रणनीतिक विफलता की भी कहानी है।वर्ष 2025 के चुनाव में कुल 1268 मत पड़े,जिनमें से 1227 मत वैध घोषित किए गए। इस व्यापक मतदान के बीच मुझे केवल 291 मत प्राप्त हुए। कागज पर यह संख्या छोटी प्रतीत हो सकती है, किंतु मेरे लिए वह मात्र एक अंक नहीं थी। वे 291 मत 291 विवेकपूर्ण निर्णय थे, 291 चेहरे थे, 291 ऐसी आवाजें थीं जिन्होंने भय, प्रलोभन और सत्ता के दबाव से ऊपर उठकर स्वतंत्र सोच का साथ दिया। जब परिणाम लगभग पूर्वनिर्धारित हो, तब 291 मत भी एक प्रतिरोध का स्वर बन जाते हैं।

यह मेरी लगातार दूसरी पराजय है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि ऐसा क्यों हुआ। उत्तर सरल नहीं, किंतु स्पष्ट अवश्य है। पहला कारण यह कि मैं किसी पैनल का हिस्सा नहीं था। दूसरा यह कि मेरे पास न तो संस्थागत संसाधन थे और न ही संगठित प्रचार तंत्र। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण कारण यह कि मैंने समझौतावादी राजनीति को अस्वीकार किया। मैंने वादों और सौदों की राजनीति नहीं की। मैंने केवल मुद्दों की बात की–पत्रकारों की सुरक्षा,स्वास्थ्य सुविधाएँ, आवास,स्वतंत्र पत्रकारों की पहचान और प्रेस क्लब को सत्ता-केंद्र के बजाय संवाद-केंद्र बनाने की आवश्यकता।दुर्भाग्यवश आज के समय में मुद्दों की राजनीति अक्सर प्रबंधन और नेटवर्क की राजनीति से हार जाती है।यह स्वीकार करना होगा कि सत्तारूढ़ पैनल संगठित है, अनुशासित है और वर्षों से बने प्रभावी नेटवर्क का लाभ उठाता है। क्लब की व्यवस्थाएँ, संसाधन और निर्णय-प्रक्रियाएँ उसी के इर्द-गिर्द केंद्रित हो चुकी हैं। इसके विपरीत स्वतंत्र प्रत्याशी केवल अपनी नैतिक पूंजी के सहारे खड़े दिखाई देते हैं, जो चुनावी गणित में अक्सर अपर्याप्त सिद्ध होती है।चुनाव परिणाम के बाद का क्षण किसी भी प्रत्याशी के लिए कठिन होता है। वर्षों का अनुभव, लेखनी की धार और ईमानदार संघर्ष जैसे क्षणभर में अप्रासंगिक प्रतीत होने लगते हैं। मन में अनेक प्रश्न उठते हैं–क्या सच बोलना अब भी मूल्य है? क्या अकेले खड़े होना मूर्खता है? क्या स्वतंत्रता की कीमत बहुत अधिक है? लेकिन जब यह प्रश्न अंतरात्मा के दरबार में जाते हैं, तो उत्तर एक ही मिलता है–यदि जीत के लिए आत्मा गिरवी रखनी पड़े, तो ऐसी जीत भी हार से कम नहीं होती।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के ऐतिहासिक परिसर में परिणाम घोषित होने के बाद का दृश्य आज भी स्मृति में अंकित है।चारों ओर शोर था,विजयी पैनल के समर्थकों के चेहरे पर मुस्कान और आत्म विश्वास था। उसी भीड़ में मैं अकेला, शांत और विचारों में डूबा खड़ा था। कारण स्पष्ट था–मैं जीत नहीं पाया था। किंतु उस क्षण भीतर कोई टूटन नहीं थी।बल्कि एक विचित्र शांति थी,जो केवल तब आती है जब व्यक्ति जानता हो कि उसने अपने विवेक से समझौता नहीं किया। कई साथियों ने बाद में आकर कहा–'हमें पता था आप जीतेंगे नहीं, फिर भी हमने आपको वोट दिया। यह वाक्य मेरे लिए किसी भी पद या जीत से बड़ा था।यह इस बात का प्रमाण था कि क्लब के भीतर अभी भी ऐसी चेतना शेष है,जो अवसरवाद से ऊपर उठकर मूल्य को चुनती है।यही कारण है कि यह हार मुझे भारी नहीं लगी।वह ईमानदार थी,खरी थी और किसी सौदे का परिणाम नहीं थी।

उस रात नींद नहीं आई।एकांत में प्रश्नों की लंबी श्रृंखला थी। पत्रकारिता के मूल्यों पर,स्वतंत्रता के भविष्य पर और संस्थागत संरचनाओं की जटिलताओं पर विचार चलता रहा।सुबह जब सूरज की पहली किरण आई,तो मन में एक स्पष्टता भी आई।मैंने जो किया, वह अपने विवेक के अनुसार किया। मैंने हार स्वीकार की है,लेकिन आत्मसमर्पण नहीं।

यह चुनाव यह भी उजागर करता है कि पत्रकारिता के भीतर भी सत्ता संरचनाएँ कितनी गहराई तक जड़ जमा चुकी हैं।प्रेस क्लब ऑफ इंडिया,जो संवाद और बहस का मंच होना चाहिए,कहीं-न-कहीं सुविधा, प्रभाव और प्रबंधन का केंद्र बनता जा रहा है। यह कहना असहज हो सकता है,किंतु सच यही है कि हमें सत्ता से सवाल पूछने की क्षमता केवल बाहर नहीं,अपने संस्थानों के भीतर भी विकसित करनी होगी। यह मेरी अंतिम लड़ाई नहीं है।यह केवल एक पड़ाव है।भविष्य में यदि फिर मैदान में उतरूंगा,तो और व्यापक संवाद,अधिक संगठित वैचारिक मंच और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ उतरूंगा।स्वतंत्र पत्रकारों को केवल चुनाव के समय नहीं,पूरे वर्ष जोड़ने की आवश्यकता है।परिवर्तन क्षणिक नहीं होते,वे निरंतर प्रयास से आकार लेते हैं।

यह हार मुझे छोटा नहीं करती। यह मुझे और जिम्मेदार बनाती है।जब तक लिखने की क्षमता है,तब तक सवाल उठाने का दायित्व है। जब तक विवेक जीवित है,तब तक स्वतंत्र पत्रकारिता की लौ जलती रहेगी।शायद यही मेरी वास्तविक जीत है। मै अपने उन मीडिया मित्रों ' मतदाताओं व अपने समर्थकों का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझे इस चुनाव अपना मत के साथ बहुमूल्य समर्थन व योगदान दिया । अंततः जीवन में वही हार सबसे बड़ी जीत होती है, जो आपको पराजय के बाद भी सच्चा बनाए रखे।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

सीरीज सिंगल पापा को हां करने के लिए मेरे पास दो कारण थे

नेटफ्लिक्स की नई कॉमेडी सीरीज सिंगल पापा खूब चर्चा बटोर रहा है। शो से जुड़ी अभिनेत्री आयशा अहमद ने अपने अनुभव साझा किए हैं। सीरीज में वह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि यह शो उनके करियर का अहम प्रोजेक्ट है। व्यक्तिगत रूप से उनके लिए शूटिंग का अनुभव बेहद खास रहा। आयशा अहमद ने कहा, जब मुझे पहली बार डायरेक्टर शशांक की टीम ने मीटिंग के लिए बुलाया, तो इस दौरान बातचीत का अनुभव काफी अच्छा रहा। शशांक के साथ पहली मुलाकात इतनी दिलचस्प रही कि वह लंबे समय तक मेरे दिमाग में बनी रही। कुछ समय बाद जब मैं काम के सिलसिले में ट्रैवल कर रही थी, तभी मेरे पास सिंगल पापा सीरीज के लिए कॉल आया। मैंने बिना समय लगाए तुरंत हां कर दी। उन्होंने कहा, मेरे शो को हां कहने के पीछे दो कारण थे- एक तरफ शो को शशांक जैसे डायरेक्टर बना रहे थे और दूसरी तरफ मेरे साथ कुणाल खेमू स्क्रीन साझा करने वाले थे। मैं उनकी काफी लंबे समय से फैन हूं। आयशा ने कहा, मेरे लिए कुणाल खेमू के साथ काम करना अपने आप में एक यादगार अनुभव है। वह सेट पर हल्का-फुल्का और मजेदार माहौल बनाकर रखते थे। वह सभी कलाकारों को सपोर्ट करते हैं और हर सीन में ऐसी ऊर्जा लेकर आते थे कि बाकी कलाकारों का काम और भी आसान हो जाता है। आयशा ने बताया कि उनके साथ शूटिंग इतनी सहज रही कि सब कुछ अपने आप सही समय पर होता चला गया। इस वजह से यह प्रोजेक्ट मेरे लिए और भी खास बन गया। सीरीज सिंगल पापा नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। शो में मनोज पाहवा, कुणाल खेमू, दयानंद शेट्टी, प्राजक्ता कोली, नेहा धूपिया और आयशा रजा मिश्रा जैसे कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। कहानी गौरव गहलोत नाम के एक ऐसे व्यक्ति की है, जो उम्र में बड़ा होने के बावजूद कई बार बच्चों जैसा व्यवहार करता है। तलाक के तुरंत बाद वह बच्चा गोद लेने का फैसला करता है। इस फैसले से पूरे परिवार में हड़कंप मच जाता है। सभी के मन में एक सवाल होता है- जो व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की चीजें संभाल नहीं पाता, वह एक बच्चे की जिम्मेदारी कैसे निभाएगा? इस फैसले के बाद परिवार में हंगामा, उलझनें और हंसी-ठहाकों से भरा सफर शुरू होता है।

जया बच्चन की आलोचना के बाद हुमा कुरैशी ने पैपराजी कल्चर पर दिया रिएक्शन

पैपराजी के साथ जया बच्चन का रिश्ता अच्छा नहीं रहता है। बीते दिनों जया बच्चन ने पैपराजी कल्चर को लेकर काफी नाराजगी जताई थी। साथ ही उन्होंने पैपराजी के कपड़ों और उनके रवैये को लेकर भी कड़ी आलोचना की थी। अब जया बच्चन की आलोचना के बाद अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने पैपराजी कल्चर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। हुमा ने पैप्स कल्चर की चुनौतियों और महत्व दोनों को ही स्वीकार किया है।

फिल्म के प्रमोशन के लिए हम खुद पैपराजी बुलाते हैं

बातचीत के दौरान हुमा कुरैशी ने माना कि बेशक पैपराजी को एक सीमा बनानी चाहिए और उसका सम्मान करना चाहिए। लेकिन उन्होंने ये भी स्वीकार किया कि कई सेलेब्स पैपराजी को खुद ही बुलाते हैं और अपने फायदे के लिए इनका इस्तेमाल भी करते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे लगता है कि वे भी महत्वपूर्ण हैं। मैं झूठ नहीं बोलूंगी, लेकिन हम उनका इस्तेमाल तब करते हैं जब हमें अपनी फिल्मों का प्रचार करना होता है या अपने जीवन के किसी खास पहलू को लोगों के सामने लाना होता है। कई बार ऐसा हुआ है जब हमें अपनी फिल्मों का प्रचार करना था, इसलिए हमने उन्हें प्रीमियर में बुलाया। जब हम कहीं दिखना चाहते हैं, तो हम उन्हें बुलाते हैं। मैं सारा दोष उन पर नहीं डालना चाहती।

फोटोग्राफर के साथ मजबूत हुआ मेरा रिश्ता

पैप्स के साथ अपने रिश्ते पर हुमा ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में फोटोग्राफरों के साथ मेरा रिश्ता और भी मजबूत हो गया है। जब भी मेरी तबीयत ठीक नहीं होती या मैं फोटो नहीं खिंचवाना चाहती, तो मैं बस उनसे प्यार से कहती हूं कि मेरी तस्वीरें न लें, और वे आमतौर पर मेरी इच्छा का सम्मान करते हैं।

महिलाओं को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है

इस दौरान हुमा ने उन मुद्दों पर भी बात की जिनका सामना इंडस्ट्री में महिलाएं आमतौर पर करती हैं। जैसे कि गलत सवाल करना या फिर गलत एंगल से तस्वीरें लेना। हालांकि, एक्ट्रेस ने माना कि कुछ हद तक प्राइवेसी का उल्लंघन इस व्यवस्था का हिस्सा है, लेकिन सम्मान और सीमाएं बनाए रखना आवश्यक है। अगर आप मेरी प्राइवेसी में दखल देना चाहते हैं, तो आप ऐसे प्रश्न पूछेंगे जो मुझे उचित नहीं लगेंगे। एक सीमा होती है जिसे लोगों को पार नहीं करना चाहिए, लेकिन हम उसे पार कर जाते हैं। एक महिला और अभिनेत्री के रूप में मैंने यह सब अनुभव किया है।

जया बच्चन ने की थी पैपराजी के पहनावे और रवैया की आलोचना

हुमा की ये टिप्पणियां तब आई हैं, जब बीते दिनों जया बच्चन ने पैपराजी की कड़ी आलोचना की थी। एक इंटरव्यू में जया ने पैपराजी के पहनावे, उनके काम करने के तरीके और उनकी ट्रेनिंग पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि जो लोग गंदे तंग पैंट पहनते हैं और हाथ में मोबाइल रखते हैं, क्या उन्हें लगता है कि सिर्फ फोन होने से वे आपकी तस्वीर खींच सकते हैं और जो चाहें कह सकते हैं। उनकी शिक्षा, उनका बैकग्राउंड कैसा है? वो आखिर हैं कौन?

नवाजुद्दीन स्टारर फिल्म फरार में दिखेगा मनी हाइस्ट जैसा फ्लेवर

नवाजुद्दीन सिद्दीकी हाल ही में थामा में नजर आए थे। इस भूमिका के लिए उन्हें खूब सराहना मिली। अब वह अपनी नई फिल्म फरार को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कलाकार पार्थ भालेराव और त्रिशा थोसर के साथ दिखाई देंगे। फिल्म के निर्देशक और लेखक कुशाग्र शर्मा हैं। फरार को बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। सिनेमैटोग्राफी, बैकग्राउंड म्यूजिक और विजुअल ट्रीटमेंट इंटरनेशनल फिल्मों की तरह भव्य रखा गया है। हॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके इलिया वोलोक इसमें अहम भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, सुपरहिट स्पैनिश सीरीज मनी हाइस्ट के संगीतकार इवान लाकामारा पहली बार किसी हिंदी फिल्म के लिए बैकग्राउंड स्कोर तैयार कर रहे हैं। त्रिशा थोसर फिल्म में नवाज की बेटी बनी हैं। फरार में एक्शन को इंटरनेशनल लेवल पर डिजाइन करने के लिए केचा खम्पकदी भी जुड़े हैं। नवाज एक भौतिक विज्ञान के शिक्षक बने हैं, जबकि निमिषा सजयन उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं।

अभय वर्मा की फिल्म छूमंतर से बाहर हुईं अनन्या पांडे

अनन्या पांडे इन दिनों अपने फिल्मी लाइनअप को लेकर लगातार चर्चा में हैं। एक तरफ वह अपनी आगामी फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के प्रमोशन में जुटी हैं, जिसमें उनके साथ कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। दूसरी ओर, वह अमेजन प्राइम वीडियो की लोकप्रिय वेब सीरीज कॉल मी बे के दूसरे सीजन की तैयारी में भी व्यस्त हैं। इस बीच एक खबर है कि अनन्या आगामी फिल्म छूमंतर से बाहर हो गई हैं। फिल्म की टीम जनवरी 2026 से शूटिंग शुरू करने की योजना बना रही थी। सूत्र के मुताबिक_ छूमंतर की शूटिंग का शेड्यूल कॉल मी बे 2 से टकरा रहा था, जिसकी शूटिंग हाल ही में शुरू हुई है। इसी वजह से अनन्या और फिल्म के निर्माताओं ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया। दोनों ने आगे किसी प्रोजेक्ट में साथ काम करने का वादा भी किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनन्या के बाहर होने के बाद अब कास्ट में दो नाम जानकी बोडीवाला (वश फेम) और श्रीलीला प्रमुखता से चर्चा में हैं। हालांकि आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अनन्या के बाद जानकी बोडीवाला और श्रीलीला का नाम चर्चा में है।

नौ साल बाद लौटीं शिल्पा शिंदे

अभिनेत्री शिल्पा शिंदे वर्षों बाद सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं' में वापस लौट आई हैं। एक्ट्रेस का प्रोमो भी रिलीज हो चुका है। वीडियो को देखने के बाद शो में आने वाले ट्विस्ट का एक हिंट जरूर मिल रहा है। 'बिग बॉस 11' की विजेता और टीवी अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने यूं तो कई टीवी शोज में काम किया है लेकिन 'भाबी जी घर पर हैं' की अंगूरी भाभी के तौर पर वो छा गईं। साल 2015 में शो की शुरुआत हुई थी लेकिन फिर एक साल बाद 2016 में विवादों के चलते उन्होंने शो को अलविदा कह दिया। अब करीब नौ वर्षों के बाद शिल्पा एक बार फिर शो में वापसी कर रही हैं। उनका कमबैक शो के नए सीजन 2.0 में होने जा रहा है। इससे जुड़ा प्रोमो भी मेकर्स की ओर से जारी कर दिया गया है। एंड टीवी का सुपरहिट कॉमेडी शो 'भाबी जी घर पर हैं' इन दिनों जबरदस्त चर्चा में है और इसकी सबसे बड़ी वजह है शिल्पा शिंदे की धमाकेदार वापसी। शो के नए सीजन में एक बार फिर शिल्पा नजर आने वाली हैं। इस बार वह दर्शकों के सामने बिल्कुल नए और रहस्यमयी अवतार में आई हैं, जिसने फैंस को चौंका दिया है। हाल ही में जारी किए गए प्रोमो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है।

प्रोमो में अंगूरी भाभी, तिवारी, विभूति और अनीता भाभी एक अनजान गांव 'घूंघटगंज' की ओर जाते दिखाई देते हैं। गांव में कदम रखते ही चारों की नजर एक रहस्यमयी स्त्री की मूर्ति पर पड़ती है। तभी अचानक कुछ ऐसा होता है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। मूर्ति की साड़ी अंगूरी भाभी पर गिरती है और माहौल में सिहरन फैल जाती है। यहीं से कहानी ले लेती है खौफनाक मोड़।

'स्त्री' स्टाइल में लेंगी शो में एंट्री

इसके बाद अंगूरी भाभी के बर्ताव में अजीब बदलाव नजर आने लगता है। सबको लगता है कि उन पर किसी आत्मा का साया हो गया है। जब विभूति उन्हें प्यार से आवाज देता है, तो अंगूरी भाभी का जवाब सबको हैरान कर देता है। उनका अंदाज, उनकी चाल और संवाद, सब कुछ डरावना लेकिन बेहद दिलचस्प लगता है। साफ है कि शिल्पा शिंदे ने इस बार 'स्त्री' स्टाइल में शो में एंट्री लेकर कहानी में जान डाल दी है।

नौ वर्षों बाद शो में हुई वापसी

लंबे समय बाद शिल्पा शिंदे को एक बार फिर अंगूरी भाभी के रूप में देखकर फैंस भावुक भी हैं और उत्साहित भी। सोशल मीडिया पर लोग प्रोमो को बार-बार देख रहे हैं और कई लोगों ने अब तक कमेंट किया है।

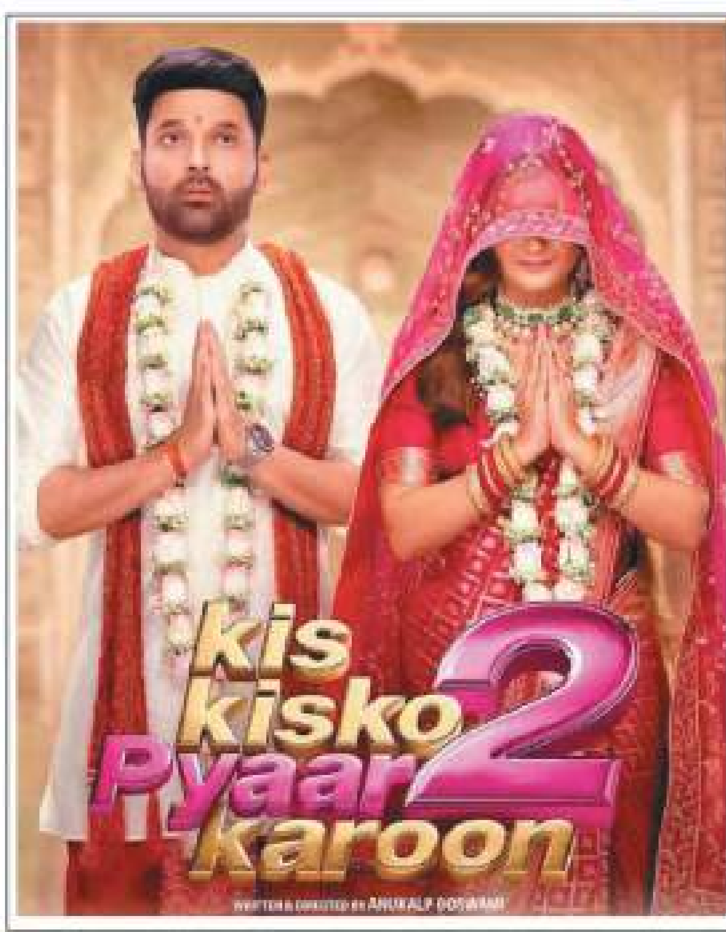

कपिल शर्मा को फिल्म के लिए मिले करोड़ों

कॉमेडी के बादशाह कपिल शर्मा एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी कर चुके हैं अपनी नई फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' के साथ। 2015 में रिलीज पहली फिल्म की धमाकेदार सफलता के बाद अब सीक्वल की रिलीज को लेकर दर्शकों में उत्साह देखने को मिल रहा है। लेकिन इस बार चर्चा केवल फिल्म की कहानी या इसके मनोरंजन की नहीं, बल्कि इसकी स्टारकास्ट की भारी-भरकम फीस की हो रही है। मेकर्स ने फिल्म को भव्य पैमाने पर बनाया है और इसके लिए सितारों को भी मोटी रकम दी गई है।

कपिल शर्मा

सीक्वल में भी कपिल शर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और उनकी वापसी को देखते हुए मेकर्स ने उन्हें बेहद बड़ी रकम ऑफर की। मनोरंजन जगत में अपनी लोकप्रियता और टीवी शो की सफलता के कारण कपिल की मार्केट वैल्यू पहले से कहीं अधिक बढ़ चुकी है। फिल्म के लिए उन्हें 2 से 3 करोड़ रुपये दिए गए, जो फिल्म के कुल बजट का बड़ा हिस्सा माना जा रहा है। यही वजह है कि उनकी फीस को लेकर सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चाएं हो रही हैं।

त्रिधा चौधरी

वेब सीरीज और फिल्मों में अपनी पहचान बना चुकी त्रिधा चौधरी पहली बार कपिल शर्मा के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। फिल्म में उनकी भूमिका को खास बताया जा रहा है और उनकी बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए मेकर्स ने उन्हें 40 से 60 लाख रुपये देने का फैसला किया है। यह फीस उनके करियर के हिसाब से अच्छी मानी जा रही है।

पारुल गुलाटी

सोशल मीडिया की चर्चित अभिनेत्री और 'गर्ल्स हॉस्टल' जैसी वेब सीरीज में अपनी छाप छोड़ चुकी पारुल गुलाटी को भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण किरदार मिला है। उन्हें भी त्रिधा के बराबर ही 40 से 60 लाख रुपये की रकम दी गई है। पारुल की बढ़ती ब्रांड वैल्यू ने उनके पैकेज को मजबूत किया है।

आयशा खान

टेलीविजन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी आयशा खान भी फिल्म का हिस्सा हैं। हालांकि इस फिल्म के लिए उन्हें 15 से 30 लाख रुपये की राशि दी गई है, जो बाकी लीड एक्ट्रेसेज की तुलना में काफी कम है। लेकिन फिल्म में उनकी भूमिका छोटी नहीं बताई जा रही है, जिससे उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट उनके करियर में नई दिशा दे सकता है।

मनजोत सिंह

'फुकरे' फेम मनजोत सिंह भी इस बार एक अलग जोन में नजर आएंगे। उनके किरदार को मजबूत बताया जा रहा है और इसके लिए उन्हें 50 से 70 लाख रुपये की सैलरी दी गई है। मनजोत की कॉमिक टाइमिंग पहले ही दर्शकों के बीच लोकप्रिय है और इस फिल्म से उनकी मौजूदगी और मजबूत हो सकती है।

वरीना हुसैन

वरीना हुसैन लंबे समय बाद किसी बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ रही हैं। मेकर्स ने उन्हें फिल्म के लिए 20 से 35 लाख रुपये ऑफर किए हैं। वरीना की स्क्रीन प्रेजेंस और उनकी पिछली फिल्मों की सफलता ने उन्हें इस फिल्म में खास जगह दिलाई है।

आईसीसी रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती ने रचा इतिहास, टी20आई क्रिकेट में यह रिकॉर्ड बनाने वाले बने पहले भारतीय गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है और अपने करियर की नई उच्चतम रेटिंग हासिल कर ली है। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही पांच मैचों की घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में लगातार तीसरी बार दो विकेट लेने के बाद भारतीय गेंदबाज ने 818 अंकों का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया है। दाएं हाथ के लेग स्पिनर ने श्रृंखला के पहले तीन मैचों में छह विकेट लिए हैं, जिनमें धर्मशाला में खेले गए तीसरे भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार ओवरों में 2/11 के उनके प्रभावशाली आंकड़े शामिल हैं, जिन्होंने भारत की सात विकेट की शानदार जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 818 रेटिंग अंकों के साथ, चक्रवर्ती अब दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी (699) से 119 अंकों की बड़ी बढ़त पर हैं।

34 वर्षीय चक्रवर्ती टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में सर्वकालिक शीर्ष 10 में भी शामिल हो गए हैं। यह खबर भारत के लिए समय पर आई है, क्योंकि वेस्ट इंडीज में पिछले साल जीती गई आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की उपाधि का बचाव करने में दो महीने से भी कम समय बचा है। चक्रवर्ती से उम्मीद की जा रही है कि वे लगातार दूसरी बार खिताब जीतने की दौड़ में अहम भूमिका निभाएंगे। भारत के लिए एक और अच्छी खबर यह है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के तीसरे मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर 16वां स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका की रैंकिंग में भी कई सुधार देखने को मिले हैं। मार्को जानसेन 14 पायदान ऊपर चढ़कर 25वें स्थान पर, लुंगी एनगिडी 11 पायदान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर और ओटनील बार्टमैन शीर्ष 100 से बाहर से छलांग लगाकर 68वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अब आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के दो बल्लेबाज शीर्ष पांच में शामिल हैं। तिलक वर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन शानदार पारियों के बाद दो पायदान ऊपर चढ़कर चौथा स्थान हासिल कर लिया है। उनके साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी आरामदायक बढ़त बनाए हुए हैं, वहीं दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम और क्विंटन डी कॉक ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है। मार्करम आठ पायदान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि डी कॉक हाल के कुछ उत्साहजनक प्रदर्शनों के बाद 14 पायदान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर आ गए हैं।

'मुझे नई जिंदगी देने के लिए सीएसके का बहुत-बहुत धन्यवाद', आईपीएल ऑक्शन में चुने जाने के बाद पहली बार बोले सरफराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज सरफराज खान ने कहा है कि पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की वजह से उन्हें 'नई जिंदगी' मिली है क्योंकि टीम ने उन्हें अबुधाबी में हुई खिलाड़ियों की नीलामी में 75 लाख रुपए के आधार मूल्य पर खरीदा है। मंगलवार को नीलामी से कुछ घंटे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच में 22 गेंद में 73 रन बनाने वाले 28 साल के सरफराज के लिए पहले दौर में किसी ने बोली नहीं लगाई लेकिन बाद में सुपरकिंग्स ने उन्हें खरीद लिया। मुंबई के बल्लेबाज सरफराज ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, 'मुझे नई जिंदगी देने के लिए हृदय का बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि सीएसके 2026 का खिताब जीते।' मध्यक्रम के इस आक्रामक बल्लेबाज ने पिछली बार 2023 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मैच खेला था। इसके बाद के दो सत्र में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला।

सरफराज का अंतरराष्ट्रीय करियर भी अभी मुश्किल में है क्योंकि घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। वह अतीत में आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी खेल चुके हैं। सरफराज ने 2015 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए आईपीएल में पदार्पण किया था।

यह दाएं हाथ का बल्लेबाज इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार फॉर्म में रहा है जिसमें उन्होंने 82.25 की औसत और 204.34 के स्ट्राइक रेट से 329 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक भी शामिल है। सरफराज ने भारत के लिए छह टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 37.10 की औसत और 74.94 के स्ट्राइक रेट से 371 रन बनाए हैं जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 150 है।

आईपीएल में सबसे महंगे बिके कैमरून ग्रीन एशेज में शून्य पर आउट हुए

एडीलेड (एजेंसी)। आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे बिके ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाये। ग्रीन को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने अपना शिकार बनाया। तीसरे टेस्ट में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी शुरू की पर उसके बल्लेबाज विफल रहे। पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए ग्रीन केवल दो गेंद ही खेल पाये थे कि आर्चर की गेंद पर कैच हो गये। इस प्रकार ग्रीन का शून्य पर आउट होना प्रशंसकों के बीच चर्चा का मामला बन गया। आईपीएल नीलामी में मोटी रकम पाने के बाद प्रशंसकों को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी, इसी कारण उन्हें अधिक निराशा हुई।

ग्रीन को गत दिवस हुई नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। ग्रीन को लेकर केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में जमकर बोली लगी थी। सीएसके ने 25 करोड़ रुपये तक बोली लगाई थी पर अंत में केकेआर को सफलता मिली। केकेआर ने नीलामी के बाद एक वीडियो भी जारी किया। इसमें ग्रीन ने कहा, 'मैं इस साल आईपीएल में कोलकाता का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं, ईडन गार्डन्स में खेलने का मुझे बेसब्री से इंतजार है। वहां के माहौल में ढलने का और उम्मीद है कि यह साल हमारे लिए बेहतरीन रहेगा।'

ग्रीन के टीम में आने से केकेआर की टीम को एक बेहतरीन ऑलराउंडर मिला है। इसका कारण है कि ग्रीन गेंद और बल्ले दोनों से ही बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। इस ऑलराउंडर ने साल 2023 और 2024 के आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस (एमआई) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हुए 29 मैचों में 41.58 की औसत से 707 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक लगाये और उनका स्ट्राइक रेट 153 से ज्यादा रहा। वहीं 16 विकेट भी लिए।

आईपीएल 2026: सीएसके फैंस के लिए झटका, धोनी के संन्यास पर पूर्व खिलाड़ी का बड़ा संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सीएसके बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा का मानना है कि एमएस धोनी के आईपीएल करियर को लेकर अब स्थिति काफी हद तक साफ हो चुकी है। उनके अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स पिछले कुछ सीजन से ट्रांजिशन मोड में है और यह प्रक्रिया अचानक नहीं, बल्कि धीरे-धीरे आगे बढ़ी है। उथप्पा ने कहा कि टीम का मौजूदा संतुलन और फैसले साफ संकेत देते हैं कि अब धोनी के लिए आगे बढ़ने का सही समय आ गया है।

कप्तानी की जिम्मेदारी रुतुराज की ओर

उथप्पा ने यह भी बताया कि जब से कप्तानी दोबारा धोनी के हाथ में आई, तब से हर सीजन नेतृत्व की जिम्मेदारियां रुतुराज गायकवाड़ की ओर शिफ्ट होती दिखीं। टीम मैनेजमेंट ने रुतुराज को लंबे समय का कप्तान मानते हुए धीरे-धीरे फैसलों में शामिल करना शुरू किया। इससे साफ है कि सीएसके भविष्य को ध्यान में रखकर नेतृत्व परिवर्तन की तैयारी कर चुकी है।

संजू सैमसन की एंट्री और उत्तराधिकार योजना

आईपीएल 2026 से पहले संजू सैमसन को ट्रेड कर सीएसके में लाना भी इसी सोच का हिस्सा माना जा रहा है। उथप्पा के मुताबिक, सैमसन न सिर्फ टॉप ऑर्डर को मजबूती देंगे, बल्कि धोनी के बाद विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालने के लिए भी एक मजबूत विकल्प हैं। यह फैसला बताता है कि टीम धोनी के बाद की संरचना पर गंभीरता से काम कर रही है।

युवाओं पर भरोसा, भविष्य की नींव

सीएसके ने आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन में युवाओं पर बड़ा दांव खेला। अनकैप्ड खिलाड़ियों प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा पर भारी रकम खर्च कर टीम ने साफ कर दिया कि वह आने वाले वर्षों के लिए मजबूत कोर तैयार करना चाहती है। इसके अलावा नूर अहमद और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे युवा खिलाड़ियों पर भरोसा भी इसी रणनीति का हिस्सा है।

मेंटर के रूप में धोनी की संभावित भूमिका

उथप्पा का मानना है कि भले ही धोनी मैदान से दूरी बना लें, लेकिन उनका सीएसके से जुड़ाव खत्म नहीं होगा। उन्होंने संकेत दिए कि धोनी भविष्य में मेंटर-कम-प्लेयर या केवल मेंटर की भूमिका में टीम के साथ रह सकते हैं। इससे सीएसके को अनुभव और मार्गदर्शन मिलता रहेगा, जबकि टीम नई पीढ़ी के साथ आगे बढ़ती रहेगी।

शुभमन गिल की सीधी गेंदों को ना खेल पाने की कमजोरी चिंता का सबब : संजय बांगड़

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने बुधवार को कहा कि सीधी गेंदों को नहीं खेल पाने की शुभमन गिल की कमजोरी चिंता का सबब है। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के तीन मैचों में 32 रन ही बना सके हैं। जियोस्टार पर गेम प्लान कार्यक्रम में बांगड़ ने कहा कि आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों पर गिल सहज लग रहे हैं लेकिन सीधी गेंदों को नहीं खेल पा रहे हैं। बांगड़ ने कहा, 'शुरूआत में उसका फुटवर्क काफी सकारात्मक था लेकिन 28 से ज्यादा मैचों में अगर तीन या चार बाउंड्री निकाल दें तो सीधी गेंदों को वह नहीं खेल पा रहा है। सीधी गेंदों के सामने उसका स्ट्राइक रेट बहुत खराब है।' उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह काफी आक्रामक सोच के साथ खेलता है। उसमें गेंद को पीटने की क्षमता है, खासकर कवर्स के ऊपर से जो खास कौशल है।' बांगड़ ने हार्दिक पंड्या के हरफनमौला योगदान की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'पंड्या के हरफनमौला प्रदर्शन से टीम को संतुलन मिलता है।'

अशोक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : अशोक शर्मा बने सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

नई दिल्ली। राजस्थान की टीम के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने मुम्बई के खिलाफ मैच में अथर्व अंकोलेकर का विकेट लेने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही अशोक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एक सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। अशोक के अब 22 विकेट हो गये हैं और उन्होंने बड़ौदा के लुकमान मेरीवाला का 21 विकेटों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अशोक ने जैसे ही 22 वां विकेट लिया। वैसे ही उनके विकेटों की संख्या इस सत्र में सबसे अधिक 22 पहुंच गई। इससे ज्यादा विकेट किसी भी गेंदबाज ने इस टूर्नामेंट के करीब 20 साल के इतिहास में नहीं लिए थे। इससे पहले ये रिकार्ड 21 विकेट के साथ ही बड़ौदा के तेज गेंदबाज लुकमान मेरीवाला के नाम था। मेरीवाला ने साल 2013-14 की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में घातक गेंदबाजी की थी और कुल 21 विकेट निकाले थे। वहीं अब वह दूसरे स्थान पर फिसल गए हैं। 10 मैचों में अशोक ने 22 विकेट निकाले हैं। दो बार उन्होंने 4 विकेट भी लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर चल रहे अंशुल कम्बोज ने 10 मैचों में 20 विकेट लिए हैं।

पंजाब किंग्स ने इन चार खिलाड़ियों को टीम से जोड़ा, कप्तान श्रेयस अय्यर ने कह दी ये बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की मिनी नीलामी में चार महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को खरीदकर आगामी सीजन के लिए अपनी 25 सदस्यीय टीम पूरी कर ली है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नीलामी में पीबीकेएस ने दो अनकैप्ड और दो कैप्ड खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ा। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शियस टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। किंग्स ने ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कूपर कॉनोली को 3 करोड़ रुपये में खरीदकर अपने खाते की शुरुआत की। मध्य क्रम में लचीलापन प्रदान करने में सक्षम उभरते सितारे कॉनोली एक विश्वसनीय धीमी गति की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी का विकल्प भी प्रदान करते हैं।

कॉनोली को टीम में शामिल करने के पीछे की सोच के बारे में बात करते हुए, कप्तान श्रेयस अय्यर, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में उनका सामना किया है, ने कहा: 'सच कहूं तो, शुरुआत में वह हमारे दिमाग में नहीं थे, लेकिन जैसे-जैसे हमने विचार-विमर्श किया और विकल्पों को सीमित किया, हमें एहसास हुआ कि वह इस पोजीशन के लिए बिल्कुल सही हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'उनका स्वभाव शानदार है और उनमें मैच को फिनिश करने की क्षमता है। आईपीएल में ये खूबियां बहुत मायने रखती हैं। हालांकि, हमने सोचा नहीं था कि हम उन्हें 3 करोड़ में खरीद पाएंगे, हमने तो उनकी कीमत इससे कहीं ज्यादा होने का अनुमान लगाया था।'

इसके तुरंत बाद, नीलामी में टीम की सबसे ऊंची बोली लगी, जब बेन ड्वार्शियस को 4.40 करोड़ रुपये में खरीदा गया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज और निचले क्रम के उपयोगी स्ट्राइकर ड्वार्शियस गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देते हैं और डेथ ओवरों में घातक पावर-हिटिंग का विकल्प प्रदान करते हैं। प्रवीण दुबे को उनकी बेस प्राइस 1 लाख रुपये में फिर से टीम में शामिल किया गया और वह किंग्स की टीम में लौट आए। दुबे युजवेंद्र चहल और हरप्रीत बराड़ की मौजूदा जोड़ी के पूरक के रूप में भारतीय स्पिन गेंदबाजी का महत्वपूर्ण बैकअप प्रदान करते हैं।

घरेलू टीम को और मजबूत करने के लिए, होनहार युवा प्रतिभा विशाल निषाद पीबीकेएस टीम में शामिल हो गए हैं और उन्हें 30 लाख रुपये की उनकी बेस प्राइस पर साइन किया गया है। किंग्स ने 11.5 करोड़ रुपये के बजट के साथ नीलामी में प्रवेश किया, जिसमें से उन्होंने 8 करोड़ रुपये खर्च कर दिए और दो विदेशी और दो भारतीय खिलाड़ियों को खरीद लिया।

मसूद नहीं संभालेंगे कंसल्टेंट इंटरनेशनल और प्लेयर्स अफेयर्स पद

कराची। पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद ने क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के दिये कंसल्टेंट इंटरनेशनल और प्लेयर्स अफेयर्स के पद को ठुकरा दिया है। मसूद को पीसीबी ने इस पद का प्रस्ताव दिया था पर वह इसे संभालने के लिए तैयार नहीं हैं। मसूद के अनुसार इससे वह राष्ट्रीय टीम के प्रति अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा सकेंगे।

पिछले माह पीसीबी ने मसूद को यह पद इस आश्वासन के साथ दिया था कि क्रिकेट से संन्यास के बाद उन्हें डायरेक्टर का स्थायी पद मिलेगा। यह पहली बार है जब किसी मौजूदा टेस्ट कप्तान को पीसीबी ने इस प्रकार का प्रस्ताव दिया है। वहीं कहा गया कि मसूद अपनी उच्च शिक्षा और प्रबंधन के क्षेत्र में जानकारी के कारण दोनों जिम्मेदारियों को साथ में निभा सकेंगे। वहीं मसूद ने काफी विचार के बाद पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी को बताया कि वह दोनों जिम्मेदारियों को ठीक से नहीं निभा सकेंगे। शान ने बताया कि साल 2026 और 2027 में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए पाक का कार्यक्रम काफी व्यस्त है, और वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचाना चाहते हैं। मसूद ने नकवी से अनुरोध किया है कि उन्हें अपनी क्रिकेट जिम्मेदारियों पर ध्यान देने दिया जाए। साथ ही कहा कि वह क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पीसीबी के साथ काम करने के लिए तैयार रहेंगे। पीसीबी ने मसूद के इंकार के बाद वर्तमान स्टाफ को ही मामलों को संभालने को कहा है। ऐसे में तय है है कि एशिया कप के दौरान डायरेक्टर इंटरनेशनल क्रिकेट अफेयर्स के पद से निलंबित उस्मान वहला को एक बार फिर बहाल किया जा सकता है।

आईपीएल में अवसर नहीं मिलने पर अन्य जगह संभावनएं तलाशेंगे मैट शॉर्ट

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज और ऑलराउंडर मैट शॉर्ट ने कहा है कि अगर उन्हें आईपीएल में अवसर मिलता है तो वह खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं पर अगर उन्हें अवसर नहीं मिलता तो वह अन्य लीग्स में खेलने पर ध्यान देंगे। पंजाब किंग्स के लिए 2023 में खेलते हुए शॉर्ट ने अपनी क्षमता साबित नहीं कर पाए इसी कारण अगली नीलामी में किसी फ्रेंचाइजी ने उन्हें नहीं चुना था। मैट शॉर्ट को 2023 में जॉनी बेयरस्टो की चोट के कारण रिप्लेसमेंट प्लेयर के रूप में पंजाब किंग्स में शामिल किया गया था। छह मैचों में खेलने के बावजूद उन्होंने कोई अर्धशतक नहीं बनाया और 19.50 की औसत के साथ कुल 117 रन ही जोड़ पाए। शॉर्ट ने माना कि लीग की प्रतिष्ठा के कारण तब वह दबाव ने उन्हें प्रभावित किया। शॉर्ट ने बताया, शायद मैं थोड़े जल्दी में आईपीएल में आया था। यह मेरा पहला विदेशी टूर्नामेंट था, सीधे आईपीएल में खेलना बड़ा अनुभव था। वहीं कहा कि इस बार अवसर मिला तो वह खेलने के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। शॉर्ट ने अपने खेल के मानसिक पक्ष पर भी काम किया है। डेविड रीड की मदद से उन्होंने ध्यान केंद्रित करना का भी अभ्यास किया है। उनके पास बिग बैश और दुनिया भर की अन्य प्रतियोगिताओं का अनुभव है। इससे मुझे दबाव को संभालने और विभिन्न परिस्थितियों में खेलने का आत्मविश्वास मिला है। अब अगर चुना गया, तो मैं पूरी तरह तैयार रहूंगा शॉर्ट ने कहा कि यदि उन्हें अवसर नहीं मिलता है तो वह आगे के अवसरों की तलाश में हैं। उन्होंने कहा कि अगर एक चीज नहीं होती, तो हम कुछ और खोज लेंगे। मैं ऑक्शन को देखूंगा और फिर परिणाम का इंतजार करूंगा।

आईपीएल और पीएसएल कार्यक्रम टकराया

मुम्बई। साल 2026 में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की पाकिस्तान क्रिकेट लीग (पीएसएल) से तारीखें टकरा रही हैं। इसका कारण है कि आईपीएल 26 मार्च से मई अंत तक खेला जाएगा। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी 11वां सत्र अगले साल 26 मार्च से तीन मई तक रखा है। ये पहली बार नहीं है जब पीसीबी ने इस प्रकार की तारीखें घोषित की है। पहले भी पीएसएल की तारीखें आईपीएल से टकराती रही है। ये लगातार दूसरी बार है जब यह आईपीएल के साथ ही पीएसएल भी खेला जाएगा। इससे उन खिलाड़ियों को नुकसान होगा जो आईपीएल में अवसर न मिलने पर पीएसएल में खेलते हैं। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने मार्च में पीएसएल के नये सत्र की घोषणा की है। आईपीएल भी इसी समय खेला जाएगा। नकवी ने कहा कि इस दौरान पाकिस्तान टीम के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में बदलाव किया जायेगा।

पाकिस्तान को मार्च अप्रैल में बांग्लादेश में दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच खेलने हैं। इस साल भारत और श्रीलंका में फरवरी मार्च में टी20 विश्व कप भी होना है, जो कि मार्च के पहले सप्ताह तक चलने वाला है। ऐसे में पीसीबी को अपनी ही टीम के कार्यक्रम को अब पीएसएल 2026 की वजह से आगे करना है। मार्च और मई में पीएसएल का आयोजन होगा तो निश्चित तौर पर पाकिस्तान और बांग्लादेश सीरीज मई के अंत में शुरू होगी। हालांकि, बांग्लादेश का शेड्यूल कैसा है? ये भी सोचना होगा, क्योंकि तीनों फॉर्मेट की सीरीज को आगे खिसकाना बहुत ज्यादा कठिन होगा। हो सकता है कि सीरीज को छोटा किया जाए, क्योंकि बांग्लादेश की टीम को न्यूजीलैंड भी जाना है। अब देखना ये है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस सीरीज को कैसे समायोजित करता है। हालांकि, एक बात है कि क्रिकेट प्रशंसकों को लगातार मैच देखने को मिलेंगे।

फ्रांस के डेम्बेले और स्पेन की बोनमाटी ने जीता फीफा प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार

दोहा (एजेंसी)। स्पेन की आइताना बोनमाटी और फ्रांस के उस्मान डेम्बेले को क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग के फीफा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार से नवाजा गया। मंगलवार रात यहां आयोजित एक विशेष समारोह में इन खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। 28 वर्षीय डेम्बेले पीएसजी की ऐतिहासिक पहली चैंपियंस लीग जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे।

फाइनल मुकाबले में पीएसजी ने इंटर मिलान को 5-0 से हराया। डेम्बेले ने पिछले सीजन सभी प्रतियोगिताओं में कुल 35 गोल किये जिनमें से 21 गोल लीग-वन में थे और वह टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी रहे। वहीं, बार्सिलोना की मिडफील्डर को क्लब और देश के लिए एक और शानदार साल के बाद द बेस्ट फीफा महिला खिलाड़ी चुना गया और वह लगातार तीन खिताब जीतने वाली पहली महिला फुटबॉलर बन गई।

बोनमाटी ने चैंपियंस लीग प्लेयर ऑफ द सीजन का खिताब भी जीता। इसके अलावा उन्होंने लगातार तीसरी बार विमेंस बैलन डी'ओर पुरस्कार भी हासिल किया। बोनमती की अगुवाई में बार्सिलोना ने घरेलू स्तर पर ट्रेबल जीता, जबकि स्पेन के साथ उन्होंने चैंपियंस लीग फाइनल और यूरो 2025 फाइनल तक का सफर तय किया।

पुरस्कार के बाद बोनमाटी ने कहा, 'मैं अपना तीसरा फीफा द बेस्ट अवॉर्ड जीतने के लिए बहुत आभारी और गर्व महसूस कर रही हूं। मैं उन सभी लोगों की बहुत आभारी हूं जिन्होंने मेरे लिए वोट किया, खिलाड़ी, कोच और प्रशंसक। मेरे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि जो खिलाड़ी मेरी तरह फुटबॉल खेलते हैं या जिन कोचों के खिलाफ मैं खेलती हूं, उन्होंने मुझे फीफा द बेस्ट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना। यह सबसे अच्छी बात है जो मैं कह सकती हूं।'

उस्मान डेम्बेले ने कहा, 'सबसे पहले, मैं अपने सभी टीम के साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूं, यह साबित होता है कि कड़ी मेहनत रंग लाती है। यह मेरे लिए, व्यक्तिगत रूप से और एक टीम के रूप में, एक शानदार साल रहा है। मैं अपने परिवार को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा मुझे हमेशा मेरे जन्मदिन पर आपसे एक छोटा सा मैसेज मिलता है, जिससे मुझे हमेशा खुशी होती है। मुझे उम्मीद है कि अगले साल मैं फिर से यहां आऊंगा।'

इंग्लैंड को लगातार दूसरा यूरोपीय विमेंस यूरो खिताब दिलाने के बाद सरीना विगमैन को 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला कोच चुना गया। लुइस एनरिक को 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष कोच चुना गया।

संक्षिप्त समाचार

बीच हवा में दो हिस्सों में बंट गया रूसी सैन्य विमान, कैमरे में कैद हुआ खौफनाक मंजर

मास्को, एजेंसी। रूस के इवानोवो इलाके में एक एएन-22 सैन्य परिवहन विमान उड़ान के दौरान बीच हवा में दो टुकड़ों में बंट गया। यह विमान तेजी से नीचे गिरता चला गया और जमीन पर आकर ध्वस्त हो गया। 9 दिसंबर को रिकॉर्ड हुए इस हादसे फुटेज में इस भयानक पल को साफ देखा जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह विमान एक परीक्षण उड़ान पर था। हादसे में विमान में सवार सभी क्रू सदस्यों की मौत हो गई। यह घटना इतनी तेजी से हुई कि बचाव की कोई गुंजाइश नहीं बची है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस हादसे की पुष्टि की और बताया कि विमान एक निर्जन इलाके में गिरा है। इससे किसी अन्य नागरिक को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक वजह सामने नहीं आई है। हालांकि, रूस की जांच समिति ने इस मामले में एक आपराधिक केस दर्ज कर लिया है। यह केस उड़ान की तैयारी के नियमों के उल्लंघन से जुड़ा हुआ है। समिति के अधिकारी इस बात की तहकीकात कर रहे हैं कि क्या कोई लापरवाही या गलती हुई थी।

बांग्लादेश के दूतावास में मनाया गया विजय दिवस

ढाका, एजेंसी। दिल्ली में बांग्लादेश के दूतावास में विजय दिवस एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मनाया गया। बांग्लादेशी उच्चायुक्त एम रियाज हमीदुल्लाह ने बांग्लादेश की जनता, खासकर युवाओं, की आकांक्षाओं को पूरा करने के प्रति देश की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। हमीदुल्लाह ने कहा कि बांग्लादेश और भारत का आपसी संबंध लाभकारी है, जो समृद्धि, शांति और क्षेत्रीय सुरक्षा पर केंद्रित है। उन्होंने दोनों देशों की साझेदारी के रेखांकित किया। उन्होंने कहा, पूरा बांग्लादेश और हम सभी अपनी जनता, खासकर युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी आबादी बहुत युवा है... हम मानते हैं कि भारत के साथ हमारा संबंध हमारे साझा हित में है। हमारे बीच आपसी निर्भरता है... हम क्षेत्र में समृद्धि, शांति और सुरक्षा पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। कार्यक्रम में बांग्लादेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत को दिखाया गया और इसके स्वतंत्रता संग्राम और आजादी का जश्न मनाया गया।

पाकिस्तान में पोलियो टीम पर हमला, पुलिसकर्मी की हुई हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पोलियो टीकाकरण अभियान से जुड़े सुरक्षा कर्मियों पर एक और घातक हमला सामने आया है। मंगलवार को लक्की मरवत जिले के छखार खेल इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने मोटरसाइकिल से आकर एक पुलिस कांस्टेबल और उसके भाई की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, कांस्टेबल पोलियो टीकाकरण टीम के साथ ड्यूटी पूरी करने के बाद अपने भाई के साथ गांव लौट रहा था, तभी रास्ते में हमलावरों ने फायरिंग कर दी। इस हमले में कांस्टेबल अमीर नवाज और उसके भाई अमीर मोहम्मद की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों पूर्व जिला पार्षद अली गुल के भाई बताए गए हैं। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और पूरे इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया। शाम को दोनों मृतकों की जनाजे की नमाज अदा की गई, जिसमें जिला पुलिस अधिकारी नजीर खान, डिप्टी कमिश्नर हमीदुल्लाह खान, एसपी जांच मुराद अली खान समेत कई वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। इससे पहले इसी दिन बाजौर जिले में भी पोलियो ड्यूटी पर तैनात एक अन्य पुलिस कांस्टेबल और एक राहगीर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लगातार हो रहे इन हमलों ने पाकिस्तान में पोलियो टीकाकरण अभियान की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है।

पाकिस्तान के सिंध में बंदूकधारियों ने 18 बस यात्री अगवा कर लिए

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने बस में क्वेटा जा रहे 18 यात्रियों को अगवा कर लिया। घटना सोमवार रात घोटकी के पास घटी, जब हमलावरों ने सिंध-पंजाब सीमा के करीब हाईवे लिंक रोड पर बस पर गोलियां चलाईं। गोलीबारी में चालक व कुछ यात्री घायल हो गए। एक महिला यात्री ने बताया कि घटनास्थल पर कुल 18 से 20 हमलावर मौजूद थे, सभी हथियारबंद थे और उनके चेहरे ढके हुए थे। उन्होंने महिला यात्रियों को कोई क्षति नहीं पहुंचाई।

यूएस ने की वेनेजुएला की घेराबंदी, मादुरो सरकार आतंकी संगठन घोषित

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला पर दबाव को और तेज करते हुए मंगलवार को सभी सैंक्शन वाले तेल टैंकरों की आने-जाने पर पूरी तरह नाकाबंदी का आदेश दिया। यह कदम निकोलस मादुरो की सरकार के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा फैसला है, जो देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ यानी तेल निर्यात को सीधे निशाना बनाता है। ट्रंप ने इसे दक्षिण अमेरिका में अब तक की सबसे बड़ी नौसेना तैनाती का हिस्सा बताया और चेतावनी दी कि दबाव और भी बढ़ेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट में लिखा कि वे सभी सैंक्शन वाले तेल टैंकरों की वेनेजुएला में एंट्री और एग्जिट पर पूरी नाकाबंदी लगा रहे हैं। उन्होंने मादुरो सरकार पर तेल की कमाई से ड्रग तस्करी, मानव तस्करी, हत्या और अपहरण जैसे कामों को फंडिंग करने का आरोप लगाया है। ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला अब दक्षिण अमेरिका के इतिहास में सबसे बड़ी नौसेना घेरे में है। यह घेरा और बड़ा होगा और मादुरो सरकार पर दबाव पहले कभी नहीं देखे गए स्तर तक पहुंचेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा कि मादुरो सरकार ने अमेरिकी संपत्तियों जैसे तेल, जमीन और अन्य संसाधनों को चुराया है, जिन्हें तुरंत वापस किया जाना चाहिए। उन्होंने अवैध प्रवासियों से भी इसे जोड़ा और कहा कि बाइडन के समय भेजे गए लोग अब तेजी से वापस वेनेजुएला भेजे जा रहे हैं। यह ऐलान हाल के दिनों में अमेरिकी सेना द्वारा एक तेल टैंकर जब्त करने के बाद आया है। अर्थव्यवस्था को और कमजोर कर सकती है। अमेरिका ने वेनेजुएला पर 2005 से ही पाबंदियां लगाई हुई हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल में 2019 में राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी पेट्रोलियोस डे वेनेजुएला (पीडीवीएसए) से अमेरिका को कच्चा तेल निर्यात पूरी तरह रोक दिया गया था।

ट्रंप की चाल में बुरी तरह फँस गये आसिम मुनीर

अमेरिका की बात मानी तो पाकिस्तानी मारेंगे, नहीं मानी तो ट्रंप नहीं छोड़ेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के सबसे ताकतवर सैन्य प्रमुखों में शुमार फील्ड मार्शल असीम मुनीर इस समय अपने जीवन की सबसे कठिन परीक्षा का सामना कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि अमेरिका इस समय पाकिस्तान पर दबाव बना रहा है कि वह गाजा में प्रस्तावित शांति सेना के लिए अपने सैनिक भेजे। विश्लेषकों का कहना है कि यह कदम पाकिस्तान के भीतर जबरदस्त राजनीतिक और सामाजिक प्रतिक्रिया को जन्म दे सकता है। बताया जा रहा है कि अमेरिका के इस आदेश को देखते हुए असीम मुनीर जल्द ही वाशिंगटन जा सकते हैं। वहां उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात का कार्यक्रम तय हो चुका है। पिछले छह महीनों में मुनीर और ट्रंप की यह तीसरी मुलाकात होगी। इस बैठक का मुख्य एजेंडा गाजा में पाकिस्तानी सेना की तैनाती ही होगी। हम आपको बता दें कि ट्रंप की 20 सूत्रीय गाजा योजना में यह

भी शामिल है कि मुस्लिम देशों की एक सैन्य टुकड़ी गाजा में पुनर्निर्माण और आर्थिक पुनरुद्धार के कार्यों की निगरानी करे। उल्लेखनीय है कि यह इलाका पिछले दो वर्षों से इजरायली बमबारी में तबाह हो चुका है।

वैसे सिर्फ पाकिस्तान नहीं बल्कि कई देश अमेरिका के इस मिशन को लेकर सशंकित हैं क्योंकि इसमें हमास को निरस्त्र करने का जोखिम शामिल है, जो उन्हें सीधे संघर्ष में घसीट सकता है और उनके अपने देशों में फिलिस्तीन समर्थक तथा इजरायल विरोधी जनभावनाओं को भड़का सकता है। लेकिन पाकिस्तान की समस्या यह है कि मुनीर ने ट्रंप के साथ करीबी रिश्ते बना लिए हैं इसलिए अमेरिका का आदेश टालना बड़ा मुश्किल होगा। हम आपको याद दिला दें कि इस साल जून महीने में ट्रंप ने मुनीर को व्हाइट हाउस में अकेले दोपहर के भोजन पर बुलाया था। यह पहला मौका था जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख को बिना किसी असैन्य नेता के आमंत्रित किया था।

दूसरी ओर, गाजा में पाकिस्तानी सेना के मुद्दे को लेकर विशेषज्ञ अलग-अलग राय व्यक्त कर रहे हैं। वॉशिंगटन स्थित अटलांटिक काउंसिल के विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन के अनुसार, यदि पाकिस्तान गाजा बल में योगदान नहीं देता, तो ट्रंप नाराज हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान जैसे देश के लिए गंभीर समस्या है, जो अमेरिकी निवेश और सुरक्षा सहायता के लिए ट्रंप की कृपा खुद पर बनाए रखना चाहता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप पाकिस्तानी सेना की मांग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उसके पास युद्ध लड़ने का अनुभव है, भले वह भारत के साथ सारे युद्ध हार चुकी हो लेकिन पाकिस्तान के अंदर विद्रोह और आतंकवाद से निबटने का उसे अच्छा खासा अनुभव है। विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान की इसी सैन्य क्षमता के कारण मुनीर पर कुछ कर दिखाने का दबाव और बढ़ गया है।

नेतन्याहू से मिले एस जयशंकर, भारत, इस्राइल की साझेदारी को नई ऊंचाई देने पर जोर

तेल अवीव, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर इन दिनों इस्राइल के दौरे पर हैं। उनका ये दौरा भारत और इस्राइल के रिश्तों को और मजबूती देने की दिशा में बड़ा कूटनीतिक कदम माना जा रहा है। इस दौरान भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। जयशंकर ने कहा कि भारत और इस्राइल की रणनीतिक साझेदारी आगे और मजबूत होगी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उन्होंने नेतन्याहू को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं भी दी हैं।

जयशंकर और नेतन्याहू ने तकनीक, आर्थिक क्षेत्र, कौशल और प्रतिभा, कनेक्टिविटी और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। नेतन्याहू ने भी जयशंकर से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में काम जारी रहेगा।

निर बरकात से की मुलाकात पीएम के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को यरूशलम में इस्राइल के अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री निर बरकात से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच निवेश, नवाचार और व्यापारिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। जयशंकर ने भरोसा जताया कि भारत-इस्राइल मुक्त व्यापार समझौता जल्द पूरा होगा, जिससे आर्थिक साझेदारी को नई गति मिलेगी। दो दिन के इस्राइल दौरे पर पहुंचे जयशंकर ने देश के शीर्ष नेतृत्व से भी बातचीत की। उन्होंने इस्राइल के विदेश मंत्री गिडियन साअर, राष्ट्रपति इसहाक हरजोग और

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब प्रधानमंत्री नेतन्याहू के प्रस्तावित भारत दौरे की तैयारियां चल रही हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेतन्याहू के बीच फोन पर बातचीत हुई थी, जिसके बाद इस्राइली प्रधानमंत्री ने जल्द मुलाकात का संकेत दिया था।

एफटीए से निवेश और नवाचार को बढ़ावा

जयशंकर ने निर बरकात के साथ बैठक के बाद कहा कि दोनों देशों ने निवेश और नवाचार सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि भारत-इस्राइल मुक्त व्यापार समझौता जल्द पूरा होने से आर्थिक साझेदारी को बड़ा लाभ मिलेगा। दोनों देश तकनीक, स्टार्टअप, उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में एक-दूसरे के पूरक हैं और इसका लाभ उठाने की जरूरत है। जयशंकर ने सिडनी के बॉन्डी बीच पर हनुक्का समारोह के दौरान हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि भारत और इस्राइल दोनों ही आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हैं। जयशंकर ने इस्राइल को भारत के आतंकवाद विरोधी संघर्ष में लगातार समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के हर रूप और स्वरूप के खिलाफ दोनों देश एकजुट हैं।विदेश मंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत-इस्राइल रणनीतिक साझेदारी काफी मजबूत हुई है। इसमें सरकार से सरकार, कारोबार से कारोबार और लोगों से लोगों के बीच संपर्क शामिल है। जयशंकर ने गाजा शांति योजना के प्रति भारत के समर्थन को दोहराया और उम्मीद जताई कि इससे क्षेत्र में स्थायी और टिकाऊ शांति का रास्ता खुलेगा। जयशंकर का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब दोनों देशों के बीच लगातार उच्चस्तरीय आदान-प्रदान हो रहा है। इस साल इस्राइल के कई मंत्री भारत आ चुके हैं। हाल ही में दोनों देशों ने द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर किए और प्रस्तावित एफटीए के लिए नियम तय किए गए। रक्षा क्षेत्र में भी दोनों देशों ने उन्नत तकनीक साझा करने और सह-विकास पर अहम समझौता किया है। जयशंकर इससे पहले अबू धाबी में सर बनी यास फोरम में शामिल हुए थे और भारत-यूएई संयुक्त आयोग की बैठक में भी भाग लिया था। इस्राइल दौरे के बाद उनके कार्यक्रम से साफ है कि भारत पश्चिम एशिया में अपने रणनीतिक और आर्थिक रिश्तों को और गहराई देना चाहता है। भारत-इस्राइल साझेदारी आने वाले समय में व्यापार, सुरक्षा और तकनीक के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने की दिशा में बढ़ रही है।

ब्राउन यूनिवर्सिटी शूटिंग में एफबीआई ने जारी किए नए वीडियो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के प्रतिष्ठित ब्राउन यूनिवर्सिटी कैंपस पर हुई गोलीबारी ने पूरे देश को हिला दिया है। शनिवार को परीक्षा के दौरान एक हमलावर ने इंजीनियरिंग बिल्डिंग में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग की। इसमें दो छात्रों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। अब एफबीआई ने संदिग्ध की नई वीडियो टाइमलाइन और थोड़ी बेहतर तस्वीर जारी की है, जिसमें वह कैंपस के आसपास घूमता नजर आ रहा है। पहले पकड़े गए एक व्यक्ति को छोड़ दिया गया है और तलाश फिर से शुरू हो गई है। यह घटना 13 दिसंबर को दोपहर बाद हुई, जब छात्र फाइनल परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। हमलावर ने 9एमएम पिस्तौल से क्लासरूम में गोली चलाई और भाग निकला। कैंपस पर घंटों लॉकडाउन रहा, छात्र कमरों में छिपे रहे या फर्नीचर के नीचे दुबके रहे।

एफबीआई ने जारी की नई वीडियो

एफबीआई ने संदिग्ध की एक नई वीडियो जारी की है। इसमें वह शनिवार दोपहर करीब 2 बजे से कैंपस के पास की सड़कों पर घूमता दिख रहा है। वह काले कपड़ों में है, चेहरा मास्क से ढका हुआ है या कैमरे से दूर है। वीडियो में वह इंजीनियरिंग बिल्डिंग से कुछ ब्लॉक दूर की गलियों में करीब एक घंटे तक पैदल चलता नजर आता है। संदिग्ध की लंबाई करीब 5 फुट 8 इंच बताई गई है और वह मोटे कद-काठी का है। पहले एक व्यक्ति को संदिग्ध मानकर हिरासत में लिया गया था, लेकिन जांच में वह निर्दोष साबित हुआ और उसे रिहा कर दिया गया। अब जांच एजेंसियां नए सिरे से संदिग्ध की तलाश कर रही हैं। एफबीआई ने जानकारी देने वाले को 50 हजार डॉलर का इनाम घोषित किया है। पुलिस ने करीब 200 सूचनाएं मिलने की बात कही है और लोगों से अपील की है कि अपने घरों या दुकानों के कैमरों की फुटेज चेक करें। कौन है मुस्तफा खरबूच जिसपर घूम रही शक की सुई? शूटआउट के बीच सोशल मीडिया पर अफवाहों का दौर चल रहा है कि यूनिवर्सिटी ने एक छात्र मुस्तफा खरबूच की ऑनलाइन प्रोफाइल हटा दी है, जिससे उसे संदेह के घेरे में ला खड़ा किया जा रहा है। हालांकि, कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने किसी संदिग्ध का नाम नहीं बताया है और इस दावे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मोजांबिक के राष्ट्रपति से मिली जॉर्जिया मेलोनी; हाइट में अंतर वाली तस्वीर वायरल

रोम, एजेंसी। इटली प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की मोजांबिक के राष्ट्रपति डेनियल फ्रांसिस्को चापो से पिछले हफ्ते रोम में हुई मुलाकात सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच हाइट के बड़े अंतर ने सबका ध्यान खींच लिया। मेलोनी राष्ट्रपति चापो से मिलने आगे बढ़ीं तो ऊपर देखकर थोड़ा हैरान हो गईं, फिर शरमाते हुए मुस्कुराईं और फोटो खिंचवाने के लिए पोज किया। 48 साल के राष्ट्रपति चापो की लंबाई करीब 6 फुट 8 इंच है, जबकि मेलोनी की लंबाई करीब 5 फुट 2 इंच है। इस बड़े अंतर की वजह से फोटोग्राफर्स को दोनों को एक ही फ्रेम में कैद करने में काफी मुश्किल हुई, कई फोटोग्राफर्स झुक गए, तो कुछ जमीन पर लेटकर तस्वीरें लेने लगे। राष्ट्रपति चापो बास्केटबॉल के शौकीन हैं और पहले भी अन्य विश्व नेताओं के साथ तस्वीरों में अपनी लंबाई की वजह से चर्चा में रह चुके हैं। यह बैठक मोजांबिक की आजादी की 50वीं वर्षगांठ और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर हुई। दोनों नेताओं ने ऊर्जा, व्यापार और विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग पर बात की। इस प्लान में ऊर्जा तक पहुंच, सतत कृषि, व्यावसायिक प्रशिक्षण, डिजिटलीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने जैसी कई संयुक्त प्रोजेक्ट शामिल हैं।

'ड्रग्स लेते थे मस्क, हर घटना के पीछे साजिश देखते हैं वेंस'

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। व्हाइट हाउस की वरिष्ठ अधिकारी सूसी वाइल्स ने एक पत्रिका को दिए इंटरव्यू में चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीब लोगों के बारे में स्पष्ट और आलोचनात्मक टिप्पणियां कीं। उन्होंने यह भी कहा कि टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क केटामाइन (ड्रग) का सेवन करते थे।

उन्होंने उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को 'बिना सबूतों के हर बड़ी घटना के पीछे गोपनीय साजिश मानने वाला व्यक्ति' और बजट प्रमुख रस वॉट को 'कट्टर दक्षिणपंथी' बताया। उन्होंने जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों को संभालने के तरीके को लेकर अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी की भी आलोचना की।

इस इंटरव्यू के सामने आने के व्हाइट हाउस ने उनके बयानों को ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया। हालांकि, सूसी वाइल्स ने सोशल

मीडिया पर लिखा कि इस खबर में जरूरी संदर्भों को नजरअंदाज किया गया और इसे जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने सूसी वाइल्स का समर्थन करते हुए कहा कि ट्रंप के पास सूसी से बड़ा या उनसे ज्यादा वफादार सलाहकार कोई नहीं है। लीविट ने एक्स पर कहा, 'पूरा प्रशासन उनके स्थिर नेतृत्व के लिए आभारी है और पूरी तरह उनके साथ खड़ा है।' लेकिन यह इंटरव्यू फिर से राष्ट्रपति और उनकी नीतियों पर सवाल खड़े कर सकता है और पुराने मतभेद, खासकर मस्क के साथ फिर से टकराव पैदा कर सकता है। वाइल्स ने मस्क के बारे में कहा, वह पूरी तरह अकेले काम करने वाले व्यक्ति हैं। एलन के साथ चुनौती यह है कि उनकी गति के साथ कदम मिलाना मुश्किल है। जब उनसे पूछा गया कि मस्क ने एक्स पर जो पोस्ट शेयर की थी, जिसमें कहा गया था कि सरकारी कर्मचारी एडॉल्फ हिटलर, जोसेफ स्टालिन और माओ जेदोंग के समय लाखों मौतों के लिए जिम्मेदार थे, इसके बारे में उनका क्या विचार है, तो वाइल्स ने कहा, मुझे लगता है उस समय वह हल्का ड्रग (माइक्रोडोजिंग) का इस्तेमाल कर रहे थे। हालांकि, वाइल्स ने माना कि उन्हें मस्क के ड्रग इस्तेमाल की प्रत्यक्ष जानकारी नहीं है।

मस्क और टेस्ला के प्रतिनिधियों ने इस बारे में तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

वो भारतीय महिला, जिसने पाकिस्तान में की शादी और बनी जॉर्डन की क्राउन प्रिंसेस

अम्मान, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस सप्ताह जॉर्डन यात्रा के बाद भारत और जॉर्डन के ऐतिहासिक रिश्तों पर एक बार फिर लोगों का ध्यान गया है। पीएम मोदी ने सोमवार, 15 दिसंबर 2025 को जॉर्डन की राजधानी अम्मान में स्थित अल-हुसैनिया पैलेस में जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय बिन अल हुसैन के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की अहम बैठक की। इसी मौके पर हम आपको एक ऐसी भारतीय महिला की कहानी बता रहे हैं, जिनका जीवन भारत, पाकिस्तान और जॉर्डन इन तीनों देशों से गहराई से जुड़ा रहा। यह महिला बाद में जॉर्डन की क्राउन प्रिंसेस बनीं और

दशकों तक शाही जिम्मेदारियां निभाईं।

हम बात कर रहे हैं प्रिंसेस सरवत एल. हसन की। उनका जन्म 1947 में कोलकाता में हुआ था, यानी भारत-पाकिस्तान बंटवारे से कुछ ही हफ्ते पहले। वे एक प्रतिष्ठित बंगाली मुस्लिम परिवार - सुहरावर्दी परिवार से ताल्लुक रखती थीं।

उनका जन्म नाम सरवत इकरामुल्लाह था। उनके पिता मोहम्मद इकरामुल्लाह भारतीय सिविल सेवा के अधिकारी रहे और बाद में वे पाकिस्तान के पहले विदेश सचिव बने। उनकी मां शाइस्ता सुहरावर्दी इकरामुल्लाह पाकिस्तान की पहली महिला सांसदों में से एक थीं और उन्होंने मोरक्को में पाकिस्तान की राजदूत के रूप में भी काम सरवत की पढ़ाई ब्रिटेन में हुई। अपने पिता की यूरोप और दक्षिण एशिया में अलग-अलग राजनयिक तैनातियों के कारण उनका बचपन और युवावस्था एक अंतरराष्ट्रीय माहौल में बीती। इसी दौरान, लंदन में आयोजित एक राजनयिक कार्यक्रम में उनकी मुलाकात जॉर्डन के हाशमी वंश के प्रिंस हसन बिन तलाल से हुई। यहीं से दोनों के रिश्ते की शुरुआत हुई।

पाकिस्तान में हुई शाही शादी: इसके बाद 28 अगस्त 1968 को सरवत इकरामुल्लाह ने पाकिस्तान के कराची में प्रिंस हसन बिन तलाल से विवाह किया। यह शादी पाकिस्तानी, जॉर्डेनियन और पश्चिमी परंपराओं का अनोखा मेल थी।

नीरव मोदी के प्रत्यर्पण पर फिर टला लंदन कोर्ट का फैसला, मार्च 2026 में होगी अगली सुनवाई

लंदन, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े करीब 2 अरब डॉलर के धोखाधड़ी मामले के मुख्य आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण की प्रक्रिया में एक बार फिर देरी हो गई है. लंदन हाई कोर्ट ने नीरव मोदी की उस अर्जी पर सुनवाई मार्च 2026 तक के लिए टाल दी है, जिसमें उसने अपने प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील को दोबारा खोलने की अनुमति मांगी थी. सुनवाई के दौरान कोर्ट में यह बात सामने आई कि नीरव मोदी द्वारा प्रत्यर्पण रोकने के लिए अपनाया गया कोई 'गोपनीय कानूनी रास्ता' (संभवत: शरण की अर्जी) अगस्त में विफल हो गया है. इसके तुरंत बाद उसने अपनी अपील को दोबारा खोलने की यह नई याचिका दायर की. भारत की 'मजबूत गारंटी' और कोर्ट का रुख लंदन के रॉयल कोर्ट्स ऑफ जस्टिस में जस्टिस जेरेमी स्टुअर्ट-स्मिथ और जस्टिस रॉबर्ट जे की पीठ ने सुनवाई की. भारतीय अधिकारियों (सीबीआई और ईडी) ने नीरव मोदी को मुंबई की आर्थर रोड जेल में रखने और उससे पूछताछ को लेकर 'पुख्ता संप्रभु आश्वासन' पेश किए. हालांकि, नीरव के वकीलों ने दावा किया कि ये आश्वासन पर्याप्त नहीं हैं और भारत में उनके मुवक्किल के साथ 'अमानवीय व्यवहार' का खतरा है. अदालत ने नीरव के वकीलों को इन आश्वासनों का जवाब देने के लिए समय देते हुए अगली सुनवाई मार्च 2026 तक टाल दी. जज ने इस देरी पर टिप्पणी करते हुए इसे 'बेहद निराशाजनक' बताया. अगर मार्च-अप्रैल 2026 में होने वाली दो दिवसीय सुनवाई में नीरव की अर्जी खारिज हो जाती है।

तिरुपति में मुंडन सेवा के लिए कारोबारी ने 1 करोड़ 20 लाख के हाफ ब्लेड दान किए

हैदराबाद। एजेंसी।। दुनिया के सबसे अमीर हिंदू मंदिर श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के संरक्षक तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को एक खास दान प्राप्त हुआ। हैदराबाद के एक बिजनेसमैन श्री श्रीधर ने मंदिर की मुंडन रस्मों के लिए 1 करोड़ 20 लाख रुपए के हाफ ब्लेड दान किए हैं। बिजनेसमैन श्रीधर ने कल्याणकट्टों (मुंडन केंद्रों) की सालाना जरूरत को पूरा करने के लिए काफी संख्या में हाफ ब्लेड दान कर दिए हैं। जिनकी कीमत 1.2 करोड़ रुपए के करीब है। मीडिया रिपोर्ट में बताया, बिजनेसमैन श्री श्रीधर ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम को 1.2 करोड़ रुपए के हाफ ब्लेड दान किए हैं। टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायडू ने कहा कि मंदिर संस्था हर साल भक्तों के बाल मुंडवाने के लिए इस्तेमाल होने वाले ब्लेड पर करीब 1.1 करोड़ रुपए खर्च करती है, जो भगवान को अपने बाल चढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि कल्याणकट्टों में रोजाना करीब 40 हजार हाफ ब्लेड इस्तेमाल होते हैं और श्रीधर के दान से मंदिर की पूरे साल की जरूरत पूरी होगी। बता दें कि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है, जो विश्व का सबसे धनी हिंदू मंदिर है। इस मंदिर में प्रतिदिन हजारों भक्त अपनी मनोकामना पूरी होने पर बाल दान करते हैं, जिसे मुंडन सेवा कहा जाता है।

भाजपा सरकार गरीब को गणेश मानकर सेवक के रुप में काम कर रही - सीएम शर्मा

बीकानेर। एजेंसी।। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार गरीब को गणेश मानकर सेवक के रूप में काम कर रही है। सीएम शर्मा बीकानेर के लूणकरणसर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमारा नैतिक दायित्व है कि हम सरकार का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखें।

हमारी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में बजट दिया और हर विधानसभा क्षेत्र में विकास रथ के माध्यम से विकास कार्यों का लेखा-जोखा जनता तक पहुंचा रही है।' उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार ने दो साल में राज्य में सुशासन, जनकल्याण और बहुमुखी विकास के लिए इ इसतरह के अभूतपूर्व कदम उठाए हैं, जो ऐतिहासिक होने के साथ ही समृद्ध एवं विकसित राजस्थान की एक सशक्त बुनियाद भी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने किसान, युवा, महिला और गरीब के उत्थान के लिए कई कदम उठाए हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री शर्मा ने 612 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं 107 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने बीकानेर की जिला विकास पुस्तिका, ग्रामीण सेवा शिविर की सफलता की कहानी तथा 'शहरी सेवा शिविर-2025 पुस्तिका का विमोचन भी किया।

श्रीजगन्नाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर उठे सवाल, सोशल मीडिया पर वायरल अंदर की तस्वीरें

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी जिले स्थित श्रीजगन्नाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था फिर सवाल उठ गए है। सोशल मीडिया पर फिर श्रीजगन्नाथ मंदिर के अंदर की तस्वीरें वायरल हो गई है। बताया जा रहा है कि एक इंटरनेट मीडिया आईडी से रत्नसिंहासन पर विराजमान महाप्रभु श्रीजगन्नाथ की तस्वीरें साझा की गई है। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि फोटो को अत्यंत नजदीक से लिया गया है। हैरानी की बात यह है कि कड़ी जांच व्यवस्था के बावजूद मोबाइल फोन मंदिर परिसर के भीतर कैसे पहुंचा, इस पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। वायरल तस्वीरों के साथ संबंधित व्यक्ति ने पुरी मंदिर के बाहर अपनी तस्वीरें भी अपलोड की हैं। कुछ दिनों के अंतराल के बाद एक बार फिर श्री जगन्नाथ मंदिर के अंदर की तस्वीरें वायरल होने से मंदिर प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

यह मामला न केवल आस्था, बल्कि मंदिर की सुरक्षा में बड़ी चूक की ओर भी इशारा करता है। जिला प्रशासन से मांग की जा रही है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराए और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

शीतकालीन सत्र में बीजेपी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी कांग्रेस

चंडीगढ़ एजेंसी।। हरियाणा में गुरुवार से शुरू हो रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र हंगामेदार होने के आसार है। शीतकालीन सत्र में कांग्रेस द्वारा बीजेपी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। पूर्व सीएम एवं विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में हुड्डा ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने हरियाणा में 'वोटों की चोरी' करके सरकार बनाई है। कांग्रेस नेता हुड्डा ने दावा किया कि सत्ता हासिल करने के लिए बीजेपी ने चुनाव से पहले अवैध प्रलोभन देने और एक ही व्यक्ति के लिए कई वोट बनाने जैसे हथकंडों का सहारा लिया। इसलिए सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा और उसके गलत कामों का सदन में पर्दाफाश किया जाएगा।

गौरव गोगोई ने अटकलों को दिया विराम कहा- एआईयूडीएफ के साथ कांग्रेस नहीं करेगी गठबंधन

गोवाहटी। एजेंसी।। असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने उन तमाम अटकलों को विराम दे दिया, जिसके तहत कहा जा रहा था कि आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और एआईयूडीएफ गठबंधन करेगी। इस पर गोगोई ने साफ इनकार करते हुए कहा कि कांग्रेस इस तरह का कोई गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने एआईयूडीएफ को सांप्रदायिक संगठन बताया और कहा कि 2026 के विधानसभा चुनावों में विपक्षी पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। पहले ही, आठ विपक्षी दलों ने राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा को हराने के लिए अगले साल के विधानसभा चुनावों में एकजुट होकर चुनाव लड़ने का फैसला कर लिया है। गोगोई ने यहां पत्रकारों से कहा, ''किसी भी परिस्थिति में एआईयूडीएफ के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। गोगोई ने दावा किया, भाजपा पहले ही देख चुकी है कि मौजूदा नेतृत्व में उसके भविष्य की संभावनाएं बहुत अच्छी नहीं है। शीर्ष नेतृत्व को इस बात का एहसास है कि भाजपा के सच्चे कार्यकर्ता पार्टी से निराश हो रहे हैं।

नेशनल हेराल्ड मामले में देश से माफी मांगे पीएम नरेंद्र मोदी: राजेश राम

- ईडी की भूमिका संदिग्ध, हमारे नेताओं को भाजपा के इशारे पर बदनाम करने की रच रहा है साजिश - राजेश राम

नई दिल्ली(एजेंसी)। पटना, (ऐएमएस)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को राजनीतिक द्वेष के तहत फंसाने हेतु केंद्र सरकार के इशारे पर नेशनल हेराल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय के द्वारा की जा रही दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई को राउज एवेन्यू कोर्ट से संज्ञान लेने से इंकार करने को जीत बताते हुए भाजपा के नीतियों के विरोध में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में विरोध मार्च पटना के आयकर गोलंबर से भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय तक आयोजित हुआ। इस विरोध मार्च का नेतृत्व कर रहे बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में हमारे नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इंकार कर दिया। अदालत ने दोनों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से दोनों के खिलाफ दायर की गई चार्जशीट का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। जबकि ईडी ने दोनों नेताओं को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नाहक परेशान करने के लिए आरोपी बनाया। नेशनल हेराल्ड केस सिर्फ गांधी परिवार को परेशान करने के लिए है। इस सत्ताधारी भाजपा सरकार द्वारा राजनीतिक बदले की भावना से इस केस को आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि हाल में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ईडी को कानून के दायरे में रहकर काम करना होगा। साथ ही बताया था कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के मामलों में दोष सिद्धि की दर 10 प्रतिशत से भी कम है। इसलिए यह केस केवल गांधी परिवार को बदनाम करने और देश में कांग्रेस की छवि को भाजपा के इशारे पर बिगाड़ने के लिए बार बार उठाने का प्रयास किया जा रहा है। इस मामले में संज्ञान नहीं लेने पर हम कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं और ईडी की भूमिका को संदिग्ध मानते हैं। इसीलिए हम आज विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा से हम मांग करते हैं कि वे राजनीतिक विद्वेष में ऐसे मामले दर्ज कराने से बाज आएं और देश से माफी मांगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंक कर कांग्रेस नेताओं ने उनके विरोध में गगनभेदी नारे भी लगाए। आयकर गोलंबर से आगे पुलिस के द्वारा बलपूर्वक प्रदर्शन को रोक लिया गया। प्रदर्शन में पूर्व विधान पार्षद प्रेमचन्द्र मिश्रा, पूर्व विधायक इजहारुल हुसैन, राजेश राठौड़, प्रतिमा कुमारी दास, अमित कुमार टुन्ना, डॉ संजय यादव, डॉ.स्नेहाशीष वर्द्धन पाण्डेय, सौरभ सिन्हा, शशि रंजन, कुमार आशीष, शिशिर कौडिन्य, पंकज यादव, चन्द्र प्रकाश सिंह, शशिकांत तिवारी, कमल कमलेश, कमलदेव नारायण शुक्ला, सत्येन्द्र कुमार सिंह, गुंजन पटेल,केसर कुमार सिंह, संजय पाण्डेय, संतोष कुमार श्रीवास्तव, सुधीर शर्मा, मृणाल अनामय, मुकुल यादव, राजेन्द्र चौधरी, रंजीत कुमार, रीता सिंह, कुमारी माला, गुरुजीत सिंह, विमलेश तिवारी, नीरज कुमार, अरुण पाठक, विशाल यादव, सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन मौजूद थे।

वेरिफिकेशन के बाद पांच राज्यों में वोटर लिस्ट जारी, एक करोड़ से ज्यादा नाम कटे

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के कराए गए एसआईआर या सामान्य शब्दों में कहें वोटर वेरिफिकेशन के बाद पश्चिम बंगाल, राजस्थान, गोवा, लक्षद्वीप और पुडुचेरी की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गई है। इसमें कुल मतदाताओं की संख्या में 7.6फीसदी की कमी दर्ज की गई है। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 27 अक्टूबर को एसआईआर की घोषणा के समय जहां इन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 13.35 करोड़ मतदाता थे, वहीं ड्राफ्ट सूची में यह संख्या घटकर 12.33 करोड़ रह गई यानी 1.02 करोड़ नाम हटाए गए हैं। बंगाल में 58 लाख 20 हजार 898 वोटरों के नाम हटाने के लिए चिह्नित किए गए हैं। वहीं राजस्थान में 41.85 लाख और पुडुचेरी में 85 हजार वोटर्स के नाम काटे गए है। इसके साथ ही घर-घर जाकर जानकारी जुटाने का काम पूरा हो गया है। अब आगे दावा, आपत्ति और सुनवाई की प्रक्रिया शुरू होगी। एसआईआर का दूसरा चरण फरवरी 2026 तक चलेगा और अंतिम वोटर लिस्ट 14 फरवरी 2026 को जारी होगी। इसके साथ ही गोवा और लक्षद्वीप में भी वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट प्रकाशित की जाएगी।

ममता का बचाव कर अभिषेक ने कहा... झुकता वहीं है जिसमें जान है, वरना अकड़ मुर्दों की पहचान

कोलकाता (एजेंसी)। मशहूर फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी के कोलकाता दौरे के दौरान हुई अव्यवस्था और उस पर मची राजनीतिक हलचल ने राज्य का पारा चढ़ा रखा है। वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने उत्तर प्रदेश के कुंभ मेला और अन्य राज्यों की घटनाओं का उदाहरण देकर पश्चिम बंगाल सरकार का बचाव किया है।

सांसद अभिषेक बनर्जी ने भाजपा शासित राज्यों में हुई दुर्घटनाओं (जैसे कुंभ और दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़) का जिक्र कर कहा कि वहां किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली। उन्होंने ममता बनर्जी की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने घटना के एक घंटे के भीतर माफी मांग ली। उन्होंने इसके लिए एक शेर का उपयोग किया कि झुकता वहीं है जिसमें जान है, वरना अकड़ मुर्दों की पहचान है। उनके अनुसार, जवाबदेही तय करना ही टीएमसी की जीत का कारण है। दरअसल मेसी का गोट टूर 2025 कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में अव्यवस्था का शिकार हो गया था। फुटबाल प्रशंसकों का आरोप है कि मैदान पर वीआईपी और राजनेताओं की अत्यधिक भीड़ के कारण आम दर्शक मेसी को देख नहीं पाए। टिकट खरीदने के बावजूद मेसी की झलक न मिलने पर प्रशंसकों ने स्टेडियम में तोड़फोड़ की। आयोजकों पर सुरक्षा और समन्वय की कमी के गंभीर आरोप लगे। विवाद बढ़ने के बाद राज्य सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं। ममता सरकार में खेल मंत्री अरूप बिस्वास ने नैतिक जिम्मेदारी लेकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। घटना की जांच के लिए चार वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की एक विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाई गई है। डीजीपी राजीव कुमार को 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने के लिए नोटिस जारी किया गया है।

पाकिस्तान के कुख्यात डॉन भट्टी ने दी नीतीश को धमकी... हिजाब मामले में माफी मांगे ले

पटना, (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक मुस्लिम महिला के चेहरे से हिजाब खींचने के विवाद में अब पाकिस्तानी डॉन भी कूद गया है। पाकिस्तान के कुख्यात डॉन शहजाद भट्टी ने वीडियो जारी कर धमकी दी है कि सीएम नीतीश माफी मांग लें वरना फिर ये मत कहना है कि चेतावनी नहीं दी।

दरअसल पटना में नवनियुक्त एक आयुष चिकित्सक तब असहज हो गई, जब मुख्यमंत्री नीतीश ने नियुक्ति पत्र प्रदान करने के दौरान उनके चेहरे से हिजाब हटा दिया। घटना का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है। यह घटना मुख्यमंत्री सचिवालय 'संवाद' में एक कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां एक हजार से अधिक आयुष चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे थे।

नियुक्ति पत्र देने के दौरान जब नुसरत परवीन की बारी आई, जो चेहरे पर हिजाब डाले हुई थीं, तब 75 वर्षीय मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताकर कहा, -यह क्या है?- इसके बाद मुख्यमंत्री उनके चेहरे से हिजाब हटा दिया। घबराई हुई नवनियुक्त चिकित्सक को इसके बाद वहां मौजूद एक अधिकारी ने तुरंत एक ओर कर दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री के बगल में खड़े उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी उन्हें रोकने के प्रयास में उनकी आस्तीन खींचते हुए नजर आए। इस पर पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने अपना वीडियो जारी कर कहा है कि सभी लोगों ने देखा होगा कि बिहार में क्या हुआ। एक बड़े पद पर बैठा व्यक्ति एक मुस्लिम महिला के साथ व्यवहार करता है। फिर बाद में मुझपर आरोप लगाए जाते हैं कि भट्टी ने यह कर दिया, वह कर दिया। उस व्यक्ति के पास अभी भी समय है कि वह उस बच्ची और उस महिला से माफी मांगे। अगर आज माफी नहीं मांगी गई, तब जिम्मेदार संस्थानों को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। बाद में यह मत कहना है कि चेतावनी नहीं दी गई थी। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शहजाद भट्टी पाकिस्तान के पंजाब प्रांत का रहने वाला है।

उत्तर और पूर्वी भारत में घना कोहरा, उड़ानों में देरी की संभावना- मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी।। उत्तर और पूर्वी भारत के कई हिस्से इस समय घने कोहरे की चपेट में हैं। मौसम विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ घंटों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि दृश्यता कम होने के कारण सड़क और हवाई यातायात पर असर पड़ सकता है। इंडिगो एयरलाइन ने मंगलवार रात को यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की। इंडिगो ने कहा कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उड़ान संचालन में बदलाव किया जा सकता है। एयरलाइन की टीमें एयरपोर्ट पर पूरी तरह तैयार हैं और वे फ्लाइट शेड्यूल को अपडेट करने तथा यात्रियों की मदद के लिए काम कर रही हैं। या ?त्रियों को सलाह दी जाती है ?कि घने कोहरे के कारण सड़क यातायात प्रभावित हो सकता है, इसलिए समय से पहले एयरपोर्ट पहुंचें, फ्लाइट की सही टाइमिंग और अपडेट के लिए इंडिगो की आधिकारिक वेबसाइट या ऐप चेक करें एवं किसी भी असुविधा या जानकारी के लिए एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ से संपर्क करें।

बीजेपी के केंद्रीय मंत्री का दावा... राहुल गांधी और बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच झगड़ा

-बीजेपी का आरोप, कांग्रेस की आंतरिक कलह अब बाहर आ गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच विवाद को लेकर दावा किया है। उन्होंने कहा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष परिवार से झगड़ा कर विदेश चले गए हैं। फिलहाल, बीजेपी नेता के इन दावों पर कांग्रेस की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इसके पहले भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस से निकाले गए नेता मोहम्मद मुकीम के पत्र के हवाले से इसतरह का दावा किया था।

केंद्रीय मंत्री बिट्टू से कांग्रेस के प्रदर्शन की तैयारी पर सवाल पूछा गया। इसपर उन्होंने कहा, उनके पास लोग हैं प्रदर्शन करने के लिए? उन्हें महात्मा गांधी से कोई लेना देना नहीं है। उन्हें जो उनका गांधी है, प्रियंका गांधी, राहुल गांधी, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, संजय गांधी, उन्हें उस गांधी से दिक्कत है कि यहां कहा जा रहा है। उन्होंने कहा, लोग उस गांधी को भूल चुके हैं, जो उनके नाम से जुड़ा हुआ है। उस गांधी को नकार चुके हैं। और बापू गांधी थे हैं और हमेशा रहने वाले हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी है कहां? अभी मैं उनकी तस्वीरें जर्मनी में देख रहा था। उन्होंने कहा, दोनों गांधी में लड़ाई चल रही है, बड़ी भारी लड़ाई चल रही है। जो मुझे पता लगा है... सदन में जो दो तीन बार जो भाषण हुआ है, उस भी लोगों ने प्रियंका गांधी वाड्रा का जो भाषण है, उसकी तुलना की है। और राहुल गांधी इस चीज से नाराज होकर परिवार और पार्टी से लड़कर यहां से चले गए हैं। उन्होंने कहा, उनकी पार्टी और फैमिली में जो प्रॉब्लम है। इसलिए राहुल गांधी छोड़कर चले गए हैं। बता दें कि इसके पहले भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने लिखा था, टीम प्रियंका बनाम टीम राहुल खुलकर सामने आ गया है। कांग्रेस की आंतरिक कलह अब बाहर आ गई है। उन्होंने लिखा, ओडिशा से वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने सोनिया गांधी को लिखा कि खड़गे हटाओ, प्रियंका लाओ। साथ ही प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व पर सवाल उठाए हैं।

धर्मांतरण कानून पर रोक ! राज्यपाल ने लौटा दिया उम्रकैद की सजा वाला बिल

देहरादून (एजेंसी)। जबरन धर्मांतरण के मामलों में सजा का दायरा बढ़ाने से जुड़े उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता (संशोधन) विधेयक 2025 को फिलहाल मंजूरी नहीं मिल सकी है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने इस विधेयक को पुनर्विचार के संदेश के साथ राज्य सरकार को वापस भेज दिया है। बताया जा रहा है कि विधेयक के मसौदे में कुछ तकनीकी खामियों के कारण यह निर्णय लिया गया। विधायी विभाग को यह विधेयक मंगलवार को प्राप्त हुआ।

सरकार के सामने अब इस विधेयक को लागू करने के लिए सीमित विकल्प रह गए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, या तो सरकार अध्यादेश के जरिए इसे प्रभावी बनाए, अथवा अगले विधानसभा सत्र में इसे संशोधनों के साथ दोबारा पारित कराए। धामी सरकार के लिए यह विधेयक काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इसके जरिए जबरन और छल-बल से होने वाले धर्मांतरण पर सख्ती बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य में धर्म स्वतंत्रता कानून का इतिहास पहले से रहा है। वर्ष 2018 में पहली बार उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता (संशोधन) कानून लागू किया गया था। इसके बाद वर्ष 2022 में इसमें संशोधन कर सजाओं को और कठोर बनाया गया। हाल के वर्षों में सामने आए मामलों को देखते हुए, सरकार ने 13 अगस्त 2025 को कैबिनेट में प्रस्ताव पारित कर नए संशोधन विधेयक को मंजूरी दी। यह विधेयक 20 अगस्त को गैरसैंण में आयोजित विधानसभा सत्र में पारित भी हो गया था, जिसके बाद इसे राज्यपाल की स्वीकृति के लिए भेजा गया।

सजा और प्रावधानों में बड़े बदलाव

नए विधेयक में छल, दबाव या प्रलोभन से धर्मांतरण कराने पर कड़े दंड का प्रावधान किया गया है। अब ऐसे मामलों में कोई भी व्यक्ति शिकायत दर्ज करा सकेगा, जबकि पहले यह दायरा केवल खून के रिश्तों तक सीमित था। सामान्य धर्म परिवर्तन के मामलों में जेल की सजा को बढ़ाकर तीन से दस वर्ष कर दिया गया है, जो पहले दो से सात वर्ष थी। इसके अलावा जिलाधिकारी को गैंगस्टर एक्ट की तर्ज पर संपत्ति कुर्क करने का अधिकार देने का प्रस्ताव है। विवाह का झांसा देकर, हमला, षड्यंत्र, नाबालिगों की तस्करी, दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों के जरिए धर्मांतरण कराने पर न्यूनतम 20 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान रखा गया है। ऐसे मामलों में दोषियों पर दस लाख रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जा सकेगा।

बॉन्डी बीच पर हमला करने वाला साजिद हैदराबाद का रहने वाला

-तेलंगाना पुलिस ने किया खुलासा, रोजगार की तलाश में चला गया था आस्ट्रेलिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय के हनुक्का कार्यक्रम में हुए आतंकी हमले ने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इस हमले में 15 लोगों की मौत और दर्जनों लोग घायल हो गए थे। भारत से लेकर ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस तक कई एजेंसियां इस आतंकी साजिश के तार खंगालने में जुटी है। शुरुआती रिपोर्ट्स में हमलावरों को पाकिस्तानी मूल का बताया था, लेकिन भारत के तेलंगाना पुलिस के मुताबिक साजिद अकरम मूल रूप से हैदराबाद का रहने वाला था और उसने वहीं से बीकॉम की पढ़ाई पूरी की थी।

वर्ष 1998 में रोजगार की तलाश में ऑस्ट्रेलिया चला गया था और बीते करीब 27 सालों से उसका भारत से कोई संबंध नहीं रहा। पुलिस के मुताबिक साजिद ने इस दौरान केवल छह बार भारत आया यहां तक कि पिता के निधन के समय भी वह भारत नहीं आया। तेलंगाना पुलिस ने साफ किया है कि इस हमले के पीछे भारत या तेलंगाना से जुड़ा कोई स्थानीय लिंक नहीं है और कट्टरपंथी विचारधारा के सूत्र विदेश में ही विकसित हुए हैं।

तेलंगाना पुलिस के मुताबिक साजिद अकरम के पास अब भी भारतीय पासपोर्ट था, लेकिन भारत से उसका रिश्ता सीमित था। पुलिस के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद वह केवल छह बार ही भारत आया और वह भी मुख्य रूप से संपत्ति से जुड़े कामों या बुजुर्ग माता-पिता से मिलने के लिए। ऑस्ट्रेलिया में बसने के बाद साजिद ने यूरोपीय मूल की महिला वेनेरा ग्रोसो से शादी की। उनके दो बच्चे हुए, जिसमें एक बेटा नावेद अकरम और एक बेटी है। दोनों बच्चे ऑस्ट्रेलिया में जन्मे और ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं।

बता दें 14 दिसंबर को सिडनी के बॉन्डी बीच पर हनुक्का समारोह के दौरान हुए आतंकी हमले में साजिद और उसके बेटे नावेद अकरम ने गोलीबारी की। इस हमले में 15 लोगों की मौत हुई और 42 से ज्यादा लोग घायल हुए। पुलिस मुठभेड़ में साजिद मारा गया, जबकि नावेद गंभीर रूप से घायल अवस्था में पुलिस हिरासत में है। जांच में सामने आया है कि हमले से कुछ हफ्ते पहले साजिद और नावेद फिलीपींस गए थे। वे 1 नवंबर 2025 को सिडनी से फिलीपींस पहुंचे और 28 नवंबर को वापस लौटे। उन्होंने मिंडानाओ के दावाओ क्षेत्र की यात्रा की थी, जो पहले आईएस से जुड़े आतंकी नेटवर्क के लिए जाना जाता रहा है। बॉन्डी बीच हमला ऑस्ट्रेलिया में पिछले करीब 30 सालों का सबसे बड़ा और सबसे घातक हमला माना जा रहा है।